हरिभूमि

जबलपुर
रविवार, 12 जनवरी 2025

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

ALLEN
THE CLEAR LEADER
IIT-JEE, AIIMS, NEET (UG) & OLYMPIADS

EVERY 4TH SUCCESS STORY IS POWERED BY ALLEN

IITs	AIIMS (MBBS)	NEET (UG)	OLYMPIADS
4425	660	6570	939 out of 3704
ALLENites out of 17692 seats in 2024	ALLENites out of 2207 seats in 2024	ALLENites in Top 25000 All India Rank in 2024	Selections in Indian National Olympiads2025

45 AIR in Top 100-JEE (Adv.) 2024 | 39 AIR in Top 100-NEET (UG) 2024

ONCE AGAIN LEADING RESULT IN THE STATE

ALLEN INDORE

ADDING MORE FEATHERS TO THE SUCCESS STORIES OF OUR STUDENTS....

CHAMPIONS AGAIN!
IN THE **MOST PRESTIGIOUS OLYMPIAD** WHICH IS EXTREMELY IMPORTANT FOR FUTURE CAREER BUILDING OF STUDENTS

43
Selections for
INDIAN NATIONAL OLYMPIADS (INO 2025)
(Stage-2 of official International Science & Informatics Olympiad & Stage-3 of International Mathematical Olympiad)

- NSEP, NSEC, NSEA — Atharva Airen, Class 12, 3 Year Classroom
- NSEP, NSEC, NSEA — Chirayu Jain, Class 12, 7 Year Classroom
- NSEP, NSEC, RMO — Harshit Agrawal, Class 12, 1 Year Classroom
- NSEP, NSEC, NSEA — Parth Maheshwari, Class 11, 3 Year Classroom
- NSEP, NSEC, NSEA — Rishi Kumar, Class 12, 7 Year Classroom
- NSEA, RMO, ZIO — Shashwat Pathak, Class 10, 2 Year Classroom
- NSEP, ZCO — Daniel Dewaswala, Class 10, 3 Year Classroom
- NSEP, NSEA — Pratyush Prasad, Class 12, 5 Year Classroom
- NSEP, NSEA — Ram Upadhyay, Class 12, 6 Year Classroom
- NSEP, NSEA — Riddhesh Bendale, Class 11, 1 Year Classroom
- NSEP, NSEA — Shantanu Patil, Class 12, 3 Year Classroom
- NSEA, NSEC — Yatharth Shrivastav, Class 11, 4 Year Classroom
- NSEB — Arth Sharma, Class 11, 4 Year Classroom
- NSEJS — Aditya Prasad, Class 9, 3 Year Classroom
- NSEJS — Aryan Sharma, Class 9, 1 Year Classroom
- NSEP — Atharva Deshmukh, Class 11, 2 Year Classroom
- RMO — Kushagra Agrawal, Class 11, 1 Year Classroom
- NSEA — Lakshya Agrawal, Class 12, 3 Year Classroom
- RMO — Mohak Jagetiya, Class 10, 3 Year Classroom
- NSEJS — Nitya Agrawal, Class 9, 3 Year Classroom
- ZIO — Piya Mohta, Class 10, 1 Year Classroom
- NSEA — Pratyush Gupta, Class 12, 2 Year Classroom
- NSEJS — Sachika Agrawal, Class 9, 3 Year Classroom
- RMO — Shubham Chahar, Class 11, 6 Year Classroom
- RMO — Ushraayush Mukherjee, Class 10, 4 Year Classroom

11	6	12	1	6	4	3
STUDENTS SELECTED FOR INPhO	STUDENTS SELECTED FOR INChO	STUDENTS SELECTED FOR INAO	STUDENT SELECTED FOR INBO	STUDENTS SELECTED FOR INMO	STUDENTS SELECTED FOR INJSO	STUDENTS SELECTED FOR INOI

ALLEN INDORE PRESENTS

Offline Aptitude Test
MADHYA PRADESH CHILD GENIUS
Only for Non Allen Students

FOR CLASS 5th TO 10th STUDYING STUDENTS

Date: 19 JAN. 2025

Exam mode: Offline (2 hours)

Scan for Free Registration

CASH PRIZES UP TO **6.5 LAKHS** For Meritorious Students

SCHOLARSHIP **UP TO 90%** For Successful Participants based on performance

ALLEN Indore Center
09513731667 allen.ac.in/indore

KOTA Center
0744-3556677, 2757575 allen.ac.in

Missed SFB-1?
GRAB THIS SECOND CHANCE
SPECIAL FEE BENEFIT (SFB-2)

Valid till 20th JANUARY 2025
Deposit your ward's next year FEE (Academic Session 2025-26) before 20th January 2025 for batches starting in January/ March/April 2025 & secure your admission with best and maximum benefit in the FEE.

To understand the fee advantage Visit Allen Indore or Call 09513731667

TO APPLY ONLINE

Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment to prepare students for their target examinations. Studying in a coaching institute does not guarantee selection for the examination. Selection depends on preparation, admission seats in competitive exam and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of paid classroom courses.

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

◆ तिथि के अनुसार श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर दो त्यौहारों जैसा नजारा, रंग उड़े, आतिशबाजी भी हुई

अयोध्या में 'होली' भी...'दिवाली' भी

रामलला की महाआरती भी की गई देश भर से करीब 2 हजार संत पहुंचे

राम मंदिर को 50 क्विंटल फूलों से सजाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में श्री रामलला की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली सालगिरह मनाई जा रही है। पिछले साल 22 जनवरी को रामलला के प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी।

इस बार हिंदू कैलेंडर के अनुसार शनिवार को प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ का आयोजन किया गया ।अयोध्या के राम लला मंदिर में होने वाले समारोह का सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुभारंभ किया।

सीएम योगी ने किया पंचामृत अभिषेक, तीन दिन चलेगा प्राण प्रतिष्ठा समारोह

6 लाख श्रीराम मंत्रों का जाप

दोपहर 2 से 5 बजे के बीच हवन हुआ। साथ ही 6 लाख श्रीराम मंत्रों के जाप, राम रक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा पाठ किया गया। प्रतिष्ठा द्वादशी के पावन अवसर पर मंदिर भूतल पर 3 बजे से राग सेवा का विशेष कार्यक्रम किया गया शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक बधाई गान चला। यात्री सुविधा केंद्र के प्रथम तल पर दोपहर बाद संगीतमय मानस पाठ हुआ। अंगद टीला पर मानस प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रामलला के आगे नतमस्तक सीएम योगी

खबर संक्षेप

एक्टर टीकू तलसानिया को आया ब्रेन स्ट्रोक

मुंबई। जाने-माने फिल्म और टीवी एक्टर टीकू तलसानिया को लेकर पहले खबर आई थी कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा है, लेकिन उनकी पत्नी दीप्ति तलसानिया ने बताया कि उन्हें दिल का दौरा नहीं, बल्कि ब्रेन स्ट्रोक आया था। उन्होंने बताया कि टीकू एक फिल्म स्क्रीनिंग में गए थे जहां रात 8 बजे के आसपास उनकी तबीयत खराब हुई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महिला खिलाड़ी से 2 साल में 60 ने किया रेप

तिरुवनंतपुरम। केरल के पथानामथिट्टा में 2 साल के दौरान महिला खिलाड़ी से कई बार बलात्कार का मामला सामने आया है। पुलिस ने इसे लेकर 4 एफआईआर दर्ज की हैं और 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इस मामले में 60 से अधिक लोगों के शामिल होने का संदेह है। पुलिस के हवाले से बताया गया कि पीड़िता दो महीने पहले ही 18 साल की हुई है। आरोप है कि 16 साल की उम्र से ही उसके साथ कई बार बलात्कार किया गया।

नवजात का गला रेता कचरे में फेंक दिया

राजगढ़। जिले के बलबटपुरा कालोनी के पास कचरे के ढेर में एक नवजात बच्ची गंभीर अवस्था में घायल मिली है। बच्ची का पहले गला रेतकर, उसे कचरे के ढेर में फेंक दिया था। इलाके के लोगों ने जब नवजात बच्ची को कूड़े के ढेर में देखा, तो पुलिस की इस बात सूचना दी। मौके पर पहुंचकर पुलिस नवजात बच्ची को पचोर अस्पताल ले गई, जहां से प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

ड्रग तस्करी के सफाए और राष्ट्रीय सुरक्षा पर रीजनल कॉन्फ्रेंस में बोले गृहमंत्री शाह

2024 में 16,914 करोड़ रु. की ड्रग्स पकड़ी यह आजादी के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा

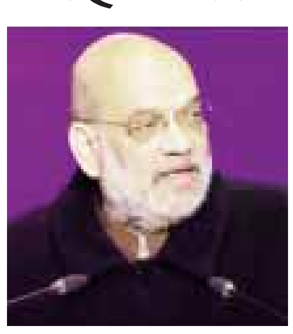

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि कुछ लोग तंज कस रहे हैं कि ड्रग्स का इस्तेमाल बढ़ रहा है। मगर, ड्रग्स का उपयोग नहीं बढ़ रहा बल्कि सख्त कार्रवाई की जा रही है और उसका नतीजा यह है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का आयोजन

नार्को टेरर के पूरे ईकोसिस्टम को ध्वस्त करने संकल्पित

विशेष रूप से उत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इससे निपटने पर फोकस रहा

अगले 10 दिन में करीब 1 लाख किलोग्राम नशीले पदार्थ नष्ट किए जाएंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 10 सालों में ड्रग्स के खिलाफ अपनी लड़ाई को काफी मजबूत किया है और इस दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि 2004 से 2014 के बीच लगभग 3 लाख 63 हजार किलो ड्रग्स जब्त किए गए थे, जबकि पिछले 10 वर्षों में यह आंकड़ा बढ़कर 24 लाख किलो तक पहुंच गया है, जो कि सात गुना अधिक है। साल 2024 में पुलिस और एनसीबी ने 16,914 करोड़ रूपए के ड्रग्स जब्त करने में सफलता हासिल की है, जो कि आजादी के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। देश में ड्रग्स तस्करी की बढ़ती समस्या और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके पड़ने वाले प्रभावों से निपटने के लिए सरकार और सक्रिय हो गई है। शनिवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर दिल्ली में एक रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की।

गृहमंत्री शाह का दावा 10 साल में तीन लाख किग्रा ड्रग्स जब्त

संपत्ति की जब्ती के कानून को बढ़ाने की जरूरत

शाह ने कहा कि हमने इन्वेस्टिगेशन में भी कई बदलाव करते हुए न सिर्फ ड्रग्स बल्कि इसके साथ जुड़े आतंकवाद के तंत्र को भी उजागर किया है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, गुजरात, उत्तर प्रदेश की स्थानीय पुलिस और केन्द्रीय एजेंसियों ने नार्को टेरर के कई केसों को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि ⏩ शेष पेज 2 पर

इतने करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

शाह ने कहा कि यह उपलब्धि देश के पारिस्थितिकी तंत्र, जनता और अदालतों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया का परिणाम है। अगर हम ड्रग्स की कीमत की बात करें, तो 2004-2014 में जब्त किए गए ड्रग्स का मूल्य लगभग 8,150 करोड़ रुपए था, जो 2014-2024 में ⏩ शेष पेज 2 पर

शाह ने भोपाल एनसीबी ऑफिस का किया उद्घाटन

भोपाल। मध्यप्रदेश में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का दूसरा दफ्तर भोपाल में खोला गया है। गृहमंत्री शाह ने शनिवार को इस ऑफिस का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह ऑफिस हबीबगंज इलाके में आईएसबीटी परिसर में स्थापित किया गया है। एनसीबी की यह यूनिट प्रदेश के 36 जिलों में काम करेगी। गृह मंत्रालय ने एनसीबी सशक्तिकरण के प्रथम फेज पर 536 नए पदों की स्वीकृति दी है। वहीं, देश के विभिन्न

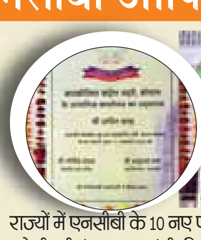

राज्यों में एनसीबी के 10 नए फील्ड ऑफिस खोलने की अनुमति प्रदान की है जिसमें बरेली, श्रीगंगानगर, मंडी, फिरोजपुर, नागपुर,मंगलौर, मदुरै, आईजोल, पोर्टब्लेयर और दिमापुर शामिल हैं। मध्यप्रदेश में मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए अभी एनसीबी की इंदौर यूनिट काम कर रही है इसके अतिरिक्त भोपाल यूनिट की भी स्थापना की गई है।

प्रदेश में लगातार मौसम में उतार-चढ़ाव

आज बारिश के साथ कुछ जिलों में ओले गिरेंगे, भोपाल में छाएगी धुंध

कई जिलों में रहेगा घना कोहरा रात का पारा बढ़ेगा

बड़ी झील का दृश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नया पश्चिमी विक्षोभ आने से प्रदेशभर में शनिवार से मौसम का मिजाज बदला है। रविवार शाम तक महाराष्ट्र और प्रदेश के उत्तरी हिस्से में बारिश और कुछ जगह ओले गिरेंगे। इस बीच रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी, जबकि दिन में ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

यहां रहा 7 डिग्री से कम तापमान

- ⏩ शहडोल : 4.5
- ⏩ रीवा : 5.0
- ⏩ मंडला : 5.4
- ⏩ अनूपपुर : 5.6
- ⏩ उमरिया : 6.5

डिग्री से.

सुप्रीम कोर्ट नए कानून पर करेगा विचार

'पहली बार' बदले नियमों के तहत होगी सीईसी की नियुक्ति

◆ *नए कानून में सीजेआई को पैनल से बाहर रखा गया*

◆ *ज्ञानेश कुमार और संधू में से किसी को चुना जाएगा*

नईदिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार 18 फरवरी को पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसके बाद, नए कानून के तहत पहली बार मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की जाएगी।पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भी होते थे।

पहले कैसे होती थी नियुक्ति?

नए कानून के लागू होने से पहले, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सरकार की सिफारिश पर की जाती थी। परंपरा के अनुसार, सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर पदोन्नत कर दिया जाता था। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली समिति नए चुनाव आयुक्त पर फैसला करेगी।

पीएमओ के दखल के बाद आनन-फानन में कार्रवाई

जीतू का इस्तीफा अस्वीकार, भाजपा ने 6 साल के लिए पार्टी से निकाला

मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद 6 आरोपियों की गिरफ्तारी

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

इंदौर में भाजपा पार्षद कमलेश कालरा के घर हमला करने और नाबालिग बेटे को निर्वस्त्र कर पीटने की घटना के 8 दिन बाद आरोपी पार्षद जीतू यादव को प्रदेश भाजपा ने 6 साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से बर्खास्त कर दिया है। खास बात यह है कि लगातार पड़ रहे दबाव के बाद जीतू ने खुद नगर निगम के एमआईसी सदस्य और भाजपा की प्राथमिकता सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन, भाजपा ने उनका इस्तीफा अस्वीकार कर उन्हें खुद पार्टी से बाहर निकाल दिया। भाजपा ने यह कार्रवाई तब की जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई, पीएमओ कार्यालय से पूरी रिपोर्ट तलब कर ली गई और खुद जीतू ने इस्तीफा दे दिया। बीती 3 जनवरी को 40-50 लोगों ने भाजपा पार्षद कमलेश कालरा के घर में घुसकर हमला किया था।

■ पार्षद कालरा के घर में घुसकर बच्चे को किया था निर्वस्त्र

13 बदमाशों की पहचान, 6 की गिरफ्तारी

जूनी इंदौर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखकर 13 आरोपी बदमाशों की पहचान कर ली। इनमें से 6 को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें विनय, नवीन, अरुण उर्फ गोलू, कृष्णा, ललित और पिंटू शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने 24 जनवरी तक जेल भेजने के आदेश दिए। पुलिस का कहना है कि अभी तक जीतू यादव के नाम से कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। हालांकि, पुलिस ने जीतू की पूरी क्राइम कुंडली खंगाल ली है। पुलिस का कहना है कि जीतू यादव ने 1999 में अपराध की दुनिया में कदम रखा था। तब से 2019 तक जीतू पर 11 केस दर्ज हो चुके हैं।

कलेक्टर व एसपी सहित 200 पुलिसकर्मी रहे मौजूद

14 बुलडोजरों ने 257 मकान किए जमींदोज

उज्जैन। महाकाल की नगरी में शनिवार को मंदिर के पास स्थित निजामुद्दीन कॉलोनी में 257 मकानों पर बुलडोजर चला। यह कार्रवाई महाकाल विस्तारीकरण योजना के तहत हुई। प्रशासन ने 2 सालों की न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद यह कदम उठाया। रहवासियों को 66 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जा रहा है, जिसमें से 32 करोड़ रुपए पहले ही दिए जा चुके हैं। सवा दो हेक्टेयर जमीन को खाली कराकर पार्किंग बनाई जाएगी। कार्रवाई में 14 बुलडोजर और पोकलेन, 200 से ज़्यादा पुलिसकर्मी, और प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

पटवारी बोले- बाबा साहेब की प्रतिमा पर माफी मांगें शाह

'संविधान गौरव दिवस' न मनाकर पश्चाताप यात्रा ही निकाले भाजपा

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को अपने निवास पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा को संविधान गौरव दिवस मनाने की बजाए पश्चाताप यात्रा निकालनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री अमित शाह को बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर जाकर माफी मांगनी चाहिए। भाजपा और आरएसएस ने कई बार संविधान बदलने की बात कही और इसकी कोशिश भी की है, ऐसे में राहुल गांधी ने संविधान को बचाने के लिए लड़ाई शुरू की है। जनता ने कांग्रेस को विपक्ष का जनादेश दिया है। हम विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं। देश के सभी संतों ने मोहब्बत की बात कही है कांग्रेस पार्टी भी यही काम कर रही है। पटवारी ने दावा किया कि एक लाख से अधिक लोग 27 जनवरी को महू में संविधान बचाने के लिए जुटेंगे।

■ दावा : 27 जनवरी को महू में संविधान बचाने जुटेंगे एक लाख लोग

वीडी : महू आने से पहले राहुल माफी मांगें

पटवारी के बयान पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि राहुल गांधी महू आने से पहले माफी मांगें कि हम 55 साल तक सरकार में होने के बाद भी बाबा साहेब के सम्मान में कुछ नहीं कर पाए। केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आरोप लगाते हैं लेकिन वे नहीं जानते कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने संविधान के लिए जो किया वह देश हित के लिए किया।

टीईसीएबी को सफलतापूर्वक केवल 58 मिनट में पूरा किया गया

भारत के पहले रोबोटिक सिस्टम ने 286 किलोमीटर की दूरी से की 'टेलीसर्जरी'

टीईसीएबी को सबसे मुश्किल कार्डियक सर्जिकल प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अलग खबर

मेड-इन-इंडिया सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्र ने टेलीसर्जरी के जरिए 286 किलोमीटर की दूरी से दो 'रोबोटिक कार्डियक सर्जरी' सफलतापूर्वक पूरी की है। डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने गुरुग्राम से मणिपाल अस्पताल जयपुर तक एसएसआई मंत्र 3 सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम का इस्तेमाल कर इस सर्जरी को पूरा किया। टेलीरोबोटिक-असिस्टेंट इंटरनल मैमरी आर्टरी हार्वेस्टिंग प्रक्रिया को दूर से ही सफलतापूर्वक केवल 58 मिनट में पूरा किया गया। सर्जरी ने केवल 35-40 मिली सेकंड (एक सेकंड का 20वां हिस्सा) की कम देरी के साथ

असाधारण सटीकता का प्रदर्शन किया। इस ग्राउंड ब्रेकिंग प्रक्रिया के बाद एक दूसरी वर्ल्ड-फर्स्ट, रोबोटिक बीटिंग हार्ट टोटली एंडोस्कोपिक कोरोनरी आर्टरी बाइपास (टीईसीएबी) प्रक्रिया पूरी की गई।

अब हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स दूर बैठकर भी इलाज करने में सक्षम

एसएस इनोवेशन द्वारा विकसित, एसएसआई मंत्र 3 सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम दुनिया का एकमात्र रोबोटिक सिस्टम है जिसे टेलीसर्जरी और टेली-प्रॉक्टोरिंग के लिए रेगुलेटरी एप्रूवल प्राप्त हुआ है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा एसएसआई मंत्र 3 को हाल ही में दी गई मंजूरी ने रिमोट सर्जरी और मेडिकल एजुकेशन के द्वार खोल दिए हैं, जिससे हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स दूर बैठकर भी इलाज करने में सक्षम होंगे।

सर्जरी की क्षमताओं को एडवांस करना बड़ा परिवर्तन

एसएस इनोवेशन के संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि हम मानवता को लाभ पहुंचाने के लिए सर्जरी की क्षमताओं को एडवांस करने के लिए बेहद रोमांचित हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां इसकी सबसे अधिक जरूरत है। टेलीसर्जरी को सक्षम कर, हम मेडिकल विशेषज्ञता तक पहुंच में गैप को खत्म कर सकते हैं और भौगोलिक बाधाओं की परवाह किए बिना बेहतरीन और उच्च स्टैंडर्ड की देखभाल प्रदान कर सकते हैं।

जबलपुर

रविवार, 12 जनवरी 2025

- पौष मास शुक्ल पक्ष : 14
- वर्ष : 19, अंक : 248
- पृष्ठ : 2+12=14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 24
न्यूप. 14

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155 | airtel चैनल न. 366

खबर संक्षेप

आप विधायक की गोली लगने से मौत

लुधियाना। आम आदमी पार्टी के विधायक गुरप्रीत गोगी (57) की शुक्रवार देर रात गोली लगने से मौत हो गई। वह खाना खा रहे थे। अचानक उनके कमरे से गोली चलने की आवाज आई। पत्नी सुखचैन कौर और बेटा विश्वास दूसरे कमरे में थे। वह दौड़कर गए तो गोगी खून से लथपथ कमरे में गिरे हुए थे। अस्पताल पहुंचने तक उनकी मौत हो गई। शनिवार दोपहर उनका पोस्टमॉर्टम कराया गया।

पुडुचेरी में एचएमपीवी की दस्तक दी, बच्ची संक्रमित

पुडुचेरी। यहां 5 साल की बच्ची एचएमपीवी से संक्रमित पाई गई है। संदेह पर बच्ची का एचएमपीवी परीक्षण किया। जिसमें संक्रमित पाई गई। बच्ची स्वस्थ है। बता दें कि देश में 10 जनवरी तक कर्नाटक (2), गुजरात (1) और तमिलनाडु (2) समेत एचएमपीवी के सात मामले आए हैं। 3 महीने से 13 साल की उम्र के बच्चों में संक्रमण मिला है।

◆ *विवेकानंद जयंती यानी राष्ट्रीय युवा दिवस पर पीएम मोदी अपना पूरा दिन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में प्रतिभागियों के साथ बिताएंगे*

आज 3 हजार युवा दोस्तों से मिलेंगे प्रधानमंत्री विकसित भारत समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

30 लाख युवाओं में से 3,000 का चयन

ये युवा नेता प्रधानमंत्री के समक्ष भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण 10 विषयगत क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए 10 पावर पॉइंट प्रस्तुतियां देंगे

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपना पूरा दिन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में प्रतिभागियों के साथ बिताएंगे। यह कार्यक्रम बिना किसी राजनीतिक संबंध वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने के प्रयासों के तहत आयोजित किया जा रहा है। इसे राष्ट्रीय युवा दिवस के दिन आयोजित किया गया है। बता दें कि हर साल 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती के मौके पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पीएम मोदी देशभर के 3,000 युवा नेताओं से मुलाकात करेंगें। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि भारत की युवा शक्ति को श्रद्धांजलि। 12 जनवरी विशेष दिन है, क्योंकि इस दिन स्वामी विवेकानंद की जयंती हैं। इस खास मौके पर मैं अपना पूरा दिन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025 में अपने युवा दोस्तों के साथ समय व्यतीत करूंगा। बातचीत और लंच के अलावा हम विकसित भारत के निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे।

> यह कार्यक्रम बिना किसी राजनीतिक संबंध वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने के प्रयासों के तहत आयोजित किया जा रहा

युवाओं के सशक्तिकरण की मजबूत बुनियाद सिद्ध होगी

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने रिमोट का बटन दबाकर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया।

> लाड़ली बहनों के बैंक खातों में आज अंतरित होगी अनुदान राशि

मध्यप्रदेश में आज से स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन का होगा शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

स्वामी विवेकानंद की 162 वीं जयंती पर रविवार को युवाओं को उन्मुक्त उड़ान के लिए खुला आकाश उपलब्ध कराने राज्य सरकार 'स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन' का शुभारंभ करने जा रही है। इस मिशन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान (ग़रीब, युवा, अन्नदाता और नारी) पर ध्यान के ध्येय मंत्र को धरातल पर साकार किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम आशान्वित हैं कि यह मिशन प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने और उनमें नेतृत्व क्षमता उनकी ऊर्जा को रचनात्मक दिशा में गतिशील रखकर स्वामी विवेकानंद की अभिप्रेरणाओं को जीवंत बनाए रखेगा।

पीएससी के 3 साल के पदों को एक वर्ष में भरा जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा दिवस के अवसर पर प्रदेश की लाड़ली बहनों को जनवरी महीने की अनुदान राशि का अंतरण कालापीपल जिला शाजापुर से किया जाएगा। युवाओं को उन्नति और प्रगति के सभी अवसर प्राप्त हों इस उद्देश्य से राज्य सरकार बहुआयामी गतिविधियां संचालित कर रही है। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बैकलॉग के पदों को भरने जा रही है। पीएससी के तहत पिछले तीन वर्ष के जो पद हैं, उनको ही एक ही वर्ष में तीन अलग-अलग परीक्षा कराकर भरने का निर्णय भी लिया गया है।

ब्लॉग
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र

स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन

संवाद, सामर्थ्य और समृद्धि की 'त्रिवेणी'

> अभिनव भारत को जिस दिशा में जाना था, उसका स्पष्ट संदेश विवेकानंद जी ने दिया

युवाओं की मेधा और शक्ति को जाग्रत करने वाले स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था- उठो,जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। विवेकानंद युवाओं को आशा और उम्मीद से देखते थे और युवा पीढ़ी को परिवर्तन का अग्रदूत मानते थे। स्वामी जी के लिए राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी पुस्तक 'संस्कृति के चार अध्याय' में लिखा कि अभिनव भारत को जो कुछ कहना था, वह विवेकानंद के मुख से उद्घोषित हुआ। अभिनव भारत को जिस दिशा में जाना था, उसका स्पष्ट संदेश विवेकानंद ने दिया। विवेकानंद वह सेतु हैं जिस पर प्राचीन और नवीन भारत परस्पर आलिंगन करते हैं। युवा शक्ति को राष्ट्र की मूलभूत चेतना और समाज निर्माण की ऊर्जा मानने वाले स्वामी विवेकानंद की जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर उनके चरणों में शत-शत नमन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा पीढ़ी की क्षमता को जाना, समझा और ज्ञान पर ध्यान का मार्गदर्शन दिया।

टीकमगढ़ में आबकारी टीम पर हमला

लाठी-डंडों से पिटाई के बाद छीनी एसआई की रिवॉल्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶टीकमगढ़

- एसआई सहित चार कर्मचारी घायल

दिगौड़ा थाना क्षेत्र के वीरऊ गांव में आबकारी टीम पर हमला हो गया। आबकारी टीम को गांव में अवैध शराब बेचने की सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर आबकारी टीम वहां पर छापामार कार्रवाई करने के लिए पहुंची थी। आरोपियों ने पत्थरबाजी और लाठी डंडों से मारपीट की। आरोपी इस दौरान आबकारी सब इंस्पेक्टर की सर्विस रिवाल्वर भी छीन ले गए। घटना में आबकारी टीम के उपनिरीक्षक साहित चार कर्मचारी घायल हो गए। इस घटना के तुरंत बाद आबकारी टीम थाने पहुंची और आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कराया।

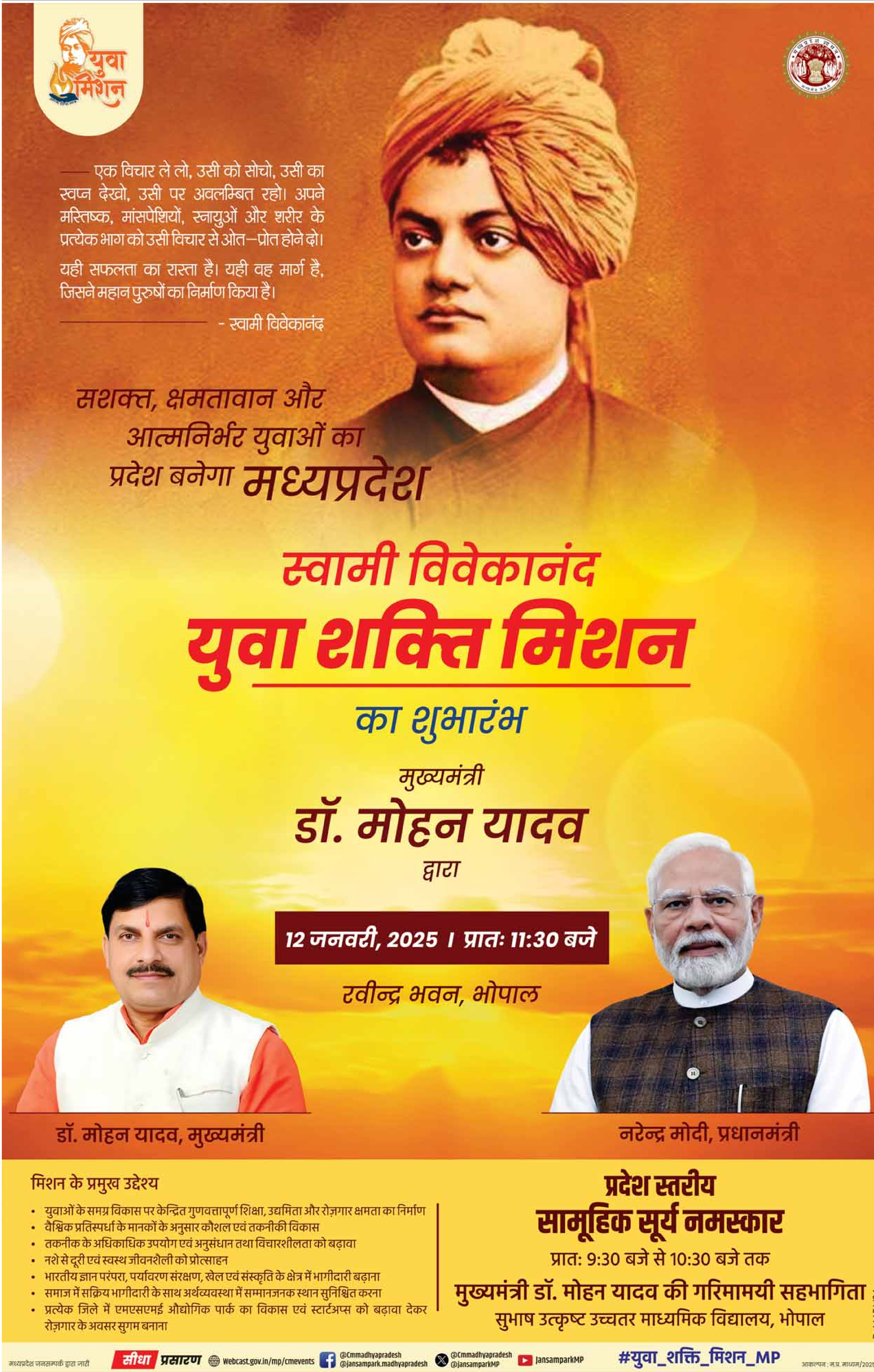
युवा मिशन
एक विचार ले लो, उसी को सोचो, उसी का स्वप्न देखो, उसी पर अवलम्बित रहो। अपने मस्तिष्क, मांसपेशियों, स्नायुओं और शरीर के प्रत्येक भाग को उसी विचार से ओत–प्रोत होने दो।
यही सफलता का रास्ता है। यही वह मार्ग है, जिसने महान पुरुषों का निर्माण किया है।
- स्वामी विवेकानंद
सशक्त, क्षमतावान और आत्मनिर्भर युवाओं का प्रदेश बनेगा मध्यप्रदेश
स्वामी विवेकानंद
युवा शक्ति मिशन
का शुभारंभ
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
12 जनवरी, 2025 । प्रातः 11:30 बजे
रवीन्द्र भवन, भोपाल
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
मिशन के प्रमुख उद्देश्य
• युवाओं के समग्र विकास पर केन्द्रित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उद्यमिता और रोज़गार क्षमता का निर्माण
• वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मानकों के अनुसार कौशल एवं तकनीकी विकास
• तकनीक के अधिकाधिक उपयोग एवं अनुसंधान तथा विचारशीलता को बढ़ावा
• नशे से दूरी एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहन
• भारतीय ज्ञान परंपरा, पर्यावरण संरक्षण, खेल एवं संस्कृति के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाना
• समाज में सक्रिय भागीदारी के साथ अर्थव्यवस्था में सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित करना
• प्रत्येक जिले में एमएसएमई औद्योगिक पार्क का विकास एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा देकर रोज़गार के अवसर सुगम बनाना
प्रदेश स्तरीय
सामूहिक सूर्य नमस्कार
प्रातः 9:30 बजे से 10:30 बजे तक
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी सहभागिता
सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भोपाल
D-11151/24
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
#युवा_शक्ति_मिशन_MP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

अभियोजन अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों की संभाग स्तरीय कार्यशाला संपन्न

जहां है अधिकार वहां है कर्तव्य भी: न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल

हरिभूमि जबलपुर।

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने कहा कि जहां अधिकार है वहां कर्तव्य भी है। पुलिस, अभियोजन एवं न्याय पालिका का संवाद होना चाहिए। एससी एसटी एक्ट के मामलों में अन्वेषण सूक्ष्मता एवं सावधानी से किया जाना चाहिए। अभियोजन का दायित्व है गवाहों को समय पर व त्वरित रूप से प्रस्तुत करे, जिससे गवाह पक्षद्रोही न हो पाएं और न ही किसी के प्रलोभन में आएं। वे पुलिस कंट्रोल रूम में शनिवार को अभियोजन अधिकारियों व पुलिस अधिकारियों की एससीएसटी अधिनियम को लेकर एक दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि की आसंदी से बोल रहे थे।

कार्यशाला का अभियोजन अधिकारियों एवं विवेचकों को अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम एवं नियम का निर्माण एवं समाज में वंचित एवं कमजोर तबके को न्याय दिलाने के उद्देश्य से किया गया। उक्त अधिनियम के तहत विवेचनाकर्ता विवेचकों एवं पैरवीकर्ता विशेष लोक अभियोजकों को शामिल करते हुए मप्र अभियोजन संचालक बीएल प्रजापति की अध्यक्षता में हुई।

अभियोजन संचालक श्री प्रजापति ने कहा कि एससी एसटी एक्ट के मामलों में पुलिस को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए एवं प्रकरण को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। वहीं कलेक्टर दीपक सक्सेना ने अपने संबोधन में कहा कि कमजोर वर्ग की संवेदना को समझ कर कार्य करे। पुलिस अधीक्षक महोदय संपत उपाध्याय ने एससी एसटी एक्ट के अंतर्गत कायमी किए जाने के पूर्व बरती जाने वाली सावधानियों के सम्बन्ध में विवेचकों को निर्देशित किया। जिला न्यायाधीश मनीष शर्मा द्वारा नवीन क्रिमिनल ला से संबंधित विषय पर सारगर्भित जानकारी दी गई। जिस पर अभियोजन अधिकारियों एवम पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की। विशेष न्यायधीश (एससी एसटी एक्ट) जबलपुर गिरीश दीक्षित ने एससी एसटी एक्ट के सम्बन्ध में विवेचना की कमियां एवं विचारण के दौरान प्रमाणिकता एवं उक्त अधिनियम से संबंधित नियमों के सम्बन्ध में उपस्थित अभियोजन अधिकारी व पुलिस अधिकारियो को जानकारी प्रदान की।

कार्यशाला के अंतर्गत सम्मिलित उपसंचालक अभियोजन विजय कुमार उइके व जबलपुर जिले के जिला अभियोजन अधिकारी अजय कुमार जैन एवं अभियोजन अधिकारीगण, पुलिस अधिकारीगण एवं अभियोजन कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यशाला के समापन पर जिला अभियोजन अधिकारी अजय कुमार जैन द्वारा मुख्य अतिथि, व्याख्याता, अभियोजन अधिकारीगण, पुलिस अधिकारियों एवं स्टाफ को कार्यशाला के सफलतापूर्वक संपन्न कराए जाने पर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संचालन सरिका यादव, एडीपीओ ने किया।

दो दिवसीय हॉस्पिटैलिटी ट्रेड फेयर का शुभारंभ

ट्रेड फेयर से बढ़ती है जबलपुर की गरिमा: मंत्री

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह शनिवार को सुबह होटल रॉयल ऑर्बिट परिसर में आयोजित दो दिवसीय सेंट्रल इंडियाज लार्जेस्ट हॉस्पिटैलिटी ट्रेड फेयर में शामिल हुए। होटल एंड रेस्टॉरेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस ट्रेड फेयर में होटल व्यवसाय से संबंधित सौ से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। जिसमें हैप्पीकैरी, डेकोर स्टूडियो, पारस डेकोर, अमूल, रेडिएंट इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन, केईआई वायर एंड केबल्स, मिल्की मिस्ट एवं इंडियन कॉफी हाउस सहित विभिन्न स्टॉल शामिल हैं।

इस अवसर पर मंत्री सिंह ने कहा कि यह ट्रेड फेयर जबलपुर की गरिमा को बढ़ाने वाला है। यह प्रमाणित करता है कि जबलपुर महानगर का स्वरूप ले चुका है, सिर्फ इसे स्वीकार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि जबलपुर में कुछ नहीं होता उन्हें इस भव्य ट्रेड फेयर में आना चाहिए और एक ही स्थान पर उपलब्ध होटल व्यवसाय से संबंधित सभी सामग्रियों को देखना चाहिए। मंत्री सिंह ने होटल एसोसिएशन द्वारा ट्रेड फेयर के आयोजन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयासों से शहर की सकारात्मक छवि का निर्माण होता है। एसोसिएशन का यह प्रयास शहर के विकास को गति प्रदान करेगा। मंत्री सिंह ने एसोसिएशन के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए इस प्रकार के आयोजनों में सदैव साथ खड़े रहने का आश्वासन भी दिया। साथ ही उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन भी किया। ट्रेड फेयर में उद्योगपति कमल ग्रोवर, अभय सिंह ठाकुर, कौशल सूरी, सोनू बचवानी सहित बड़ी संख्या में विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट ने टिप्पणी के साथ निरस्त किया आवेदन

पूर्व पीड़िता को आपत्तिकर्ता बनाने से खुल जाएंगे मुकदमेबाजी के द्वार

जबलपुर। हाई कोर्ट ने अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि पूर्व पीड़िता को आपत्तिकर्ता बनने की अनुमति देने से मुकदमेबाजी के द्वार खुल जाएंगे। अतीत के सभी मामलों के पीड़ित व्यक्ति दूसरे अपराध में आरोपित के विरुद्ध आपत्ति उठाने के लिए हकदार हो जाएंगे। पूर्व में पीड़ित व्यक्ति का उक्त अपराध से कोई संबंध नहीं है न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने इस मत के साथ आपत्तिकर्ता बनाए जाने की मांग संबंधी आवेदन निरस्त कर दिया।

मामला धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम व दुष्कर्म की धाराओं के अंतर्गत आरोपित बनाए गए सिवनी निवासी इस्माइल शाह की जमानत अर्जी से संबंधित था। जब सुनवाई हो रही थी, तभी पूर्व में पीड़ित एक अन्य युवती की ओर से आपत्तिकर्ता बनने के लिए हाई कोर्ट में आवेदन पेश किया गया था। उसने आपत्तिकर्ता बनने सीआरपीसी की धारा 301 (2) बीएनएसएस की धारा 339 के तहत आवेदन पेश किया था। आवेदन में कहा था कि याचिकाकर्ता ने उसके साथ पूर्व में शादी का आश्वासन देते हुए दो बार दुष्कर्म किया था। उसने आरोपित के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराई थी। दोनों अपराधों में न्यायालय के समक्ष सुनवाई लंबित है। इसके अलावा आरोपित के विरुद्ध छह से अधिक अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके दो अन्य समुदाय की युवतियों के साथ भी संबंध हैं। आपत्तिकर्ता बनकर वह दूसरी पीड़िता का पक्ष प्रस्तुत करना चाहती है।

कोरोना काल में ऑफलाइन राशन वितरण का मामला

हाई कोर्ट ने 56 लाख की वसूली पर लगाई रोक

जबलपुर। हाई कोर्ट ने कोरोना काल में आफलाइन राशन वितरण को लेकर 56 लाख रूपये की रिकवरी पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति विनय सराफ की एकलपीठ ने प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग, पंजीयक सहकारी संस्थाएं, कलेक्टर पन्ना, सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाए पन्ना, अनुविभागीय अधिकारी पन्ना एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पन्ना को नोटिस जारी कर जबाव मांगा है।

याचिकाकर्ता पन्ना निवासी विनोद चतुर्वेदी की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बराछ का संचालक है। उसके द्वारा केवल नवम्बर 2021 तक राशन दुकान बराछ का संचालन किया गया। बाद में किसी अन्य विक्रेता उसका संचालन दे दिया गया। कोरोना सत्र के दौरान शासन द्वारा पीओएस मशीनों के उपयोग में छूट दी गई थी, इसलिए उनका उपयोग नहीं किया था। मशीनों में स्टाक सही दर्ज नहीं हुआ। अधिकारियों ने स्वयं के आदेशों को दरकिनार करते हुए याचिकाकर्ता के विरुद्ध लगभग 56 लाख रूपये की वसूली का आदेश जारी कर दिया। याचिकाकर्ता ने कलेक्टर के समक्ष अपील प्रस्तुत की थी, परन्तु उसे बिना सुनवाई का अवसर दिये निरस्त कर दिया गया।

भोंगाद्वार कजरवारा से गोराबाजार मार्ग निर्माण कार्य चल रहा जोरों पर

जबलपुर। भोंगाद्वार कजरवारा से गोराबाजार तक बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। आज सड़क के दोनों किनारों पर सफाई कार्य किया गया, जिससे लोगों को राहत मिली है। यह मार्ग जर्जर होने के कारण कजरवारा, भोंगाद्वार, पिग्री, कटिया घाट, धोबिघाट, नर्मदा होम, शिवपुरी, भीटा क्षेत्रों की करीब 20,000 जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। निर्माण के बाद इन सभी क्षेत्रों के लोगों को काफी लाभ होगा। इस अवसर पर कजरवारा विकास समिति की बैठक हुई, जिसमें विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी को धन्यवाद दिया गया। समिति के अध्यक्ष नकुल गुप्ता, सचिव अटल उपाध्याय, आशीष दास, संतोष रजक, संतोष यादव, अनिल प्रताप ठाकुर, बृजलाल चौधरी, और विनय चौधरी ने केंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी के प्रयासों की सराहना की। क्षेत्रीय पार्षद कृष्णा दास चौधरी ने भी इस समस्या के समाधान के लिए कई प्रयास किए हैं।

कलेक्टर ने गौरीघाट पहुंचकर लिया मकर संक्रांति पर्व की व्यवस्थाओं का जायजा

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने गौरीघाट पहुंचकर मकर संक्रांति पर्व की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पर्व को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री संपत्त उपाध्याय, नगर निगम कमिश्नर श्रीमती प्रीति यादव, एसडीएम अनुराग सिंह सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सक्सेना ने कहा कि मकर संक्रांति पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए और होम गार्ड के जवान मोटर वोट के साथ तत्पर रहें। इसके अलावा, मकर संक्रांति के अवसर पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि मकर संक्रांति का पर्व शांति, सौहार्द और श्रद्धा के साथ मनाया जाए। उन्होंने विशेष ध्यान दिलाया कि मां नर्मदा के पूजन उपरांत पूजन सामग्री को केवल निर्धारित स्थानों पर रखें और किसी भी स्थिति में पूजन सामग्री को नर्मदा के पवित्र जल में विसर्जित न करें। उन्होंने मां नर्मदा की पवित्रता को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करने की अपील की।

शीतऋतु में ठंड से राहत के लिए की जा रही अलाव की व्यवस्था : निगमायुक्त

जबलपुर। शीत लहर के प्रभाव को देखते हुए निगमायुक्त प्रीति यादव ने गरीबों, बेसहारों, ऑटो रिक्शा चालकों और राहगीरों को ठंड से राहत देने के लिए शहरभर में अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की है। इसके साथ ही, खुले आसमान के नीचे सोने वाले निराश्रितों को आश्रय स्थल भेजने का कार्य भी किया जा रहा है। निगमायुक्त प्रीति यादव ने उद्यान विभाग के माध्यम से शहर के 116 प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। उद्यान विभाग के अधिकारी आलोक शुक्ला को शीतऋतु के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण करते हुए आवश्यकता के अनुसार अलाव लगाने के लिए लकड़ी उपलब्ध कराने और व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला ने बताया कि निगमायुक्त के निर्देशानुसार शहर के प्रमुख स्थानों जैसे रेलवे स्टेशन, आई.एस.बी.टी., ऑटो स्टैंड, त्रिपुरी चौक, विक्टोरिया हॉस्पिटल, गौरीघाट रैन बसेरा, तिलवारा रैन बसेरा, वृद्धा आश्रम, कुष्ठ आश्रम, पिसनहारी रैन बसेरा और अन्य स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, जिन स्थानों से सूचना मिलती है, वहां तत्काल जलाऊ लकड़ी उपलब्ध कराई जा रही है।

शहर को मिली कई सौगात

मीरगंज से भेड़ाघाट तक 20 करोड़ रूपये से बनेगी सड़क : राकेश सिंह

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मीरगंज से भेड़ाघाट तक 20 करोड़ रूपये की लागत से सड़क निर्माण की घोषणा की है। सिंह ने कहा कि भेड़ाघाट में पर्यटन सुविधाओं के विकास की दृष्टि से बनने वाली सड़क को स्थाई वित्तीय समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। लोक निर्माण मंत्री आज भेड़ाघाट रेस्ट हाउस के परिसर में आयोजित समारोह में 5 करोड रूपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इन विकास कार्यों में 1.75 करोड़ रूपये से भेड़ाघाट रेस्ट हाउस के विस्तारीकरण, 86 लाख की लागत से साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी के आश्रम तक सड़क निर्माण तथा 2.50 करोड़ की लागत से सिहोदा, नीमखेड़ा, आमा हिनौता मार्ग निर्माण का भूमिपूजन शामिल हैं। समारोह में साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी, क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया, नगर परिषद भेड़ाघाट के अध्यक्ष चतुर सिंह,

भेड़ाघाट नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अनिल तिवारी एवं क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

लोक निर्माण मंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी के आश्रम को भेड़ाघाट मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क को ब्रम्हर्षि बावरा का नाम दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि भेड़ाघाट रेस्टहाउस के विस्तारीकरण में दो अतिरिक्त कक्ष, सभाकक्ष तथा एक स्वीट रूम बनाया जायेगा। मंत्री सिंह ने कहा कि भेड़ाघाट के विकास के लिए सभी ने अथक प्रयास किया है। मां नर्मदा का पवित्र तट जितना विकसित हो सकता है सभी ने अपने स्तर से प्रयास किये और आगे भी विकास के कार्य होते रहेंगे। अधोसंरचनात्मक विकास में भेड़ाघाट का सदैव प्राथमिकता दी जायेगी।

भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक नीरज सिंह ने सांसद रहते राकेश सिंह द्वारा जबलपुर को महानगर का स्वरूप देने के लिए किये जा रहे कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जबलपुर को मिली फ्लाई ओव्हर, रेल्वे स्टेशन का नवीनीकरण, एयरपोर्ट का विस्तारीकरण, रिंग रोड जैसी बड़ी परियोजनाएं राकेश सिंह के प्रयासों का ही नतीजा है। अब प्रदेश का लोक निर्माण मंत्री बनने के बाद सिंह इसी विरासत को बढ़ाने में भी अथक प्रयास कर रहें है। आने वाले समय में जबलपुर के विकास के बारे में अन्य शहरों के लोग यह सोचेंगे कि जबलपुर में इतना विकास कैसे हो रहा है। उन्होंने कहा कि बरगी विधानसभा में मंत्री सिंह ने 65 करोड़ रूपये की 15 सड़कों की स्वीकृति दी है जो विकास की एक नई गाथा गढ़ेगी। इस अवसर पर साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी ने भी समारोह को संबोधित किया।

5 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन

लोक निर्माण मंत्री सिंह ने भेड़ाघाट में आयोजित समारोह के बाद न्यू भेड़ाघाट में ग्राम के ग्वारी में भी 5 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक नीरज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया, अभय सिंह ठाकुर, सोनू बचवानी, कौशल सूरी सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे। विकास कार्यो के क्रम में मंत्री सिंह ने बरगी में सालीवाड़ा से नर्मदा तट, बायपास से बमबम ढाबा तक मार्ग के निर्माण का भूमिपूजन भी किया।

आरसी ग्राउंड में जाने वाले रास्तों को बंद कर दीवार बना रही थी सेना

रास्ता बंद होने से क्षेत्रीय जन भड़के, सड़क पर उतरे लोग

जबलपुर। केंटोमेंट बोर्ड के आर्मी क्यूआरटी द्वारा शनिवार की सुबह पेंटीनाका, गोराबाजार मार्ग स्थित आरसी ग्राउंड में जाने वालें रास्तों को बंद करके ब्राउंडी वॉल का निर्माण करके उनकी खुदाई की जा रही थी तभी जेसीबी टीम को देखकर बगीचा रहवासी ने आक्रोश भड़क गया, लोग सड़क पर उतर आए।

इधर,रास्ते बंद होने का सीधा असर ग्राउंड से लगे बगीचों के रहवासियों को पड़ता,क्योंकि उनके आवागमन के रास्ते बंद हो जाते। लिहाजा उन्होने ने आर्मी की ग्राउंड में चल रही गतिविधियों का विरोध शुरू कर दिया। हंगामें की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और

पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। कार्यवाही का विरोध बढ़ता देख, आर्मी की टीम ने कुछ समय के लिए अपनी कार्रवाई का फिलहाल रोक दिया लेकिन पब्लिक के जाते ही काम शुरु हो गया।

क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि आर्मी की क्यूआरटी ने ग्रांउड के अंदर आने वाले मार्गो को बंद करते हुए जेसीबी के माध्यम से गहरे-गहरे गढ्डे खोद दिए गए। यूं अचानक रास्ते बंद करने के पीछे कारण पूछे जाने पर सैन्य जवानों ने कुछ भी जबाव नहीं दिया। लोगों का आरोप है कि बिना नोटिस व सूचना दिए आर्मी की इस कार्यवाही का हम सबने विरोध किया।

पूर्व बोर्ड मेंबर सुंदर अग्रवाल ने बताया कि आर्मी क्यूआरटी पूरे ग्रांउड को कवर्ड करने के लिए चार दीवारी बनाना चाहती है। लेकिन आर्मी के इस कदम से ग्रांउड से लगे बगीचों में रहने वालों के आवागमन के रास्ते बंद हो जाएंगे। इसी के चलते क्षेत्रीय नागरिक आर्मी की कार्यवाही का विरोध कर रहे थे। इस मामले में आर्मी के आला अधिकारियों से चर्चा की जाएगी।

कड़ाके की ठण्ड का दौर जारी, जनजीवन प्रभावित

खेती के लिये अनुकूल और स्वास्थ्य के लिये प्रतिकूल बना मौसम

जबलपुर। ठण्ड के तेवर यथावत बरकरार हैं। कड़ाके की सर्दी में जनजीवन प्रभावित हो गया है। पारा पिछले चार दिनों से 6 से 7 डिग्री के आसपास बना हुआ है। शाम ढलते ही लोग घरों में दुबक जाते हैं तो वहीं रात सड़कों पर गुजारने वाले लोग अलाव के सहारे ठण्ड का सामना कर रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक ठण्ड का दौर अभी कुछ दिनों तक जारी रहेगा। कड़ाके की ठण्ड से भले ही जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है, लेकिन किसान मौसम के इस मिजाज को खेतीबाड़ी के लिये अच्छा मान रहे हैं। किसानों का कहना है कि यदि मौसम ऐसा ही बना रहा तो फसलों की पैदावार अच्छी होगी और इल्ली और कीटों के प्रकोप से निजात मिलेगी। वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य की दृष्टि से मौसम प्रतिकूल बना हुआ है। लगातार ठण्ड की ठिठुरन बने रहने से सर्दी खांसी निमोनिया के मरीज बढ़ रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लगी हुई है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले दिनों पश्चिमी विक्षोप के प्रभाव से बारिश होने के बाद आसमान से बादलों के छंटने पर ठण्ड अपना प्रभाव जमाने लगी। उत्तर भारत से आ रही वर्फीली हवाओं ने लोगों को कपकपाने के लिए मजबूर कर दिया है। दिन और रात का तापमान औसत से नीचे चल रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 27.02 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 07.05 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 92 प्रतिशत और सायंकाल 54 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्योदय सुबह 6.54 बजे और सूर्यास्त शाम 5.44 बजे हुआ। दक्षिणी पूर्वी हवायें 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 24.0 और न्यूनतम तापमान 14.07 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

खबर संक्षेप

शरद यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आज

जबलपुर। शरद यादव विचार मंच के तत्वावधान में 12 जनवरी को जबलपुर के पूर्व सांसद एवं समाजवादी नेता शरद यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम मध्यान्ह 12 बजे से डॉ. आम्बेडकर चौक के समीप ललित उद्यान (शरद यादव प्रतिमा स्थल) में आयोजित है।

गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

जबलपुर। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में 11 जनवरी को पर्यावरण वन मंत्रालय, भारत सरकार और पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन, पर्यावरण विभाग, मप्र शासन, भोपाल के निर्देशानुसार विद्यार्थियों को पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षिक भ्रमण प्राचार्य डॉ. आरएस चंडोक के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस बार शैक्षिक भ्रमण के लिए विद्यार्थियों को डुमना नेचर पार्क ले जाया गया। इको क्लब द्वारा आयोजित शैक्षिक भ्रमण में बीएससी तथा एमएससी के लगभग 50 विद्यार्थी ले जाए गए।

नशामुक्त जबलपुर जनजागरण पदयात्रा निकाली

जबलपुर। भगवती मानव कल्याण संगठन की केन्द्रीय अध्यक्ष शक्तिस्वरूपा बहन पूजा शुक्ला के नेतृत्व में संस्कारधानी को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से 11 जनवरी को नशामुक्त जबलपुर जनजागरण पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल दमोहनाका से प्रारंभ पदयात्रा मिलौनीगंज, बड़ा फुहारा, अंधेरदेव, विक्टोरिया, करमचंद चौक, चौथापुल, तीन पत्ती, शास्त्री ब्रिज, गोरखपुर, मालवीय चौक होते हुए सिविक सेंटर पहुंची जहां यात्रा का समापन किया गया। इस यात्रा में केन्द्रीय महासचिव अजय अवस्थी एवं सिद्धाश्रम चेतना आरुणि जी भी शामिल रहीं।

राम धुन के साथ मनाया स्थापना दिवस

जबलपुर। संपूर्ण ब्राह्मण मंच कमला नेहरू नगर व्यापारी संघ संयुक्त रूप से राम जन्मोत्सव राम स्थापना दिवस भगवान राम जगत के स्वामी है चराचर के स्वामी है हर मानव के जीवन में राम की आधारशिला सनातन संस्कृति की पहचान है राम के बिना जीवन असंभव है रामधुन गाकर उपस्थित प्रसाद वितरण किया धनंजय बाजपेई विजय गुप्ता अखिलेश मेहता बृजेश केसरवानी राजू बर्मन विजय साहू रन रंजीत पटेल उपस्थित है।

पूरा शहर हुआ श्रीराममय

अयोध्या में श्रीरामलला की पहली प्राण-प्रतिष्ठा वर्षगांठ पर हुए विविध आयोजन

हरिभूमि जबलपुर।

अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम लला की प्रथम प्राण प्रतिष्ठा तिथि अनुसार द्वादशी 11 जनवरी को प्रथम वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। वही कुछ समितियों और संस्थाओं द्वारा तारीख के अनुसार पहली वर्षगांठ मनाई जाएगी। इधर शनिवार को पूरा शहर राममय नजर आया। वहीं कुछ स्थानों पर हुए कार्यक्रम 22 जनवरी तक चलेंगे।

श्रीराम मंदिर मदन महल

श्री राम मंदिर मदन महल में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के पहली वर्षगांठ पर श्री अखंड रामायण पाठ समापन भजन एवं संकीर्तन, महाआरती भोग भंडारा आयोजित किया गया। महाआरती पूजन अर्चन में पं राम कुशल पांडे गुलशन मखीजा, अध्यक्ष मनोज शर्मा, गीता पांडे,जतिन नारंग, शैलू कपूर अनिल जग्गी,मनीष पोपली, पंकज गुलाटी, पुनीत गुलाटी, योगेश अबरोल, नवीन हांडा आदि उपस्थित थे।

रामनाम संकीर्तन प्रभात फेरी

श्रीराम जय राम जय जय राम, मेरे घर राम आयें है, सीताराम सीताराम कहिए, राम राम जयश्री राम के नाम संकीर्तन करते हुए सुबह सुबह ढोलक मंजीरा की धुन के साथ श्री रामलला जी की प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी के पुण्य अवसर पर ₹श्री राधा नाम संकीर्तन सेवा मंडल₹ के तत्वाधान में प्रातः 7 बजे से भव्य प्रभात निकली गई, जो फूटाताल, सराफा, कोतवाली वार्ड, हनुमानताल, शुक्रवारी बजरिया में पूर्ण हुई । चैतन्य श्रीकृष्ण संकीर्तन मंडल मिलौनीगंज, राधा नाम संकीर्तन मंडल के वरिष्ठ संतोष अग्रहरि, देवव्रत सोनी,अमर सिंह, मुन्ना पांडे, मगन विश्वकर्मा, नरेश कहार, अप्पू सोनी, नरेश कहार, सुनील सोनी, वीरेंद्र नामदेव आदि शामिल थे।

रामार्चा महायज्ञ, सहस्त्रार्चन

प्रभु श्री रामलला सरकार की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वैशाली परिसर मंदिर में विराजमान श्री सीताराम भगवान का, सहस्त्रार्चन, श्री रामार्चा महायज्ञ, सुंदरकांड का पाठ ,भजन ,महा आरती की गई। वैदिक परंपरानुसार आचार्य संजय शास्त्री सानिध्य में आचार्य प्रदीप शास्त्री श्री राम शर्मा , डॉ विवेक चंद्र , डॉक्टर नंदिता चंद्र, प्रणव शर्मा अर्चना शर्मा, पवन राजपूत आदि वैशाली परिसर के सभी भक्तों ने मिलकर पूजन किया।

सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन

हिंदू पंचांग के अनुसार श्री रामलला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर मानस संकीर्तन मण्डल द्वारा प्रेम नगर में रश्मि-शैलेश तिवारी के निवास पर संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देवेन्द्र कुमार नेमा प्रवीण नेमा,आशीष श्रीवास्तव राघव तिवारी,अभिषेक कुमार,प्रदीप नेमा, डॉ.संदीप नेमा,प्रदीप सोनी,अजय सोनी,जवाहर वड़करे,संदीप नेमा आदि अनेक जन उपस्थित रहें।

ब्रह्माकुमारीज संस्था ने छात्रों को बताए परीक्षा के तनाव से उभरने के तरीके

जबलपुर। छात्रों को परीक्षा के तनाव की चुनौतियों से निपटने में मदद करने के एक महत्वपूर्ण प्रयास में, आध्यात्मिक संगठन ब्रह्माकुमारीज सस्था के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि द्वारा मुख्यालय मध्य भारत एरिया के तत्वाधान में जबलपुर के बत्रा ऑडिटोरियम में एक ज्ञानवर्धक लेक्चर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आर्मी पब्लिक स्कूल नंबर-1 और आर्मी पब्लिक स्कूल नंबर-2 के कक्षा 9वीं और 11वीं के छात्रों के लिए, परीक्षा से संबंधित चिंता व तनाव को दूर करने और भावनात्मक मूल्यों को सशक्त बनाए रखने के उद्देश्यों पर केंद्रित था। इस कार्यक्रम में श्रीमति राजेश्वरी दहिया, जोनल उप-अध्यक्षा, आर्मी परिवार कल्याण संघठन (आवा), मध्य भारत एरिया भी उपस्थित रहीं।

ब्रह्माकुमारीज एक विश्वव्यापी आध्यात्मिक संगठन है जो व्यक्तिगत परिवर्तन और विश्व नवीनीकरण के लिए समर्पित है। यह ऐसा शैक्षिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं जो आत्म-जागरुकता, ध्यान और सकारात्मक जीवन पर ध्यान केंद्रित करता है। यह वैश्विक संस्था 1937 में भारत में स्थापित हुई तथा आज लगभग 110 से अधिक देशों में फैली हुई है। सेशन का उद्देश्य छात्रों को तनाव प्रबंधन, ध्यान केन्द्रित करना और सकारात्मकता के लिए व्यावहारिक तकनीकों से प्रेरित करना था। इस उपलक्ष्य पर श्रीमति दहिया, जोनल उप-अध्यक्षा, आवा ने ब्रह्माकुमारीज के प्रतिनिधि को सम्मानित किया।

कमजोर वर्ग के खिलाफ बढ़ता आक्रोश निंदनीय

जबलपुर। कमजोर वर्ग, एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ सत्यमेव जयते परिसर स्थित प्रांतीय कार्यालय में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष देवेश चौधरी और शारदा पटेल की अध्यक्षता में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जबलपुर में दबे-कुचले वर्ग के खिलाफ अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं और उन्हें पुलिस प्रशासन से न्याय नहीं मिल रहा। पुलिस द्वारा शिकायतें दर्ज करने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जाती और उल्टा पीड़ितों को धमकाया जाता है, जिससे इन वर्गों में आक्रोश बढ़ रहा है। इस विषय पर संगठन ने आगामी दिनों में जबलपुर बंद जैसी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है।

शक्ति क्लब ने आयोजित किया संक्रांति मेला

जबलपुर। 11 जनवरी को शक्ति क्लब द्वारा सदर स्थित जेके सेलिब्रेशन में मकर संक्रांति पर्व को देखते हुए संक्रांति मेला (स्टाइल स्ट्रीट 2.0) और हल्दी कुमकुम का सफल आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में शामिल सभी अतिथियों का हल्दी कुमकुम लगाकर स्वागत किया गया, साथ ही क्लब की महिलाओं का भी हल्दी कुमकुम किया गया। इस एक दिवसीय प्रदर्शनी का उद्देश्य लघु गृह उद्योग से जुड़ी महिलाओं को एक प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध कराना था। इस प्रदर्शनी में शक्ति क्लब द्वारा उन सशक्त महिलाओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमति माला राकेश सिंह, यामिनी अन्नु सिंह, मनीषा रोहाणी, अंजू भार्गव, रूपा राव, प्रेरणा जाधवानी, जया चंसोरिया ने किया। क्लब की ओर से अलग-अलग राज्य के पारंपरिक परिधान में आई महिलाओं को पुरस्कृत किया गया, साथ ही फैंसी ड्रेस में आए बच्चों को भी पुरस्कार वितरित किए गए। एकलव्य योगशाला के प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत किया गया। खरीदारी करने आई महिलाओं को लकी डॉ द्वारा गिफ्ट दिए गए। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने में अध्यक्ष श्रीमति नीलम सिंह के साथ उनकी bod टीम दीप्ति कुकरेजा, शारदा चौधरी, पूनम तिवारी, नंदिता अरोड़ा, काजल विश्वकर्मा, आराधना कटारे, पल्लवी सिंह, रजनी थूल, पूनम सिंह का विशेष योगदान रहा।

जय श्रीराम के नारों के साथ मातृशक्ति ने निकाली प्रभातफेरी

सिहोरा। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा वार्षिक तिथि के पावन पर्व पर मातृशक्ति के आव्हान पर रामधुन प्रभातफेरी शनिवार को भगवान राम की पूजा अर्चना के बाद सुबह 9 बजे से निकाली जो कालभैरव चौक से प्रारम्भ होकर झंडा बाजार,आज़ाद चौक,गौरी तिराहा,पुराना बस स्टैंड,मैना कुआं,महावीर चौक,सरावगी मोहल्ला से होकर निकली प्रभातफेरी में जय श्रीराम के नारों से नगर की गलियां गुंजायमान हो गई। सभी मातृशक्ति प्रभातफेरी में अपने हाथों में भगवा ध्वज लेकर नारे लगाते चल रही थी।

इंटर खालसा एथलेटिक मीट 2025 का रंगारंग समापन

जबलपुर। संस्कारधानी में शिक्षा क्षेत्र की अग्रणी संस्था गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटी जबलपुर मप्र द्वारा संचालित खालसा विद्यालय में इंटर खालसा एथलेटिक मीट 2025 का समापन खेल मैदान गोकलपुर रांझी में 11 जनवरी को हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अलका नायक प्राचार्य शारीरिक शिक्षण विभाग जबलपुर रहीं तथा विशिष्ट अतिथि स. अमरजीत सिंह खुरल उपस्थित रहे। समापन कार्यक्रम में सभी विद्यालयों के प्रतिभागियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम गिद्दा, भांगड़ा, राष्ट्रीय एकता नृत्य एवं गतका जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सभी विधाओं में विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। समस्त विद्यालयों में जीसीएफ ब्रांच प्रथम एवं बंगला नंबर 2 ब्रांच द्वितीय रहे। कार्यक्रम के समापन पर आभार प्रदर्शन स. जितेन्दर सिंह सैनी ने किया। संचालन सौरभ श्रीवास्तव एवं शरद सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में खेल निदेशक स. सुखविंदर सिंह रील का योगदान उल्लेखनीय रहा।

कांग्रेस पार्षद पर लगे आरोप की हो निष्पक्ष जांच : मांग

जबलपुर। कांग्रेस पार्षद दल ने एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में कहा गया है कि विगत दिनों एक अधिवक्ता द्वारा कांग्रेस पार्षद सफीक हीरा पर भूमि माफिया होने का आरोप लगाया गया है, जो पूरी तरह बेबुनियाद और मनगढ़ंत है। ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया गया कि पार्षद सफीक हीरा का विवादित भूमि से कोई संबंध नहीं है और न ही उनके दस्तावेजों पर कोई हस्ताक्षर हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, पार्षद अयोध्या तिवारी, पार्षद संतोष पंडा, पार्षद गुलाम हुसैन,पार्षद सतेन्द्र चौबे, रामकुमार यादव, पार्षद हर्षित यादव, राकेश पांडे, दिनेश गुड्डू तामसेतवार, मथुरा चौधरी पार्षद प्रमोद पटेल आदि लोग मौजूद रहें ।

अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता

सिवनी ने पानीपत हरियाणा को हराया

मझौली। अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का चौथा लीग मुकाबला सिवनी और पानीपत हरियाणा के मध्य खेला गया। जिसमें सिवनी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 185 रन बनाए। सिवनी की ओर से हिमांशु शिंदे ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 76 रन 40 गेंदों में बनाए। सिवनी टीम के अन्य बल्लेबाजों में कनिष्क 36 रन प्लास 23 रन अजय मिश्रा 18 रन बनाए। वही पानीपत की ओर से मोहित शर्मा दो विकेट आयुष, नागर, पीयूष, अविनाश ने एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पानीपत हरियाणा की पूरी टीम 17.4 ओवरों में 146 पर ढेर हो गई।

हालांकि कप्तान रमन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम को तेज शुरुआत दिलाई लेकिन टीम में किसी का सहयोग न मिलने पर 39 रनों से हार का सामना करना पड़ा। सिवनी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में प्रवेश लिया जहां पर उसका मुकाबला कल प्रयागराज से खेला जाएगा। हिमांशु की शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि गिरीश पालीवाल जी राजेंद्र चौरसिया मनोरंजन राय सुरेश ठाकुर राहुल जैन संदीप झरिया आशीष तिवारी राममिलन सिंह राजपूत युवराज प्रवीण तिवारी रत्नेश कुररिया अभिलाष विश्वकर्मा विवेक कोष्टा रिजु नेमा सभी उपस्थित रहे।

शहर कप्तान ने जिला अधिवक्ता संघ भवन का किया भ्रमण

जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के अध्यक्ष मनीष मिश्रा एवं सचिव ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि आज पुलिस अधीक्षक, जबलपुर का जिला अधिवक्ता संघ भवन आगमन हुआ। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा एवं म.प्र उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ जबलपुर के अध्यक्ष डी.के. जैन द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया एवं जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के समस्त पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्यगण द्वारा भी पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन के दौरान जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा द्वारा व्यक्त किया गया कि पूर्व में अधिवक्तागण एवं पुलिस अधिकारियों की एक समन्वय समिति बनती थी जिसमें अधिवक्ताओं की समस्याओं पर चर्चा होती थी अतः पुनः समिति बनाई जाना आवश्यक है।

सांसद आशीष दुबे ने किया सड़क निर्माण का भूमिपूजन

सिहोरा। डबल इंजन की सरकार में चहुंओर विकास की नई इबारत लिखी जा रही तथा हर वर्ग के लिए अनेक योजनाएं चलाने वाली भाजपा सरकार आज विकास का पर्याय बन गई है। उक्ताशय के विचार सांसद जबलपुर आशीष दुबे ने नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 3 एंव 4 में मझौली बायपास से रुकमणी पैलेस तक रोड चौड़ीकरण डामरीकरण कार्य के भूमिपूजन अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में व्यक्त किए। नगर पालिका द्वारा भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन विधायक संतोष बरकडे के मुख्य आतिथ्य,भाजपा जिलाध्यक्ष सुभाष रानू तिवारी के विशिष्ट आतिथ्य,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दिलीप दुबे की अध्यक्षता एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अलका गर्ग,पार्षद रीता शुक्ला,बेबी पाल,गौरादेवी विश्वकर्मा,अजय बेटू शर्मा,प्रमोद चौधरी,ज्योति चक्रवर्ती,जवाहर कोल,लीला बर्मन की उपस्थिति में किया गया। कायाकल्प 2,0 योजना के अंतर्गत चौड़ी होने वाली सड़क का निर्माण कार्य 99 लाख 19 हजार 120 रुपये की लागत से होगा। विधायक बरकडे ने आयोजन को सम्बोधित करते हुए कहा की प्रदेश सरकार नगर पालिका क्षेत्र के विकास में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी तथा इस सड़क के चौड़ीकरण होने से लोगों को आवागमन में आसानी होगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ओझा ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजा मोर,जिला महामंत्री राजेश दाहिया, उपाध्यक्ष पुष्पराज बघेल, आशीष पटेल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजमणि बघेल, नगर मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनंत नौगरहिया, मंझगवा मंडल अध्यक्ष पवन गुप्ता, अनुपम सराफ, अंकित तिवारी, माधव मिश्रा, शिशिर पांडे, अरुण जैन, प्रवीण कुररिया, राजा ठाकुर, विनय जैन, अभिषेक परौहा, सहित अनेक कार्यकर्ता तथा नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री निर्मल सिंह ननड़ा- हाथीताल जनता डेयरी के पास निवासी श्री निर्मल सिंह ननड़ा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री कमलेश पटेल- उजार पुरवा आगा चौक रानीताल निवासी श्री कमलेश पटेल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती संध्या शुक्ला- गली नं. 3 बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्री सतीश चंद्र शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती संध्या शुक्ला (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शिव कुमार मुदगल- आस्था परिसर अधारताल निवासी श्री शिव कुमार मुदगल (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रानी देवी तोलानी- नारायण चौक सिंधी गुरूद्वारा के पास निवासी श्री धीरूमल तोलानी की धर्मपत्नी श्रीमती रानी देवी तोलानी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गोविंद प्रसाद सोंधिया- बेलबाग निवासी श्री गोविंद प्रसाद सोंधिया (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्रीनाथ विश्वकर्मा- ईसाई मोहल्ला प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री श्रीनाथ विश्वकर्मा (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री मयूर मांगटे- ब्रह्मर्षि कॉलोनी ग्वारीघाट निवासी श्री दादाराव मांगटे के पुत्र श्री मयूर मांगटे (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनोहर लाल रजक- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री मनोहर लाल रजक (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री महेश रैकवार- आकाश विहार आईटीआई चुंगीनाका निवासी श्री महेश रैकवार (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भगेलू विश्वकर्मा- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर निवासी श्री भगेलू विश्वकर्मा (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री सुरेंद्र बहादुर- विश्वकर्मा मोहल्ला बड़ा पत्थर रांझी निवासी श्री सुरेंद्र बहादुर (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

अंजू चौधरी- रविदास नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी अंजू चौधरी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लीलावती विश्वकर्मा- संजय नगर अधारताल निवासी श्री चंद्रशेखर विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती लीलावती विश्वकर्मा (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रिंकू सोनी- शुक्रवारी बजरिया हनुमानताल निवासी श्री गोवर्धन प्रसाद सोनी के पुत्र श्री रिंकू सोनी (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भोले शंकर- बिलहरी मंडला रोड निवासी श्री भोले शंकर (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

सिहोरा तहसील अधिवक्ता संघ का नववर्ष मिलन समारोह संपन्न

सिहोरा। तहसील अधिवक्ता संघ द्वारा नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन कोर्ट प्रांगण में गीत संगीत के बीच अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्री सैफी दाऊदी, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्री सुधांशु सिन्हा, न्यायाधीश सुश्री रेश्मा खातून, सुश्री उर्वशी यादव, सुश्री दीपशिखा दांगी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रुपेश सिघंई, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्रीमति पारुल शर्मा, तहसीलदार शंशाक दुबे,मुख्य नगर पालिका अधिकारी शैलेन्द्र कुमार ओझा,डी एमपीवी अमित विश्वकर्मा,सब जेलर दिलीप नायक की उपस्थिति में किया गया। अतिथियों के स्वागत के पश्चात वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार तिवारी,रामराज पटेल,राजेन्द्र बिहारी श्रीवास्तव,सुभाष पहरिया एवं सुबोध पाण्डे का ससम्मान अधिवक्ता संघ के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ अध्यक्ष रविदीप सिंह बैस, उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा, सचिव आनन्दमणि त्रिपाठी, सहसचिव आशीष ब्यौहार, कोषाध्यक्ष सुनील पटेल, ग्रंथपाल आलोक ब्यौहार, कार्यकारिणी सदस्य आनन्द पटेल, अभय मिश्रा, उत्तम सोनी, रविशंकर पटेल, साकेत पिडिहा सहित अनेक अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

निवेश के लिए अपनाएं 50-20-30 सहित 5 फॉर्मूले

तरीका | बिजनेस डेस्क

अगर आप इस साल में अपने निवेश की शुरुआत करने का प्लान बना रहे हैं, तो निवेश का सफर शुरू करने से पहले दो चीजों को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। समय और निवेश पर मिलने वाला रिटर्न। जितने ज्यादा से ज्यादा समय के लिए आप निवेश करेंगे, उतना ही ज्यादा रिटर्न आपको मिलेगा। आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप अपने लक्ष्यों को कम से कम जोखिम के साथ पूरा करेंगे। आपको उस रकम को ध्यान में रखकर योजना बनानी होगी, जो आप निवेश के माध्यम से भविष्य में पाना चाहते हैं। यहां हम निवेश के गणित के कुछ ऐसे शानदार टिप्स बता रहे हैं, जिससे आपके लिए चीजें काफी स्पष्ट और आसान हो जाएंगी।

50-20-30 नियम

यह नियम उतना ही स्पष्ट है, जितना इसके नंबर। आपको अपनी रकम को तीन हिस्सों में बांटना होगा। टैक्स के बाद 50% सैलरी को घरेलू खर्चों के लिए रखना होगा। 20% को थोड़े-थोड़े समय पर पड़ने वाली जरूरतों के लिए रखना होगा और 30% का निवेश भविष्य में पड़ने वाली जरूरतों के लिए रखना होगा।

15-15-15 नियम

ये नियम उनके लिए है, जो लंबी अवधि के निवेश में विश्वास करते हैं। इसमें 15 हजार रुपए हर महीने ऐसे एसेट में 15 साल तक निवेश करने होते हैं, जो सालाना 15% का रिटर्न दे। इक्विटी में किया गया निवेश इसके लिए उपयुक्त है। क्योंकि स्टॉक मार्केट में उतार-चढ़ाव के बावजूद शेयर बाजार ने हमेशा लंबी अवधि में 15% रिटर्न देना सुनिश्चित किया है।

72 का नियम

यह नियम पैसे को दोगुना करने में लगने वाला समय बताता है। संभावित रिटर्न या ब्याज दर से 72 को भाग दें और देखें। एसआईपी में निवेश पर आपको 15% रिटर्न मिलता है, तो इसे डबल करने में लगने वाले समय को निकालने के लिए 72 को 15 से भाग दे सकते हैं, जो 4.8 साल के बराबर होगा।

114 का नियम

यह नियम रकम तिगुना करने में लगने वाले समय का हिसाब देता है। 114 को आप संभावित ब्याज दर से भाग देकर ये समय निकाल सकते हैं। उदाहरण के लिए अगर निवेश से आपको सालाना 15% रिटर्न मिलता है तो 114 को 15 से भाग दीजिए, जो 7.6 साल के बराबर है।

100 माइनस

उम्र यह संपत्ति का आवंटन करने के संबंध में हैं। 100 में से अपनी उम्र को घटा दीजिए। जो नंबर आपको मिलेगा, वह प्रतिशत होगा, जिसका आपको शेयर बाजार में निवेश करना चाहिए। यह नियम इस पर आधारित है कि जितनी कम आपकी उम्र होगी, आपके जोखिम लेने की क्षमता उतनी ज्यादा होगी। इस अवधि में आपको जो घाटा होगा, आप उसकी भरपाई भी कर पाएंगे।

एसआईपी में 22 से 25% सालाना बढ़ा पैसा, सभी को मिली टॉप रेटिंग, लंबे निवेश का लक्ष्य रखकर म्यूचुअल फंड में लगाएं पैसा

10 वर्ष में 7 गुना रिटर्न दे गए कुछ म्यूचुअल फंड, कर सकते हैं निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- म्यूचुअल फंड में निवेश करना स्टॉक मार्केट से ज्यादा सुरक्षित
- इक्विटी लिंक्ड होने के चलते रिटर्न भी हाई मिलने की उम्मीद
- निवेश के लिए पहले सही स्कीम की पहचान होना जरूरी

अगर म्यूचुअल फंड की रेटिंग मजबूत है तो उस स्कीम में रिस्क कम होता है। रेटिंग अच्छी होने पर बेहतर रिटर्न मिलने के चांस बढ़ जाते हैं। इनमें निवेश करने की लगात या एक्सपेंस रेश्यो भी कम होने के चांस रहते हैं। इसलिए किसी म्यूचुअल फंड में अगर निवेश करने जा रहे हैं तो सिर्फ उस स्कीम के पिछले रिटर्न को ही आधार नहीं बनाना चाहिए, बल्कि उस फंड की रेटिंग भी देखें।

अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो सिर्फ उस स्कीम के पिछले रिटर्न को ही आधार नहीं बनाना चाहिए। बल्कि उस फंड की रेटिंग भी देखनी चाहिए। अगर म्यूचुअल फंड की रेटिंग मजबूत है तो उस स्कीम में रिस्क कम होता है। म्यूचुअल फंड में निवेश करना सीधे स्टॉक मार्केट में पैसे लगाने की बजाए ज्यादा सुरक्षित है, वहीं इक्विटी लिंक्ड होने के चलते रिटर्न भी हाई मिलने की उम्मीद रहती है, लेकिन इसके लिए सही स्कीम की पहचान होनी जरूरी है। म्यूचुअल फंड मार्केट में बेहतर पोर्टफोलियो, एक्सपेंस रेश्यो, कम जोखिम और अच्छा प्रदर्शन करने के ट्रैक रिकॉर्ड से स्कीम को रेटिंग मिलती है। अगर म्यूचुअल फंड की रेटिंग मजबूत है तो उस स्कीम में रिस्क कम होता है। रेटिंग अच्छी होने पर बेहतर रिटर्न मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

वहीं, इनमें निवेश करने की लगात या एक्सपेंस रेश्यो भी कम होने के चांस रहते हैं। इसलिए किसी म्यूचुअल फंड में अगर निवेश करने जा रहे हैं तो सिर्फ उस स्कीम के पिछले रिटर्न को ही आधार नहीं बनाना चाहिए, बल्कि उस फंड की रेटिंग भी देखें। अगर बीते 10 साल में 4 स्टार या 5 स्टार रेटिंग वाली कुछ म्यूचुअल फंड स्कीम का प्रदर्शन देखें तो ये रिटर्न चार्ट पर भी सबसे आगे दिख रही हैं। इन सभी ने 10 साल में एकमुश्त निवेश पर 18 से 22 फीसदी एनुअलाइज्ड और एसआईपी करने पर 21 से 25 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। एकमुश्त पैसा लगाने वालों को 7 गुना तक रिटर्न मिला है।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 25.26% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 5 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 45,76,377 रुपये
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 21.46% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,98,767.61 रुपये
- कुल एसेट्स : 61,646 करोड़ रुपये (30 नवंबर, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.43% (30 नवंबर, 2024)
- लॉन्च डेट : 16 सितंबर, 2010
- लॉन्च के बाद से रिटर्न : 22.14% सालाना

2. क्वांट स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 26.59% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 5 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 49,16,920 रुपये
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 20.36% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,38,001.63 रुपये
- कुल एसेट्स : 27,161 करोड़ रुपये (30 नवंबर, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.59% (30 नवंबर, 2024)
- लॉन्च डेट : 29 अक्टूबर, 1996
- लॉन्च के बाद से रिटर्न : 14.57% सालाना

3. मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 24.7% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 5 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 44,40,798 रुपये
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 19.89% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,13,521.24 रुपये
- कुल एसेट्स : 22,898 करोड़ रुपये (30 नवंबर, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.59% (30 नवंबर, 2024)
- लॉन्च डेट : 24 फरवरी, 2014
- लॉन्च के बाद से रिटर्न : 24.56% सालाना

4. एडलवाइस मिड कैप फंड

- रेटिंग : 4 स्टार
- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 22.3% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 5 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 38,99,015 रुपये
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 18.66% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 5,53,405.46 रुपये
- कुल एसेट्स : 8,280 करोड़ रुपये (30 नवंबर, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.73% (30 नवंबर, 2024)
- लॉन्च डेट : 26 दिसंबर, 2007
- लॉन्च के बाद से रिटर्न : 14.39% सालाना

5. कोटक इमर्जिंग इक्विटी फंड

- रेटिंग : 4 स्टार
- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 21.2% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 5 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 36,73,285 रुपये
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 18.28% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 5,35,936.28 रुपये
- कुल एसेट्स : 52,049 करोड़ रुपये (30 नवंबर, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.42% (30 नवंबर, 2024)
- लॉन्च डेट : 30 मार्च, 2007
- लॉन्च के बाद से रिटर्न : 15.63% सालाना

क्या हैं म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड जैसे निवेश समाधान कई निवेशकों की पूंजी को मिलाकर स्टॉक और बॉन्ड सहित कई तरह की प्रतिभूतियाँ खरीदते हैं। फंड में मौजूद यूनिट्स कुल निवेश में प्रत्येक निवेशक के हिस्से का प्रतिनिधित्व करती हैं। पेशेवर फंड मैनेजर इन फंडों की देखरेख करते हैं और फंड और बाजार के लक्ष्यों के आधार पर चुनाव करते हैं। अलग-अलग स्टॉक या बॉन्ड चुनने के बिना, म्यूचुअल फंड एक विविध पोर्टफोलियो में निवेश करने का एक सरल तरीका प्रदान करते हैं। क्योंकि वे बहुत कम राशि के साथ निवेश की अनुमति देते हैं, वे नए निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हैं।

म्यूचुअल फ़ंड के बारे में ज़रूरी बातें

म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करने वाले हर निवेशक को इकाइयां मिलती हैं।इन इकाइयों के ज़रिए निवेशक फ़ंड के मालिक होते हैं। फ़ंड से होने वाली कमाई को निवेशकों के बीच बांटा जाता है। म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करने के कई तरीके होते हैं, जैसे कि एकमुश्त निवेश या एसआईपी। म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करने से पहले, प्रॉस्पेक्टस ज़रूर पढ़ना चाहिए। म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करने से जोखिम भी होता है।

यह भी जानें

इक्विटी (स्टॉक) फंड : ये वे फंड हैं जो सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनियों के कॉर्पोरेट स्टॉक में निवेश किए जाते हैं। इन फंडों को कंपनी के आकार, उद्योग या क्षेत्र के प्रकार या संभावित विकास और मूल्य सहित विभिन्न घटकों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।

बॉन्ड फंड : ये ऋण साधनों से बने होते हैं जिन्हें सरकार या निगम निवेशकों को पूंजी जुटाने के लिए जारी करते हैं। वे अक्सर स्टॉक फंड की तुलना में कम जोखिम उठाते हैं। हालाँकि, उनमें वृद्धि की संभावना कम हो सकती है।

मनी मार्केट फंड: इस प्रकार के म्यूचुअल फंड सरकार या निगमों जैसी संस्थाओं से नकदी या नकदी-समतुल्य अल्पकालिक ऋण में निवेश करते हैं। मनी मार्केट फंड को आम तौर पर कम जोखिम वाला निवेश माना जाता है।

सोने ने फिर छुआ 80,000 का स्तर, चांदी भी 90,000 के पार

फिर चमक रहे सोना-चांदी ऐसे में क्या करें निवेशक

जानकारी | बिजनेस डेस्क

जानकारों का मानना है कि निवेशकों को बाजार की अस्थिरता को ध्यान में रखते हुए लंबी अवधि के लिहाज से निवेश करने की रणनीति बनानी चाहिए। मौजूदा आर्थिक स्थिति और केंद्रीय बैंकों की नीतियों को ध्यान में रखते हुए निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में सोने और चांदी को संतुलित तरीके से शामिल करना चाहिए।

सोना चांदी एक बार फिर चमकने लगे हैं। सोने के भाव 80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार चल रहे हैं, वहीं चांदी भी लंबी छालांग लगाकर 90,000 रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गई है। इससे निवेशकों और खरीदारों के बीच उत्साह लगातार बढ़ रहा है। यह उछाल घरेलू बाजारों में बढ़ती मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार के रुझानों से प्रेरित है। अब सवाल यह है कि इस माहौल में निवेशकों को क्या करना चाहिए। ऐसे में इन दोनों धातुओं में निवेश किया जाए या नहीं यह सोचने वाली है। हालांकि बाजार के जानकारों का कहना है कि सोने और चांदी के दाम और बढ़ेंगे। इन दोनों धातुओं में निवेश करना काफी फायदेमंद हो सकता है।

सोने की कीमतों में तेजी का कारण

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमतें 80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार चल रही हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार चीन की ओर से सोने की बढ़ती मांग ने कीमतों में मजबूती प्रदान की है। दिसंबर में चीन ने लगातार दूसरे महीने अपने सोने के भंडार में इजाफा किया, जो सोने की कीमतों के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

चांदी की कीमतों में उछाल

चांदी की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं और 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गईं। बुधवार को चांदी 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय बाजारों में ज्वेलर्स और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती मांग को इस वृद्धि का मुख्य कारण बताया जा रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई। मार्च डिलीवरी के लिए चांदी के अनुबंध 224 रुपये या 0.25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 91,097 रुपये प्रति किलोग्राम पर दर्ज किए गए।

अंतरराष्ट्रीय बाजार का असर

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतों में हलचल देखने को मिली. कॉमेक्स (सीओएमईएक्स) पर सोने के वायदा भाव 0.09 प्रतिशत गिरावट के साथ 2,663.10 डॉलर प्रति औंस पर दर्ज किए गए। हालांकि, चांदी ने बेहतर प्रदर्शन किया और एशियाई बाजार के घंटों में 30.71 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार किया। हालांकि जानकारों का कहना है कि इस हफ्ते जारी होने वाले अमेरिकी रोजगार आंकड़ों में नरमी की संभावना है। अगर आंकड़े कमजोर रहे, तो फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें बढ़ेंगी, जिससे सोने और चांदी की कीमतों को सहारा मिलेगा।

केंद्रीय बैंक और चीन भी हैं वजह

सोने की कीमतों में वृद्धि का एक और कारण कई देशों के केंद्रीय बैंकों की खरीदारी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2024 में सेंट्रल बैंक्स ने 53 टन सोना अपने भंडार में जोड़ा। इनमें से आठ टन की खरीदारी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा की गई। चीन द्वारा लगातार दूसरे महीने सोने की खरीदारी को निवेशक सकारात्मक संकेत मान रहे हैं। चीन ने ट्रम्प के दोबारा व्हाइट हाउस में लौटने के बाद अपने भंडार को विविधता देने के लिए सोने की खरीदारी को प्राथमिकता दी है।

सोने और चांदी में निवेश का आकर्षण

भारत में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी के पीछे स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों से जुड़े फैक्टर्स का योगदान है। सोने के इंपोर्ट में भी कमी लाई गई है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार नवंबर में सोने का आयात बिल 14.86 बिलियन डॉलर से घटाकर 9.84 बिलियन डॉलर किया गया है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि शादी-ब्याह के सीजन में ज्वेलरी की मांग में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे सोने और चांदी की कीमतें और ऊपर जा सकती हैं। सोने और चांदी की कीमतों में इस तेजी ने निवेशकों को एक बार फिर इनमें निवेश के बारे में सोचने का मौका दिया है।

टैक्स-छूट और बेहतर रिटर्न के लिए ईएलएसएस में करें निवेश

बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 खत्म होने में 3 महीने से भी कम का समय बचा है। ऐसे में अगर आपने अभी तक टैक्स सेविंग्स प्लानिंग नहीं की है तो अभी भी इसके लिए निवेश कर सकते हैं। अगर आप टैक्स बचाने के साथ निवेश पर अच्छा रिटर्न चाहते हैं तो इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम यानी ईएलएसएस म्यूचुअल फंड सही विकल्प साबित हो सकते हैं। इसने बीते 1 साल में 49% तक का रिटर्न दिया है। ईएलएसएस यानी इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम ऐसे म्यूचुअल फंड होते हैं, जिनमें 3 साल के लिए इन्वेस्टर्स का पैसा ब्लॉक हो जाता है। म्यूचुअल फंड की इस कैटेगरी में आईटी एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये तक निवेश पर टैक्स छूट मिलती है। हालांकि, शेयर मार्केट लिंक्ड होने के चलते इसमें एफडी या एनएससी जैसी स्माल सेविंग्स की तुलना में इसमें ज्यादा जोखिम होता है।

एक साल में मिला 49% तक का रिटर्न, निवेशक मालामाल

कम लॉक-इन पीरियड

टैक्स सेविंग एफडी, पब्लिक प्रोविडेंट फंड सहित अन्य टैक्स सेविंग स्कीम के मुकाबले ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में लॉक-इन पीरियड काफी कम होता है। जहां टैक्स सेविंग एफडी में इन्वेस्टर्स का पैसा 5 साल और पब्लिक प्रोविडेंट फंड में 15 साल तक लॉक रहता है। वहीं, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टर्स का पैसा 3 साल तक ब्लॉक रहता है। हालांकि, पैसा ब्लॉक रहने का एक बड़ा फायदा यह है कि लंबी अवधि तक अनुशासित रहकर निवेश को बढ़ावा मिलता है। यही आगे आपकी वेल्थ क्रिएशन में मदद कर सकता है। 3 साल का लॉक-इन खत्म होने का मतलब यह नहीं है कि आपको फंड से बाहर निकलना जरूरी होगा, आप इसे आगे तक एक्सटेंड कर सकते हैं।

लंबे समय में एसआईपी के जरिए निवेश ज्यादा फायदा

अन्य इक्विटी फंड की तहर इस कैटेगरी के फंड में भी निवेश लंबे समय में ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। इसकी वजह यह है इक्विटी फंड में लंबे समय तक एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है। शेयर बाजार के निचले स्तर और ऊंचे स्तर का एक औसत रिटर्न बनता है और साथ ही कम्पाउंडिंग का फायदा भी मिलता है।

एसआईपी निवेश का तरीका

शायद इसे निवेश का सबसे अच्छा तरीका कहना तो उचित नहीं होगा लेकिन यह नियमित आय वाले लोगों के लिए निवेश का अच्छा तरीका जरूर हो सकता है जैसे वेतनभोगी और कारोबारी जिनकी हर महीने एक निश्चित आय तय है। एसआईपी से निवेश जेब पर भारी नहीं पड़ता और छोटी- छोटी राशि लगातार निवेश करने से लम्बे समय में एक अच्छी खासी रकम जुटाई जा सकती है।

जानकारी
भास्कर नेरूरकर

रीइम्बर्समेंट हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम प्रोसेस के लिए गाइड

आज की बदलती और चुनौतीपूर्ण लाइफस्टाइल में हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डायबिटीज, हार्ट अटैक और कैंसर जैसी लाइफस्टाइल से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण, पर्याप्त कवरेज होना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। मेडिकल प्रोसीज़र, सर्जरी और दवाओं की लागत सहित हेल्थकेयर के खर्च लगातार बढ़ रहे हैं, जो अक्सर हमारी उम्मीदों से अधिक होते हैं। हेल्थ इंश्योरेंस अप्रत्याशित स्वास्थ्य समस्याओं के दौरान फाइनेंशियल सुरक्षा कवच के रूप में काम करता है और जब आप अस्वस्थ या घायल होते हैं, तो मेडिकल बिल को कवर करता है। यह कवरेज सुनिश्चित करता है कि आप फाइनेंशियल समस्याओं के बिना मेडिकल ट्रीटमेंट प्राप्त कर सकें। हालांकि, कई व्यक्तियों को उपचार के बाद क्लेम प्रोसेस को समझने में कठिनाई होती है। प्रत्येक इंश्योर्ड व्यक्ति के लिए अपनी क्लेम राशि को आसानी से प्राप्त करने के लिए क्लेम प्रोसेस के बारे में जानना महत्वपूर्ण है।

क्लेम मुख्य रूप से दो प्रकार

1) कैशलेस क्लेम

कल्पना करें कि अचानक हेल्थ एमरजेंसी का सामना करने पर आपको या आपके प्रियजनों को हॉस्पिटलाइजेशन की आवश्यकता होती है। ऐसे समय में, मेडिकल बिलों की फाइनेंशियल समस्याओं के बारे में चिंता करना कोई भी नहीं चाहेगा। अब इंश्योरर कैशलेस आधार पर हॉस्पिटल में क्लेम सर्विसेज प्रदान कर रहे हैं। इसका मतलब है कि कस्टमर इंश्योरर के पैनल में शामिल नेटवर्क का हिस्सा नहीं होने वाले हॉस्पिटल्स में भी कैशलेस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इससे हर जगह कैशलेस सुविधा सुनिश्चित होती है, जिससे हमारे सभी कस्टमर्स के लिए हेल्थकेयर अधिक सुलभ और सुविधाजनक हो जाता है। इससे किसी भी हॉस्पिटल में आसान हेल्थकेयर एक्सेस प्राप्त होता है, फाइनेंशियल बोझ कम होता है और पॉलिसीधारकों के लिए तुरंत मेडिकल सहायता सुनिश्चित होती है।

2) रीइम्बर्समेंट क्लेम

रीइम्बर्समेंट क्लेम एक ऐसी प्रोसेस है, जिसमें इंश्योर्ड व्यक्ति को पहले अपनी जेब से मेडिकल ट्रीटमेंट के खर्चों का भुगतान करना होता है। पॉलिसीधारक द्वारा इलाज के लिए नॉन-नेटवर्क हॉस्पिटल का विकल्प चुनने पर रीइम्बर्समेंट क्लेम फाइल किया जाता है। इसके बाद, इंश्योर्ड व्यक्ति को रीइम्बर्समेंट के लिए बिल, रसीद और मेडिकल रिपोर्ट जैसे संबंधित डॉक्यूमेंट अपनी इंश्योरेंस कंपनी को सबमिट करने होते हैं। इसके बाद इंश्योरर पॉलिसी के नियम और शर्तों के अधीन मान्य डॉक्यूमेंट सबमिट करने पर लागत की प्रतिपूर्ति करता है।

रीइम्बर्समेंट हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम प्रोसेस के लिए दिशानिर्देश

1) अपनी इंश्योरेंस कंपनी को सूचित करें: हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम फाइल करने का पहला चरण अपने इंश्योरर को इसके बारे में सूचित करना है। आप उनकी कस्टमर केयर हेल्पलाइन पर कॉल करके या ईमेल के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं। आप इंश्योरर के मोबाइल ऐप और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी डिजिटल रूप से क्लेम फाइल कर सकते हैं और क्लेम के बारे में अपनी इंश्योरेंस कंपनी को तुरंत सूचित कर सकते हैं। यह सुव्यवस्थित प्रोसेस पेपरवर्क को कम करता है, क्लेम प्रोसेसिंग को तेज़ करता है और कस्टमर को एक आनंददायक अनुभव प्रदान करता है।

2) आवश्यक डॉक्यूमेंट सबमिट करें: अपनी इंश्योरेंस कंपनी को सूचित करने के बाद, आपको हॉस्पिटलाइज़ेशन के 30 दिनों के भीतर अपने इंश्योरर के पास सभी आवश्यक डॉक्यूमेंट सबमिट करने होंगे। इनमें आपका इंश्योरेंस पॉलिसी डॉक्यूमेंट, भरा हुआ क्लेम फॉर्म, इलाज करने वाले डॉक्टर का मेडिकल सर्टिफिकेट, आपके इलाज के लिए हॉस्पिटल से बिल और आपकी बीमारी से संबंधित कोई भी डायग्नोस्टिक रिपोर्ट शामिल हैं। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि इन डॉक्यूमेंट की सभी जानकारी सटीक और पूरी हो। गलतियां या विवरण न मिलने से देरी हो सकती है या आपके क्लेम को अस्वीकार कर दिया जा सकता है।

3) ऑथोराइज़ेशन की प्रतीक्षा करें : आपकी इंश्योरेंस कंपनी को आपके सभी डॉक्यूमेंट प्राप्त होने के बाद, वे रिव्यू करेंगे और अप्रूवल के लिए या अन्य के लिए इसे प्रोसेस करेंगे। इस रिव्यू प्रोसेस में आमतौर पर कुछ दिन लगते हैं. कभी-कभी, वे आपके क्लेम के बारे में अधिक जानकारी या स्पष्टीकरण के लिए आपसे संपर्क कर सकते हैं। क्लेम के अप्रूवल के बाद, आपको रिकवर की जाने वाली राशि के बारे में सूचित किया जाएगा।

4) ट्रीटमेंट प्राप्त करें और बिल का भुगतान करें : अपने हॉस्पिटलाइज़ेशन से संबंधित सभी बिल और रसीदों को रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि रीइम्बर्समेंट के लिए इनकी आवश्यकता होगी।

5) रीइम्बर्समेंट के लिए क्लेम सबमिट करें: अपना इलाज पूरा करने और बिल का भुगतान करने के बाद, आप रीइम्बर्समेंट के लिए क्लेम सबमिट कर सकते हैं। इसमें अपनी इंश्योरेंस कंपनी को रीइम्बर्समेंट क्लेम फॉर्म के साथ ओरिजिनल बिल, रसीद, प्री-प्रिंटेड कैंसल्ड चेक भेजना शामिल है। किसी भी देरी या अस्वीकृति से बचने के लिए क्लेम फॉर्म को सही से और पूरी तरह से भरें।

6) रीइम्बर्समेंट प्राप्त करें : इंश्योरेंस कंपनी आपके क्लेम डॉक्यूमेंट को रिव्यू करेगी और रीइम्बर्समेंट को प्रोसेस करेगी। रीइम्बर्स की गई राशि आपकी पॉलिसी के नियम और शर्तों पर निर्भर करेगी। अप्रूव होने के बाद रीइम्बर्समेंट आपके बैंक अकाउंट में जमा कर दिया जाएगा।

(लेखक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम के हेड हैं)

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा यमुना व छिपी हुई सरस्वती नदी के संगम तट पर महाकुम्भ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा। भारतीय सनातन संस्कृति में महाकुम्भ का विशेष महत्व है। यह केवल आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक आस्था का ही महापर्व नहीं है, बल्कि इसमें भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के भी बीज हैं। इस बार के महाकुम्भ से सरकार को लगभग दो लाख करोड़ रुपये के राजस्व प्राप्त करने का अनुमान है। सरकार को आय महाकुम्भ मेला से जुड़ी व्यावसायिक गतिविधियों से होगी। इसमें रोडवेज, रेलवे, विमानन, संचार, पर्यटन व नागरिक सुविधा प्रमुख हैं, जिन्हें आमदनी होगी। इसके अलावा निजी क्षेत्र से होने वाली आय से टैक्स भी भारी मात्रा में सरकार को प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने महाकुम्भ को आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का समागम कहा है। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक जनसमागम के आयोजन के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से लगभग 34 हजार करोड़ रुपये निवेश किए गए हैं। प्रयागराज मेला प्राधिकरण में आबद्ध एजेंसी के अनुमान के अनुसार 10 से 12 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु रेलवे से तो चार से पांच करोड़ के करीब श्रद्धालु रोडवेज बसों से आएंगे। इनसे लगभग दो लाख लोगों को रोजगार मिलेंगे। करीब 45 हजार टूर आपरेटरों को रोजगार मिलेगा। अनुमानित रिपोर्ट के अनुसार टूर व ट्रैवेल सेक्टर में रोजगार की संख्या 85,000 हो सकती है। असंगठित क्षेत्र में लगभग एक लाख नई नौकरियां मिल चुकी हैं, जिनमें टूर गाइड, टैक्सी ड्राइवर, दुभाषिये, स्वयंसेवक, नाविक आदि शामिल हैं। महाकुम्भ से प्रयागराज मेला प्राधिकरण को लगभग 2000 करोड़ रुपये की आय हो सकती है। आस्था के इस महापर्व के सांस्कृतिक महत्व और अर्थव्यवस्था को होने वाले लाभ का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

हमारी संस्कृति में छिपे हैं आर्थिकी के बीज

महाकुम्भ

विनोद पाठक
स्वतंत्र पत्रकार

भारत को धार्मिक स्थलों और मेलों का देश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। देश में उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक सैकड़ों छोटे-बड़े मेले लगते हैं। 5000 से अधिक धार्मिक स्थल हैं। भारत ही नहीं, दुनिया भर में धार्मिक स्थल और मेले अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के केंद्र बिंदु हैं। भारत के करीब-करीब सभी राज्यों में अनेक बड़े धार्मिक स्थल हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अभी अयोध्या और काशी में ही देखा गया, यहां से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिला है। गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में मंदिरों से होने वाली आय राज्य सरकार को बड़ा संबल प्रदान कर रही है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर इन दिनों दुनिया का सबसे बड़ा अस्थाई शहर बस चुका है। इसी अस्थाई शहर में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक दुनिया का सबसे बड़ा मेला महाकुंभ आयोजित होने जा रहा है। 4200 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले महाकुंभ मेला क्षेत्र में न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर से श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचना शुरू हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दावा है कि 40-45 करोड़ श्रद्धालु और पर्यटक इस बार महाकुंभ मेले में आएंगे। यही कारण है कि छोटी से लेकर बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों की नजरें महाकुंभ मेले पर हैं। महाकुंभ मेले की तैयारियों पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी भारी राशि का निवेश किया है। अनुमान है कि महाकुंभ मेले से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलने वाली है।

भारत को धार्मिक स्थलों और मेलों का देश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। देश में उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक सैकड़ों छोटे-बड़े मेले लगते हैं। 5000 से अधिक धार्मिक स्थल हैं। भारत ही नहीं, दुनिया भर में धार्मिक स्थल और मेले अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के केंद्र बिंदु हैं। भारत के करीब-करीब सभी राज्यों में अनेक बड़े धार्मिक स्थल हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में भूमिका निभा रहे हैं। अभी अयोध्या और काशी में ही देखा गया, यहां से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिला है। अयोध्या में पिछले वर्ष जनवरी से सितंबर तक 13.56 करोड़ लोग दर्शन करने पहुंचे थे, जबकि इसी अवधि में आगरा में 12.51 करोड़ लोग ताजमहल को देखने के लिए पहुंचे थे। इस बार नववर्ष के पहले ही दिन 8 लाख लोग काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में दर्शनों को पहुंच गए। गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में मंदिरों से होने वाली आय राज्य सरकार को संबल प्रदान कर रही है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों में बड़े मेले लगते हैं। प्रयागराज में महाकुंभ मेले के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने करीब 15,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। 566 प्रोजेक्ट्स चलाए हैं।

मेला क्षेत्र को बसाने में 21 विभाग शामिल

मेला क्षेत्र को बसाने में 21 विभागों की भागीदारी रही है। इस बार मेले का आकार भी बढ़ाया गया है। वर्ष 2019 के अर्द्धकुंभ में 3200 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र था, जो इस बार 4200 हेक्टेयर हो गया है। सेक्टरों की संख्या 20 से बढ़कर 25 हो गई है। घाटों की लंबाई 8 किलोमीटर से बढ़कर 12 किलोमीटर हुई है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए 1850 हेक्टेयर में पार्किंग बनाई गई है। पांटून पुल की संख्या 22 बढ़ाकर 30 की गई है। डेढ़ लाख अस्थाई और 1.5 लाख अस्थाई और 500 स्थाई शौचालय बनाए गए हैं। मेला क्षेत्र में पौने दो लाख से अधिक टेंट लगे हैं और 25,000 लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है। 67,000 एलईडी लाइट्स मेला क्षेत्र को दूधिया रोशनी प्रदान कर रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने 7260.45 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है, जिससे 441 प्रोजेक्ट और 125 डिपार्टमेंटल प्रोजेक्ट्स पूर्ण हुए हैं। इनमें 75 प्रतिशत पर स्थाई स्ट्रक्चर हैं। सबसे अधिक 42 प्रतिशत बजट पुल और रोड के डेवलपमेंट पर खर्च हुआ है।

2 लाख करोड़ की आर्थिक वृद्धि का दावा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि महाकुंभ मेले से राज्य में 2 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक वृद्धि दर्ज होगी। वर्ष 2019 के कुंभ ने राज्य की अर्थव्यवस्था में 1.2 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया था। उत्तर प्रदेश सरकार को महाकुंभ मेले से 25,000 करोड़ रुपये का सीधे राजस्व की प्राप्ति होगी, जो किराए, सेवा शुल्क और टैक्स के रूप में मिलेगा। छोटे दुकानदार से लेकर होटल इंडस्ट्री, ट्रांसपोर्टेशन, फूड इंडस्ट्री, रिटेल टूर एंड ट्रैवल, गारमेंट जैसे अनेक सेगमेंट्स को फायदा मिल रहा है। महाकुंभ मेले क्षेत्र में बसी टेंट सिटी में 2000 से लेकर 80,000 रुपये तक के लक्जरी टेंट उपलब्ध हैं। केवल महाकुंभ मेले की तैयारियों से 45,000 से अधिक परिवारों को सीधा रोजगार मिला है। देशभर में महाकुंभ मेले से लोगों को रोजगार और आर्थिक लाभ हो रहा है। इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 1882 में ब्रिटिश सरकार के समय प्रयागराज में कुंभ मेले के आयोजन पर सरकारी कोष से 20,228 रुपये खर्च हुए थे, जबकि 49,840 रुपये की आमदनी के साथ 29,612 रुपये का लाभ सरकार को हुआ था। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में देश में धार्मिक पर्यटन के लिए 67.7 करोड़ लोग निकले थे, यह संख्या वर्ष 2022 में 143.9 करोड़ तक पहुंच गई। वर्ष 2022 में धार्मिक पर्यटन से राजस्व 7.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 16.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

श्रद्धालुओं-पर्यटकों को लुभाने में जुटे ब्रांड

वर्ष 2023 में भारत में धार्मिक पर्यटन मार्केट 1172.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था, जो वर्ष 2024 से 2032 के बीच 17.75 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 5102.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों को लुभाने के लिए छोटे-बड़े ब्रांड जुटे हैं। रिटेल स्टेट सलाहकार सीबीआरआई ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि तिरुपति, पुरी, अमृतसर, अजमेर जैसे मझले आकार के शहरों में रिटेल ब्रांड अपने प्रॉडक्ट्स को उतार चुके हैं। अमृतसर, अजमेर, कटरा, सोमनाथ, वाराणसी, शिरडी, पुरी, अयोध्या, मथुरा, तिरुपति, द्वारका, बोधगया, गुरुवयूर और मदुरै में आध्यात्मिक पर्यटन में वृद्धि का लाभ रिटेल ब्रांड उठा रहे हैं। दुनिया की सभी बड़ी फूड इंडस्ट्रीज भारत में धार्मिक पर्यटन स्थलों पर रुख कर चुकी हैं।

महाकुंभ में पहली बार उच्च तकनीक का प्रयोग

वर्ष 2014 में देश की सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धार्मिक स्थलों के विकास पर खास जोर दिया है। धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार और कनेक्टिविटी पर सरकार बहुत तेजी से काम कर रही है। स्वदेश दर्शन और प्रसाद जैसी कई योजनाओं के माध्यम से 120 परियोजनाएं चलाई गई हैं, जिन पर 6800 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए हैं। देश में 1.5 लाख किलोमीटर का रोड नेटवर्क बिछाया जा चुका है। 500 से अधिक नए हवाई मार्ग और 150 से अधिक नए एयरपोर्ट्स से एयर कनेक्टिविटी में बढ़ोतरी हुई है। 100 से अधिक पर्यटक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं पिछले 10 साल में पूरी की गई हैं। महाकुंभ का प्रचार भारत समेत दुनियाभर में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार कर रही है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को तीर्थराज प्रयाग में लाया जा सके। पहली बार महाकुंभ में उच्च तकनीक का प्रयोग हो रहा है। डिजिटल एक्सपीरियंस सेंटर से लेकर कुंभ सहायक चैटबॉट, जो 11 भारतीय भाषाओं में संवाद में सक्षम है, को लॉन्च किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैस फेस रीडिंग कैमरे लगाए गए हैं। एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिवेट किया गया है। टॉयलेट सफाई से लेकर पुलिस व्यवस्था के लिए एप्स बनाए गए हैं। पहली बार दुनिया में किसी अस्थाई शहर में गूगल नेविगेशन की सुविधा दे रहा है। पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रयागराज आए थे और गंगा पूजन किया था, तब उन्होंने महाकुंभ को महापर्व कहा था। अगले 45 दिनों में इसी महापर्व में विश्व का सबसे बड़ा मानवों का एकत्रीकरण होने वाला है। 6 बड़े स्नान पर्वों पर करोड़ों लोग पावन गंगा, यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगाएंगे और यह डुबकी देश की अर्थव्यवस्था को एक नया मार्ग दिखाने वाली होगी। यह आध्यात्मिक - सांस्कृतिक रूप से देश को और आगे बढ़ाने वाली होगी। महाकुंभ केवल स्नान और पुण्य कमाने का पर्व नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश व देश की इकोनॉमी को नई दिशा और नई गति देने वाला भी होगा। असंगठित क्षेत्र में लगभग एक लाख नई नौकरियां मिल चुकी हैं, जिनमें टूर गाइड, टैक्सी ड्राइवर, दुभाषिये, स्वयंसेवक, नाविक आदि शामिल हैं। महाकुंभ से प्रयागराज मेला प्राधिकरण को लगभग 2000 करोड़ रुपये की आय होगी। विज्ञापन से 30 करोड़, पार्किंग स्थलों से 55 करोड़, यात्री निवासों से 30 करोड़, कामर्शियल प्लाटों की बिक्री से लगभग 100, दुकानों से 60 करोड़ रुपये की आय हो रही है। इसके अलावा विभिन्न होटल कंपनियों, रेस्टोरेंट, वेंडिंग जोन, प्रदर्शनियों में होने वाले उत्पादों की बिक्री से भी 250 करोड़ रुपये आय की उम्मीद है।

मानव सभ्यता संस्कृति का अद्भुत समागम

कुम्भ

अखिलेश कुमार
स्वतंत्र पत्रकार एवं संस्कृतिवेत्ता

सांसारिक और आध्यात्मिक समागम का अद्भुत पर्व, उत्सव व मेला दुनिया में यदि कोई है तो भारत में आयोजित होने वाले कुंभ में देखा जा सकता है। वेदों में कुम्भ यह जगत है। यह शरीर भी कुम्भ है और पानी पीने वाला घड़ा भी कुम्भ ही है। आकाश भी कुम्भ है और यह ब्रह्मांड भी कुम्भ है। यानी कुम्भ के तमाम मायने हैं। वैदिक संस्कृति वनों, नदियों के संगमों, पर्वत की कदराओं में जन्मी और पली-बढ़ी है। वेद के मंत्र आया है-उपहरे गिरीणां संगमे च नदीनाम, धियो विप्रां अजायत यानी नदियों के संगम और पर्वतों की गुफाओं पर बुद्धिमान ज्ञानी जन पैदा होते हैं। इसका मतलब यह है कि एकान्त, शीतल, और शांत स्थानों में साधना करने पर बुद्धि सूक्ष्म और तेज हो जाती है।

माघ मेले का विशाल रूप कुम्भ

वेदों में ज्ञान को सबसे पवित्र और बहुमूल्य बताया गया है। मंत्र में आया है-न हि ज्ञानेनसदृशं पवित्रमिह विद्यते। विद्या धनं सर्व धनंप्रधानम। सर्वेषाम दानानाम ब्रह्मदानम विशिष्यते। ऋते ज्ञानान्न मुक्ति। यानी बिना ज्ञान के मुक्ति नहीं मिलती। सब दुखों का मूल अज्ञान है। इसलिए कुम्भ कभी ज्ञान चर्चाओं के लिए जाने जाते थे। यहां वेद शास्त्रों की चर्चाएं, शास्त्रार्थ और वेदोपदेश हुआ करते थे। एकता, संगठन और सवालों के समाधान कुम्भ मेलों के अवसर पर हुआ करते थे। इसलिए कुम्भ की महत्ता हमेशा बनी रही। वैदिक ऋषि-महर्षियों ने कुम्भ के ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण इसलिए माना कि जिससे आम और खास यानी गरीब और अमीर दोनों अपनी जिंदगी को उपयोगी, सफल और मर्यादित बनाने के लिए वैदिक ज्ञान विज्ञान को समझ सकें। नक्षत्र गणना पर ज्योतिष भी आधारित है। प्रयागराज में हर वर्ष एक महीने का इसी स्थान पर माघ मेले का आयोजन होता है। कुम्भ का आयोजन माघ मेले का विशाल रूप है। संगम या त्रिवेणी पर स्नान का महत्त्व पुराणों में बताया गया है। संत तुलसी दास ने रामचरित मानस में लिखा है-माघ मकर गति रवि जब होई/ तीरथ पतिहि आव सब कोई। देव दनुज किन्नर नर श्रेनी। सादर मज्जहि सकल त्रिवेनी/ पूजहि माधव पद जल जाता। परसि अखय वट हरषहि गाता, इन पंक्तियों में महाकुम्भ की खूब तारीफ की गई है। आम आदमी इस महत्त्व को सनातन काल से जानता और मानता आया है। कुम्भ देश की चार नदियों के किनारे लगता है। दो तो गंगा के किनारे प्रयागराज और हरिद्वार में ही लगते हैं। इस कुम्भ की भव्यता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि दुनिया में इतना विशाल जनमानस श्रद्धा व विश्वास के नाम पर एक खास नक्षत्र और तिथि पर एक स्थान पर और कहीं इक्ट्ठे नहीं होते हैं। अद्भुत या अद्वितीय शब्द भी इसके लिए बहुत छोटा है। इसमें शामिल होने के लिए दुनिया भर से श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं।

कुम्भ शब्द वेदों से संस्कृत के तमाम ग्रंथों, अनेक भाषाओं में लिखे धार्मिक ग्रंथों और जन श्रुतियों के जरिए जन मानस का हिस्सा बन गया। वेदों से ही यह समाज, धर्म, संस्कृति, कला और साहित्य में भी आया। वेदों में वर्णित कुम्भ आध्यात्मिक और लौकिक परंपरा का आनंदमय हिस्सा रहा है। पौराणिक परंपरा में कुम्भ का महत्व

सदियों से रहा है। यह विश्व का ऐसा अद्भुत, विशाल और दिव्य मेला है जिसमें न कोई खास होता है और न आम। यही वजह है कि इसकी महत्ता सबके लिए हमेशा बनी रही। कुम्भ सनातन पौराणिक परंपरा का उत्सव, मेला, विश्वास, धर्म संवाद और शास्त्रार्थ करने का विशेष अवसर के रूप में भी जाना जाता है। वेद में जिस कुम्भ का वर्णन है, वह कुम्भ हमारा शरीर है।

आवागमन से मिलता मोक्ष

इस शरीर को यज्ञशाला भी कहा गया है। जिसमें दी गई शुभ संकल्पों की आहुति कभी बेकार नहीं जाती। इस कुम्भ यानी घड़े की महत्ता तब और भी बढ़ जाती है जब इसके पवित्र जल से निरंतर आचमन करते रहने का हम संकल्प लेते हैं। गंगा-यमुना-सरस्वती नदियों का वर्णन वेदों में भी है लेकिन अलंकारिक रूप में। पौराणिक परंपरा में जिन चार स्थानों पर कुम्भ का आयोजन होता है उनमें तीर्थराज प्रयाग, नासिक, हरिद्वार और उज्जैन है। चारों तीर्थस्थानों पर लगने वाले कुम्भों का अपना महत्व है। ऐसी पौराणिक मान्यता है कि कुम्म बारह होते हैं जिसमें से चार का आयोजन धरती पर होता है और बाकी का देवलोक में। प्रयाग और हरिद्वार में लगने वाले कुम्भ मेले के बीच तीन साल का अंतर होता हैं। इसी तरह प्रयाग और नासिक में लगने वाले कुम्भ मेले के बीच तीन साल का अंतर होता है। कुम्भ की परम्परा निराली है। हर छह साल में अर्ध कुम्भी मेले का आयोजन होता है। बारह साल में कुम्भ और छत्तीस और एक सौ चौवालीस साल में महाकुम्भ का आयोजन होता है। इस वर्ष प्रयागराज में लगने वाला दुनिया का सबसे बड़ा मेला कुम्भ है जो छत्तीस साल बाद लग रहा है।

पौराणिकों में यह मान्यता रही है कि गंगा में स्नान करने से सारे पाप दूर हो जाते हैं और कुम्भ के अवसर पर नहाने से आवागमन से छुटकारा मिल जाता है। यह तो मान्यता की बात हुई। कुम्भ की शुरुआत कब हुई इसे लेकर कोई एक मत नहीं है। वेदों में कुम्भ शब्द आने की वजह से यह कहना मुश्किल है कि कुम्भ की शुरुआत वेदों के प्रकटन से हुई या पुराणों की रचना यानी ढाई-तीन हजार साल पहले। चीनी यात्री ह्वेनसांग अपने यात्रा विवरण (644) में लिखता है भारत के तत्कालीन चक्रवर्ती सम्राट हर्षवर्धन माघ के महीने में प्रयागराज में आयोजित पांच साल में आयोजित धर्मसभा में अपना सब कुछ लुटाकर (दानकर) वापस अपने राज्य लौट जाते थे। कुछ विद्वानों का यह भी कहना है कि 9वीं सदी में आदिगुरु शंकराचार्य ने पुरी, द्वारका, श्रृंगेरी व बद्रीनाथ में चार मठों की स्थापना करके के बाद लोककल्याण के नजरिए से कुम्भ की परंपरा की शुरुआत की थी। चैतन्य महाप्रभु के जीवनवृत में भी-कुम्भ महापर्व का चिक्र मिलता है। 14वीं शताब्दी के विद्वान सरस्वती गंगाधार की मराठी पुस्तक गुरुचरित्र तथा नासिक से मिले एक ताम्रपत्र से भी नासिक में आयोजित होने वाले कुम्भ का विवरण मिलता है।

सुरक्षा रहेगी चाक-चौबंद

प्रयाग शब्द से पता चलता है कि यह स्थान यज्ञादि और वेदों के स्वाध्याय व शिक्षा के नजरिए से सनातन से प्रसिद्ध रहा है। प्रयागराज कभी साहित्य, राजनीति और शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र हुआ करता था। लेकिन अब इलाहाबाद पौराणिक नगरी प्रयागराज के रूप में प्रसिद्ध हो गया है। धर्म स्थलों में प्रयाग की महिमा महर्षि वाल्मीकि, संत तुलसीदास, वेदव्यास और कालिदास जैसे अनेक विश्व प्रसिद्ध कवियों ने खूब गाई है। आज प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में लगने वाले कुम्भों से समाज, संस्कृति, जीवन-दर्शन, ज्ञान-विज्ञान, अध्यात्म, धर्म और कलाओं के निर्माण का अजस्त्रोत बहता दिखाई देता है। राज्य सरकार ने कुम्भ को सफल बनाने में अपनी सारी ताकत झोंक दी है। इसलिए हर तरह की सुरक्षा को चाक-चौबंद रखा गया है।

अमरत्व व मोक्ष की आस्था का महाकुम्भ

धर्म-संस्कृति

डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार व साहित्यकार

महाकुंभ की परम्परा कब चली थी, कोई प्रामाणिक इतिहास स्पष्ट नहीं। जो भी है, पौराणिक आरफानों पर आधारित है। मगर करोड़ों देशवासियों ने इसे मान्यता प्रदान की है। इस धार्मिक-पर्यटन व आस्था की यात्रा पर हर 12 वर्ष बाद करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस बार प्रदेश की सरकार ने 40 करोड़ यात्रियों के लिए अधिकृत रूप से व्यवस्था की है। सुरक्षा-कवच बना रहे इसके लिए भी हजारों की संख्या में अर्द्धसैनिक बल, लाखों की संख्या में सशस्त्र पुलिस बल, एआई. की टीमें, हजारों की संख्या में 'ड्रोन'-तैनात, ये समूचा हाईटैक-तंत्र, किसी भी अप्रिय हादसे से बचाव के लिए मुस्तैदी के साथ तैनात है। सर्वाधिक कड़े प्रबंध 'वी.आई.पी.' श्रद्धालुओं के लिए हैं। इनमें प्रधानमंत्री, अनेक केन्द्रीय मंत्री, लगभग डेढ़ दर्जन मुख्यमंत्री, उच्चधिकारीगण, लगभग सभी शंकराचार्य असंख्य महामंडलेश्वर, 14 अखाड़ों के लाखों श्रद्धालु, लगभग 5 लाख नागा साधू, विश्वभर से इलेक्ट्रोनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया व डिजिटल टीम की टीमें, सभी मौजूद रहेंगे।

प्राचीन शिलालेखों में भी उल्लेख

कुम्भ-मेला हमारे देश की एक धरोहर भी है। वैसे तो इस मेले से जुड़े कई रहस्य हैं, लेकिन उनमें से एक सबसे खास यह भी है कि पौराणिक कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश से गिरती बूंदों के कारण कुंभ मेले से जुड़े विशेष स्थलों हरिद्वार, नासिक, उज्जैन और प्रयागराज को विशेष महत्व मिला। वहीं, ऐतिहासिक दृष्टि से महाकुंभ का पहला उल्लेख प्राचीन शिलालेखों में भी मिलता है। आज भी लाखों लोग इस आयोजन से जुड़े कई रहस्यों और तथ्यों से अनजान हैं। जैसे, पहला महाकुंभ मेला कब और कहां आयोजित हुआ था? यह आयोजन किन ज्योतिषीय घटनाओं से जुड़ा है? नागा साधु और शाही स्नान की पंरपरा कैसे शुरू हुई?

महाकुंभ का आयोजन हर 12 साल में होता है और यह मेला विशेष रूप से संगम-तट पर आयोजित किया जाता है, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य नदी सरस्वती आकर मिलती हैं। इस अवसर पर करोड़ों श्रद्धालु यहां आते हैं और पवित्र शाही स्नान करके अपने पापों से मुक्ति का एहसास अपने भीतर जीवित रखते हैं, यद्यपि स्नानादि से निवृत्ति के बाद लौटने पर सब पाप-पुण्य पूर्ववत जारी हो जाते हैं। पौराणिक मान्यताओं की मानें तो महाकुंभ मेला की शुरुआत सतयुग से हुई थी। ऐसा कहा जाता है कि इसका आधार समुद्र मंथन की उस कथा में हैं, जहां अमृत की बूंदें चार पवित्र स्थलों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक पर गिरी थीं।

हर 6 साल में अर्द्धकुंभ

महाकुंभ मेला की ऐतिहासिक शुरुआत को लेकर प्राचीन ग्रंथों में सटीक जानकारी नहीं मिलती है। कई ग्रंथों में इसका उल्लेख मिलता है, लेकिन इनमें मेले के पहले आयोजन के समय और स्थान को लेकर स्पष्टता नहीं है। वहीं कुछ विद्वानों का मानना है कि महाकुंभ की परंपरा 850 साल पहले शुरू हुई थी और अब तक हर 12 साल बाद इसका आयोजन प्रयागराज में होता है। वैसे हर 6

साल में अर्द्धकुंभ का आयोजन होता है। इस महाकुंभ मेले का इतिहास आज भी कई रहस्यों से भरा हुआ है। यद्यपि वर्तमान स्वरूप में यह आयोजन 850 साल से भी ज्यादा पुराना है। अगर हम इसकी शुरुआत की बाते करें तो इसका आयोजन सबसे पहली बार आदि शंकराचार्य द्वारा किया गया था। कुछ कथाओं के अनुसार महाकुंभ मेले का अयोजन समुद्र मंथन के बाद से ही आरंभ हो गया था। जिन स्थानों पर भी समुद्र मंथन से निकले हुए अमृत कलश का अमृत गिरा था, उसी समय से वहां एक बहुत बड़े मेले का आयोजन होने लगा। ऐसी मान्यता है कि उस स्थान की नदियों के जल में भी अमृत है और उसमें स्नान करने वाले अमृत का पान कर लेते हैं और उन्हें मोक्ष मिलता है।

अखाड़ों की भी रखी गई नींव

समुद्र मंथन के बाद ही गुरु शंकराचार्य और उनके शिष्यों द्वारा संन्यासी अखाड़ों के लिए संगम तट पर शाही स्नान की व्यवस्था की गई थी और तभी से अखाड़ों की नींव भी रखी गई। महाकुंभ की शुरुआत समुद्र मंथन से निकले अमृत कलश के साथ हुई, लेकिन इससे जुड़ी एक और कथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार जब देवराज इंद्र के पुत्र जयंत कौए के रूप में अमृत कलश लेकर जा रहे थे तो उनकी जीभ पर भी अमृत की कुछ बूंदें लग गई थी। इसी वजह से आज भी कौए की उम्र अन्य पक्षियों की तुलना में लंबी होती है। जब जयंत अमृत कलश लेकर भाग रहे थे तो कुछ बूंदें प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार और नासिक में गिरीं जिसकी वजह से ये स्थान पवित्र स्थल बन गए और यहां महाकुंभ का आयोजन होने लगा।

हर 12 साल बाद महाकुंभ

वहीं उसी समय इस अमृत की कुछ बूंदें दूर्वा घास पर भी पड़ीं और उसकी समय से इसे भी पवित्र माना जाने लगा और पूजा-पाठ में इसका इस्तेमाल होने लगा। यही नहीं, इस घास को भगवान गणपति की प्रिय घास माना जाने लगा। प्रयागराज में हर 12 साल बाद महाकुंभ का आयोजन होता है जिसका महत्व सबसे ज्यादा है। इसका मुख्य कारण यह है कि इसी स्थान पर तीन पवित्र नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हालांकि सरस्वती नदी विलुप्त हो चुकी है लेकिन आज भी वो प्रयागराज में मौजूद है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति इन तीन नदियों के संगम में शाही स्नान करता है उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी वजह से प्रयागराज के महाकुंभ का महत्व सबसे ज्यादा है। इस महाकुम्भ से सरकार को लगभग दो लाख करोड़ रुपये के राजस्व प्राप्त करने का अनुमान है। महाकुंभ मेला से जुड़ी व्यावसायिक गतिविधियों-रोडवेज, रेलवे, उड्डयन, संचार, पर्यटन प्रमुख विभाग हैं जिन्हें खासी आमदनी होने जा रही है।

मप्र में किंग कोबरा को लाएंगे तो बाकी सांप नहीं दिखेंगे, इससे मृत्यु दर में आएगी कमी

मुख्यमंत्री ने भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को दी बधाई

डॉ. यादव ने दो दिनी आईएफएस मीट व वानिकी सम्मेलन का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश का वन क्षेत्र समृद्ध है। वर्ष 2003 से 2021 के बीच वन क्षेत्र में 1063 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई है। भोपाल देश की एकमात्र ऐसी राजधानी है, जिसके आस-पास आसानी से टाइगर देखे जा सकते हैं। यह हमारे प्रदेश के लिए सुखद और पर्यावरण की दृष्टि से बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पन्ना जैसे क्षेत्र जहां वन्य जीवों की स्थिति शून्य हो गई थी, वहां भी वन अधिकारियों के प्रयासों के वन्य जीवों की गतिविधियां पुनः शुरू हुईं, यह अपनी सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है और वे बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पं. खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय सभागार में दो दिवसीय आईएफएस (भारतीय वन सेवा) मीट और वानिकी सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। प्रारंभ में मुख्यमंत्री को रूद्राक्ष का पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया गया। सम्मेलन में वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव तथा अन्य आईएफएस अधिकारी उपस्थित थे।

मप्र में प्रचुर वन संपदाः पुरातत्व, पर्यावरण में अध्ययन व शोध की अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के मीट परस्पर संवाद, मित्रता के भाव, अनुभव साझा करने और बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने के लिए जरूरी हैं। मप्र में प्रचुर वन संपदा विद्यमान है। पुरातत्व, भू-गर्भ शास्त्र, पर्यावरण, वनस्पति शास्त्र सहित कई विधाओं में अध्ययन व शोध की अपार संभावना विद्यमान हैं। वन विभाग को इन क्षेत्रों में अध्ययन को प्रोत्साहन और सहयोग प्रदान करने के लिए पहल करना होगी। पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए भी गतिविधियों का विस्तार किया जाए। उन्होंने रातापानी के संदर्भ में ग्रामों के विस्थापन की चुनौती का प्रभावी तरीके से सामना करने के लिए वन अमले की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन की ओर से वनों के विकास और नवाचारी गतिविधियों के संचालन के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मप्र के वन और वन्य जीव हमारी पहचानः अहिरवार

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध मप्र के वन और वन्य जीव हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि शासन इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन के वनों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए की गई ईमानदार एवं प्रभावी पहल का परिणाम है कि प्रदेश के वन आवरण में स्थायित्व आने के साथ ही वन्य प्राणियों के प्रबंधन की दिशा में किए गए प्रयासों को सराहा गया है। उन्होंने भारतीय वन सेवा अधिकारियों को बधाई दी। दो दिवसीय आईएफएस मीट में वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन, संयुक्त वन प्रबंधन, वनवासियों के कल्याण आदि विषय पर चार सत्र होंगे।

सर्प दंश से मृत्यु की घटनाएं मप्र में अधिक दूसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आईएफएस अधिकारियों से कहा कि वे प्रदेश में किंग कोबरा लान का प्रयास करें। इससे सांपों के डसने से होने वाली मौत में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि किंग कोबरा के आने से बाकी सांप नहीं दिखेंगे। इससे मृत्यु दर में कमी आएगी। दरअसल, इस समय मप्र इस समय सांपों के डसने से होने वाली मौत में देश में अव्वल है। एक तथ्य यह भी है कि करीब 20 वर्ष पहले देश में सांपों के डसने से होने वाली मौत में पश्चिम बंगाल पहले नंबर पर था, किंतु मेडिकल सुविधा होने की वजह से इस समय पश्चिम बंगाल नीचे 11 वें नंबर पर आ गया है, जबकि मप्र पहले नंबर पर पहुंच गया।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री ने 'क्षितिज' का किया विमोचन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय की राजभाषा पत्रिका क्षितिज के षष्टम अंक का विमोचन मुख्यमंत्री निवास में किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शितांशु चौरसिया, सुमित कुमार, रेम्या चौधरी एवं वरुण चौधरी मुख्य रूप से मौजूद थे। पासपोर्ट अधिकारी शितांशु चौरसिया ने बताया कि पासपोर्ट कार्यालय में विश्व हिंदी दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया।

सांस्कृतिक पहचान और गौरव की प्रतीक है हिंदी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्व हिंदी दिवस, सांस्कृतिक पहचान और गौरव की प्रतीक हिंदी भाषा के वैश्विक जयघोष के विचारों को आत्मसात करने का दिन है। मुख्यमंत्री ने विश्व हिंदी दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने हिंदी भाषा के रूप में मिली विरासत को और अधिक समृद्ध करने के लिए संकल्पित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रदेशवासियों से आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में कहा कि हिन्दी दिवस अपने आप में विशेष है।

सीएम ने की युवा शक्ति मिशन, मकर संक्रांति, धान उपार्जन एवं जनकल्याण अभियान की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा- मकर संक्रांति पर महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित आयोजन किए जाएं

महिलाओं को तिल, गुड़, कंगन और सुहाग सामग्री का वितरण होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मकर संक्रांति पर्व महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित करते हुए आयोजित किया जाए। इस अवसर पर लाड़ली बहना योजना के तहत जनवरी माह की राशि का अंतरण शाजापुर के कालापीपल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिंगल क्लिक से करेंगे। मकर संक्रांति पर्व जिला स्तर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में महिलाओं को तिल, गुड़, कंगन और सुहाग सामग्री का वितरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में जनकल्याण अभियान, मकर संक्रांति, धान उपार्जन और युवा दिसव कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, एसएन मिश्रा, अनुपम राजन उपस्थित थे। अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि वर्चुअली शामिल हुए।

मकर संक्रांति पर्व की तैयारियों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री ने मकर संक्रांति पर्व की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में एक-एक स्थान पर मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। बताया गया कि 12 जनवरी को कालापीपल में मुख्यमंत्री लाड़ली बहनों के खातों में जनवरी की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। पूरे प्रदेश में महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं होगी। 12 से 14 जनवरी के मध्य जनकल्याण शिविरों में मकर संक्रांति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

धान का परिवहन करें तुरंत

मुख्यमंत्री ने धान उपार्जन की समीक्षा करते हुए कहा कि मौसम के बदलते हालात को देखते हुए उपार्जित धान को गोदामों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए तुरंत उसका परिवहन करें। उन्होंने कहा कि किसानों को उपार्जित धान के भुगतान के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टर स्वयं मॉनीटरिंग करें कि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं के लाभों से वंचित नहीं रहे। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने बताया कि 23.013 लाख आयोजित शिविरों में 25 लाख 70 हजार आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 87.9 प्रतिशत आवेदन स्वीकृत किए गए। सर्वाधिक आवेदन भोपाल, उज्जैन, सिवनी, बालाघाट, राजगढ़, बैतूल, शिवपुरी एवं दतिया जिले में प्राप्त हुए।

युवा दिवस पर होंगे कार्यक्रम

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करें। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से 10.15 के मध्यम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री के संदेश एवं सूर्य नमस्कार की 12 मुद्राओं एवं प्राणायाम का प्रसारण किया जाएगा। शिक्षण संस्थाओं में स्वामी विवेकानंद पर केंद्रित शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम कर उनके व्यक्तित्व से युवाओं को अवगत कराया जाएगा।

शीत लहर में करें पुख्ता प्रबंध

मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर्स को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शीत लहर को दृष्टिगत रखते हुए सार्वजनिक स्थलों, बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन, मुख्य बाजार एवं रैन बसेरे आदि में अलाव की व्यवस्था करें। फुटपाथ एवं खुली जगह पर सोने वालों को किसी सुरक्षित स्थान पर रात्रि विश्राम के लिए भिजवाएं। जिले में आने वाले मुसाफिर एवं गरीब वर्ग का विशेष रूप से ध्यान रखें। शीतलहर से होने वाली सर्दी-खांसी एवं अन्य बीमारियों से बचाव के लिए जिला अस्पतालों में व्यवस्था करें और चिकित्सा शिविर आयोजित करें। इसके साथ ही प्रदेश में एचएमपीवी वायरस के रोकथाम के लिए विशेष सावधानी रखें, बचाव के उपायों का प्रचार करें।

कलेक्टर स्कूल समय में परिवर्तन करना चाहें तो तुरंत करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा करते हुए कहा कि शीत लहर को देखते हुए कलेक्टर सुविधा के अनुसार स्कूल समय में परिवर्तन करना चाहें तो तुरंत करें। उन्होंने कहा कि आगामी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए अधिकारी, छात्रों और पालकों के साथ स्कूल ही नहीं कॉलेज स्तर पर भी समन्वय स्थापित करें। आगामी सिंहस्थ की तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में भोपाल, इंदौर, उज्जैन संभाग के अधिकारी प्रयागराज में महाकुंभ की व्यवस्थाओं का अध्ययन करें और देखें कि सिंहस्थ के दौरान हमारे प्रदेश में व्यवस्थित संचालन में वे व्यवस्थाएं किस प्रकार प्रभावशील हो सकती हैं।

पीएससी के तहत तीन वर्ष के पद एक ही वर्ष में भरे जाएंगे परीक्षाएं होंगी अलग-अलग

लाड़ली बहनों के खातों में होगी जनवरी माह की राशि अंतरित, मुख्यमंत्री कालापीपल जिला शाजापुर से सिंगल क्लिक से खातों में अंतरित करेंगे राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाने की परंपरा आरंभ की गई है। युवा अपने सपनों को साकार करें, जीवन में आगे बढ़ें, प्रदेश और समाज को आगे बढ़ाएं, इस उद्देश्य से राज्य सरकार सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए तत्पर है। युवाओं के जीवन में एक नया सूर्य ऊगे, वे अपने जीवन को आलौकिक करें, अपनी ऊर्जा का समाज हित में उपयोग करें, युवा दिवस के संदर्भ में युवाओं से यही अपील है। इसी क्रम में राज्य सरकार 12 जनवरी से प्रदेश में स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन का क्रियान्वयन भी आरंभ कर रही है। मुख्यमंत्री ने मीडिया को जारी संदेश में यह कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा दिवस के अवसर पर प्रदेश की लाड़ली बहनों को जनवरी माह की अनुदान राशि का अंतरण कालापीपल जिला शाजापुर से किया जाएगा। युवाओं को उन्नति और प्रगति के सभी अवसर प्राप्त हों इस उद्देश्य से राज्य सरकार बहुआयामी गतिविधियां संचालित कर रही है।

बैकलॉग के पदों पर होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बैकलॉग के पदों को भरने जा रही है। पीएससी के तहत पिछले तीन वर्ष के जो पद हैं, उनको ही एक ही वर्ष में तीन अलग-अलग परीक्षा कराकर भरने का निर्णय भी लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का मुख्य आधार प्रदेश की युवा शक्ति है। युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार के अवसर प्राप्त हों, इस उद्देश्य से कौशल उन्नयन और प्रशिक्षण की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। रीवा, उज्जैन सहित अन्य आईटी पार्कों से रोजगार उपलब्ध हुए हैं।

विभागों में भर्ती की प्रक्रिया जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के परिणामस्वरूप रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि के साथ ही शासकीय विभागों में भर्ती की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज आरंभ किए गए हैं। स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी के कॉलेज आरंभ किए जा रहे हैं। पीपीपी मॉडल को सम्मिलित करते हुए 2 वर्ष में 25 मेडिकल कॉलेज आरंभ किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिए निर्देश

शहीद जवान रामसिया मिश्रा के परिजनों को 10 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ के सुकमा कोटा क्षेत्र में वर्ष 2005 में ड्यूटी के दौरान नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद होने वाले सीधी जिले के सिहावल तहसील निवासी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान रामसिया मिश्रा के निकटतम वारिसों को 10 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह सहायता व्यक्तिगत आर्थिक नियमों को शिथिल करते हुए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कर्तव्यनिष्ठा के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीद जवान रामसिया मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राज्य सरकार शहीद के परिजनों के साथ है। सिंहावल विधायक विश्वामित्र पाठक ने 2005 का यह मामला हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के संज्ञान में लाया था।

नाबालिग छात्रा से ड्राइवर ने किया दुष्कर्म दोस्त के मकान में अगवा कर रखा था

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कोरबा जिले में 12वीं की छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। नाबालिग छात्रा 6 दिनों पहले स्कूल जाने के नाम से घर से निकली थी, लेकिन जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। परिजनों बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट मानिकपुर चौकी में दर्ज कराई।

पुलिस ने शुक्रवार को छात्रा को रायपुर से बरामद किया और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पेशे से ड्राइवर आरोपी ने छात्रा को रायपुर में दोस्त के मकान में रखा था। जानकारी के मुताबिक आरोपी घनश्याम केवट (24) छात्रा को रायपुर ले गया था। आरोपी रायपुर में 4 दिनों से नाबालिग छात्रा को कब्जे में रखे हुए था। आरोपी मुलमुला जांजगीर जिले का रहने वाला है। आरोपी रायपुर में निजी कंपनी में काम करता है। आरोपी कोरबा स्कूल में सामान छोड़ने आता था। इस दौरान छात्रा से युवक की पहचान हुई। फिर मोबाइल नंबर पर एक-दूसरे से बातचीत होती रही। वारदात वाले दिन वह कोरबा पहुंचा और छात्रा को साथ ले गया।

महिला का पति से हो चुका है तलाक, बेटे के साथ रहती है

पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी

महिला पर युवक ने किया चाकू से हमला, पीड़िता की बहन बोली- कई दिन से कर रहा था परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बिलासपुर में तलाक के बाद पति को छोड़कर लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रही महिला पर प्रेमी युवक ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है।

वारदात के बाद आरोपी युवक उसे छोड़कर भाग गया। महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सरकंडा के बंगालीपारा में रहने वाली नीलू कश्यप (30) टिफिन सेंटर चलाकर गुजर-बसर करती हैं। वह एक बच्चे के साथ किराए के मकान में रहती हैं। महिला का पति से तलाक हो गया है। महिला शुक्रवार की रात सीपत चौक से लौटते समय वह परिचित से मोबाइल पर बात कर रही थी।

बहने थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत की थी

घर लौटने के दौरान महिला के सामने सनत कश्यप आया। उसने महिला पर अचानक चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला पर हमलावर ने 6 वार किए। आसपास के लोग जब वहां पहुंचे तो युवक भाग निकला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। महिला की बहन ने पुलिस को बताया कि सनत आए दिन उसकी बहन को परेशान कर रहा था। इसकी शिकायत नीलू ने नारी शक्ति की टीम के साथ सरकंडा थाने में की थी। पुलिस की टीम सनत की तलाश में लग गई। इस दौरान वह अपने घर पर नहीं मिला। उसके परिजन को पुलिस ने समझाइश देकर युवक के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी थी।

डॉ. यादव ने कहा-

स्वरोजगार से महिलाओं को सशक्त करना मध्य प्रदेश सरकार का उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार गरीब, युवा, किसान और नारी के जीवन में बदलाव लाने के लिए चारों मिशन पर कार्य कर रही है। विशेष कर नारी सशक्तिकरण की दिशा में मकर संक्रांति पर्व पर वृहद कार्यक्रम प्रस्तावित है। स्व रोजगार व स्वावलंबन के माध्यम से आर्थिक स्थिति में सुधार करते हुए महिलाओं को सशक्त करना हमारा उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नारी सशक्तिकरण के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ही लाड़ली बहनों को दिए जा रहे अनुदान की राशि में भी वृद्धि की गई थी। बहनों की स्थिति में उत्तरोत्तर उन्नति के उद्देश्य से उद्योग, स्वावलंबन और स्व-सहायता समूह की गतिविधियों जैसे आयाम भी जोड़े जा रहे हैं। रेडीमेड गारमेंट्स सहित अन्य उद्योगों में महिला श्रम आधारित ऐसे कार्य आरंभ किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त होंगे और उन्हें बेहतर जीवन का अवसर प्राप्त हो सकेगा। प्रदेश में इस प्रकार के चार उद्योग आरंभ किए जा चुके हैं, साथ ही गतिविधियों का और विस्तार किया जा रहा है। इन उद्योगों को राज्य सरकार की ओर से प्रति श्रमिक पांच हजार रुपए इंसेंटिव की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश और देश की उन्नति में सब सहभागी हों, इसी भाव से राज्य सरकार विकास और जनकल्याण की दिशा में सक्रिय है।

हादसे के बाद प्लांट के मैनेजर और प्रबंधक पर पुलिस ने प्रकरण किया दर्ज

मुंगेली स्टील प्लांट हादसा

4 की मौत, 3 शव मिले, सरकारी नौकरी और 50 लाख रु. मुआवजे की मांग को लेकर मृतकों के परिजनों का धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

मुंगेली में हुए स्टील प्लांट हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है। 36 घंटे बाद शुक्रवार रात 11 बजे साइलो (लोहे का भारी स्टोरेज टैंक) को हटा लिया गया। साइलो हटने के 3-4 घंटे बाद शनिवार तड़के इंजीनियर समेत 3 लोगों के शव भी मलबे से निकाले गए। इससे पहले इलाज के दौरान एक मजदूर ने दम तोड़ दिया था।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया है। दो मृतकों के परिजन 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग पर अड़े हैं। जबकि, इंजीनियर जयंत साहू के परिजनों ने 1 करोड़ रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग की है। मृतकों के परिजन सिम्स में धरने पर बैठ गए। कंपनी और प्रशासन पर दबाव बनाने का आरोप लगाया गया है। एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। पथरिया एसडीएम भरोसा राम ठाकुर ने कहा कि शासन और कंपनी की ओर से जो आर्थिक सहायता राशि दी जा सकती है, उसके लिए प्रयास किया जा रहा है। 15 लाख रुपए मुआवजा देने के आश्वासन के बाद परिजन भड़क गए हैं। जयंत साहू के परिवार की तरफ से अजीत साहू ने कहा कि हमारी कुछ ज्यादा डिमांड नहीं है। मृतक की सैलरी के हिसाब से मुआवजे की मांग की गई है। उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनका भरण-पोषण जरूरी है। कंपनी के लोग नहीं आ रहे हैं। समझौता करने के लिए दबाव बना रहे हैं। पुलिस प्रशासन शव लेकर जाने का दबाव बना रहे। जिस प्लांट में हादसा हुआ उसका नाम कुसुम स्मेल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड है। इसकी शुरुआत 11 अगस्त 2020 को हुई थी। इसके डायरेक्टर संदीप अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, विशाल अग्रवाल और यश पोद्दार हैं। इस प्लांट में 350 से अधिक मजदूर काम करते हैं। यहां आयरन से कच्चा लोहा बनाने काम होता है।

ओवरलोड के कारण साइलो का स्ट्रक्चर हिलने लगा था

बताया जा रहा है कि, सालभर पहले शुरू हुए प्लांट में प्रबंधन ने प्रोडक्शन को शुरू करने में हड़बड़ी की है। बिना ट्रायल 20 दिन पहले ही साइलो को इंस्टॉल किया गया। इंस्टॉल भी कमजोर स्ट्रक्चर पर करने की बात सामने आई है। साइलो इंस्टॉल करने के बाद बताया गया कि इसमें खराबी भी आई लेकिन फिर भी गंभीरता नहीं दिखाई गई। ओवरलोड के कारण साइलो का स्ट्रक्चर हिलने लगा था। इसे गुरुवार दोपहर क्रेन से ठीक किया जा रहा था, तभी हादसा हो गया। इसी के नीचे सुपरवाइजर समेत कुछ कर्मचारी दब गए।

प्रबंधन की लापरवाही

हादसे के बाद कलेक्टर के निर्देश पर उद्योग विभाग के अफसरों ने शुरुआती जांच की, जिसमें मैनेजर और प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है। यहां साइलो में क्षमता से अधिक लोड किया गया था, जिसके कारण हादसा हुआ। जांच रिपोर्ट के आधार पर सरगांव पुलिस ने प्लांट के ऑपरेशन मैनेजर अनिल प्रसाद, इंचार्ज अमित केडिया और प्लांट के प्रबंधकों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

महाकुंभ में भीड़ प्रबंधन पर दिया जा रहा विशेष जोर, यहां 5 वज्र वाहन और 5 एंटी सेबोटाज टीम की भी की जाएगी तैनाती

इस बार विशाल मेले में नहीं हो सकेगी किसी तरह की 'मनमानी' जमीन से आकाश तक रहेगी ड्रोन के साथ पुलिस की निगहबानी

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

दिव्य और भव्य महाकुंभ को सुरक्षित महाकुंभ बनाने सभी प्रवेश मार्गों पर नाकाबंदी कर दी गई है। महाकुंभ के प्रवेश मार्ग पर ड्रोन से निगरानी की जाएगी। साथ ही 5 बज्र वाहन और 5एंटी सबोटाज की टीम को भी तैनात किया गया है। सिविल पुलिस के अलावा ट्रैफिक पुलिस के जवान भी लगातार पेट्रोलिंग करेंगे। ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए यातायात को सुगम बनाए रखा जा सके। मेला क्षेत्र में स्नानार्थियों के आगमन के लिए सात मार्ग निर्धारित किए गए हैं। इसमें जौनपुर, वाराणसी, मीरजापुर, रीवा, कानपुर-फतेहपुर, कौशांबी और लखनऊ-प्रतापगढ़ मार्ग हैं। इन सभी मार्गों का आठ जिलों से संपर्क है। ऐसे में प्रयागराज कमिश्नरेट के अलावा दूसरे जनपदों के पुलिस अधिकारियों से समन्वय बनाकर सुरक्षा, यातायात, भीड़ प्रबंधन पर जोर दिया जा रहा है। हाईवे पर पड़ने वाले पुलिस थानों पर पहले ही मेडिकल सहित दूसरी सुविधाओं की व्यवस्था कर दी गई है। इस तरह पुलिस ने जमीन से आकाश तक सुरक्षा तय की है। यहां किसी तरह की मनमानी की किसी की खैर नहीं।

13 को है पहला स्नान

सोमवार को मकर संक्रांति का पहला मुख्य स्नान पर्व है, लेकिन श्रद्धालुओं और कल्पवासियों का आगमन अभी से आरंभ हो गया है। अधिकारियों का कहना है कि मेला क्षेत्र के सभी प्रवेश मार्गों पर आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की निगरानी ड्रोन के माध्यम से की जाएगी।

महाकुंभ को सुरक्षित रखने सभी प्रवेश मार्गों पर नाकाबंदी

सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए, कोई भी संदिग्ध दिखा तो खैर नहीं

चेकिंग तेज की

इसके अलावा एआई से युक्त सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जाएगी। बख्तरबंद गाड़ियों पर अत्याधुनिक असलहों से लैस जवान किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम हैं, जो लगातार अगल-अलग मार्गों पर भ्रमणशील रहेंगे। एंटी सबोटाज की टीम भी प्रमुख स्थानों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में संदिग्ध वस्तुओं की जांच करती रहेगी। प्रयागराज की समीपवर्ती जिले में भी बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग तेज कर दी गई है।

संदिग्ध व्यक्तियों पर रखी जा रही नजर

महाकुंभ मेले के सभी प्रवेश मार्गों पर संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की अलग-अलग तरीके से जांच और निगरानी की जा रही है। जोन के सभी जनपद की पुलिस को इसके संबंध में निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं को सड़क मार्ग पर कोई असुविधा न हो, इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। यह बात एडीजी जोन व नोडल महाकुंभ मेला भानु भास्कर ने कही है।

महाकुंभ में ये भी नजारा

41 साल से मौन, फिर भी आईएएस-आईपीएस की फ्री कोचिंग दे रहे ये 'चाय वाले बाबा'

प्रयागराज के महाकुंभ में जहां देशभर से साधु-संतों का जमावड़ा है, वहीं संगम तट पर लगे एक टेंट में कुछ अलग ही नजारा देखने को मिलता है। महोबा के रहने वाले पायाहारी मौनी बाबा के टेंट में साधुओं से ज्यादा छात्र नजर आते हैं। ये छात्र बाबा से सिविल सेवा परीक्षाओं की कोचिंग लेते हैं। बाबा पिछले 41 सालों से मौन हैं और केवल चाय पर जीवित हैं। यह ऊर्जा और समर्पण की प्रेरणा है।

मौन और तपस्या का अद्वितीय संकल्प

मौनी बाबा ने 41 साल पहले मौन व्रत धारण किया और उसी के साथ अन्न-जल का भी त्याग कर दिया। वे सिर्फ दूध वाली चाय पर निर्भर हैं और दिनभर में करीब 10 बार चाय पीते हैं।

बाबा यह शिक्षा बिना बोले दे रहे: बाबा सिविल सेवा और प्रदेश पीसीएस की तैयारी कर रहे छात्रों को मुफ्त में कोचिंग देते हैं। वे शिक्षा बिना बोले देते हैं। वे छात्रों को पढ़ाने के लिए नोट्स तैयार करते हैं और उन्हें वॉट्सएप के जरिए भेजते हैं।

जूना अखाड़े के फैसले पर 13 वर्षीय राखी के पालक बोले

हमें क्या पता था...

हम तो इस बात से खुश महंत कौशल निष्कासित

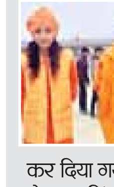

आगरा जिले के गांव टरकपुरा की राखी जूना अखाड़े की दीक्षा लेकर साध्वी बन गई है। वहीं 13 वर्ष की नाबालिग को साध्वी बनाकर दान के रूप में प्राप्त करने वाले जूना अखाड़े के महंत कौशल गिरि को 7साल के लिए अखाड़े से निष्कासित कर दिया गया है। अब राखी के 65 वर्षीय दादा रोहतान सिंह धाकरे ने कहा कि हम तो खुश इसलिए हैं क्योंकि अभी इसकी उम्र नहीं है, इस काम के लिए। हमें इसका पता नहीं था।

वापस घर भेजा गया

इसके साथ ही राखी को वापस घर भेज दिया गया। वहां राखी को नया नाम गौरी गिरी महारानी दिया गया। वे परिजनों के साथ मथुरा के गोकुल आ गईं। राखी परिवार की सबसे बड़ी बेटी हैं। दूसरी बेटी निक्की 7 साल की है।

मुख्यमंत्री योगी ने बढ़ाई सुविधाएं ›संगम स्नान के लिए प्रदेश के सभी जिलों से चलेंगी बसें

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को संगम स्नान के लिए प्रदेश के सभी जिलों से बसें चलाने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ बैठक में महाकुंभ को लेकर यूपी रोडवेज द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पूरे महाकुंभ अवधि हेतु सभी जनपदों से प्रयागराज हेतु बसों का संचालन किया जाए, साथ ही बसों के संचालन से संबंधित समय सारणी का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्नान पर्वों के अतिरिक्त भी पूरी महाकुंभ अवधि में सभी जनपदों से बसों का संचालन प्रयागराज के लिये होना चाहिए। श्रद्धालुओं को यात्रा में कोई समस्या न हो, इसे सुनिश्चित किया जाए।

प्राइवेट बसें श्रद्धालुओं से निर्धारित किराया से अधिक न वसूलें

योगी ने निर्देश दिए कि मादक पदार्थों का सेवन किसी भी बस चालक परिचालक द्वारा नहीं किया जाना चाहिए। प्राइवेट बसों के लिए यह सुनिश्चित किया जाए कि न तो निश्चित किराया से ज्यादा किराया लिया जाए न ही निश्चित क्षमता से अधिक ओवरलोडिंग हो।बैठक में परिवहन मंत्री, प्रमुख सचिव परिवहन, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं एमडी परिवहन की उपस्थिति रही। संगम स्नान के लिए यूपी रोडवेज द्वारा 7,000 बसें चलाई जाने की तैयारी है।

खबर संक्षेप

योगी का सिर कलम करने की धमकी, माफी मांगी

बरेली। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिर कलम करने की धमकी देने के आरोपी मेहनाज उर्फ फैज को प्रेमनगर थाना पुलिस ने शुक्रवार रात गिरफ्तार कर लिया। वह रातभर हवालात में रहा। पुलिस ने शनिवार को उसे कोर्ट में पेश किया। हवालात से निकलते मेहनाज का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह हाथ जोड़कर हवालात से लंगड़ाते हुए चलते दिख रहा है। वह यह कहते सुना जा रहा है कि गलती हो गई साहब... माफ कर दो। वह सबका सम्मान करेगा। अब कभी सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट नहीं डालेगा।

अल्लू अर्जुन को मिली विदेश यात्रा की छूट

हैदराबाद। यहां के नामपल्ली कोर्ट ने अभिनेता अल्लू अर्जुन को 'पुष्पा 2' फिल्म की प्रीमियर के दौरान हुई भगदड़ मामले में कई राहतें दी हैं। अभिनेता को पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में वह जमानत पर रिहा हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अल्लू अर्जुन को चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में हर रविवार को हाजिरी लगाने से छूट दी गई है। उनके कानूनी टीम ने सुरक्षा कारणों से अदालत में इसका अनुरोध किया था। इसके अलावा उन्हें विदेश यात्रा की अनुमति भी मिल गई है।

आप विधायक गोयल को पुलिस ने थमाया नोटिस

नई दिल्ली। अवैध बांग्लादेशियों को दिल्ली में शरण देने के मामले में रिठाला से पार्टी विधायक महेंद्र गोयल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली पुलिस ने उन्हें नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब किया है। अवैध बांग्लादेशियों के पास से जो दस्तावेज बरामद किए गए हैं, उन पर विधायक महेंद्र गोयल के हस्ताक्षर पाए गए हैं। उनके नाम की मुहर भी लगी है। अब पुलिस उनसे इस मामले में पूछताछ करेगी। इसके पहले भी आप पर अवैध घुसपैठ पर कई आरोप लग चुके हैं। चुनाव में इसका मुद्दा काफी गरमाया हुआ है।

गृह मंत्री शाह नई दिल्ली में झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन में बोले

ये दोनों जहां भी जाते हैं, उन्हें शराब की बोतलें दिखाई देती हैं, 5 को आप दा मुक्ति दिवस होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच जुबानी जंग बढ़ी

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे-पैसे भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा जा रही है। इस बीच शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री और सीनियर बीजेपी नेता अमित शाह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

केजरीवाल आज आप पार्टी के लिए आपदा बन गए हैं। जहां जहां मनीष सिसोदिया और केजरीवाल जाते हैं उन्हें शराब की बोतल दिखाई देती है। झूठ बोलने वाली सरकार से लोगों को मुक्ति मिलने वाली है। झुग्गी बस्सी के प्रधानों से शाह ने कहा कि मैं आज यहां आपको ये कहने के लिए आया हूं कि आप दिल्ली के मुक्तिदाता बन सकते हैं। आप दिल्ली को कई सारी आपदाओं से मुक्त करा सकते हैं और मेरी बात गांठ बांध कर जाना- 5 फरवरी... दिल्ली का आप-दा से मुक्ति का दिन है।

केजरीवाल सिसोदिया पर हमला, ये आप के लिए आपदा

दिल्ली विधान सभा चुनाव की सरगर्मी

झुग्गी बस्सी के प्रधानों से कही ये बातें

झुग्गी बस्ती की समस्याओं को घोषणा पत्र में करेंगे शामिल

शाह ने कहा कि आपके एक-एक दुख-दर्द का इलाज हमारे घोषणा पत्र में होगा और भाजपा का घोषणा पत्र पत्थर का लकीर होगा। उन्होंने कहा कि पूरा देश कहां से कहां पहुंच गया दिल्ली वाले वहीं के वहीं रह गए। केजरीवाल ने दिल्ली को नर्क बनाने और झुग्गी वालो को झांसा देने का काम किया है। यमुना नदी और अन्ना को झांसा दिया है। दिल्ली में चुनाव है और पंजाब वाले आकर कह रहे है कि इसका भरोसा मत करना। पंजाब को भी झांसा देने का काम किया है। केजरीवाल जेल में जाकर भी इस्तीफा न देने वाले इकलौते मुख्यमंत्री हैं। यमुना में डुबकी केजरीवाल लगाएंगे क्या जो उन्होंने वादा किया था?

केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की

बिधूड़ी को तहेदिल से बधाई

दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का दौर जारी है। शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा पर तंज कसा। केजरीवाल ने कहा कि चुनाव में सब लोग जानना चाहते हैं कि किस पार्टी का कौन मुख्यमंत्री का उम्मीदवार होगा? हमारी पार्टी ने तो निर्णय लिया है कि केजरीवाल हमारे सीएम होंगे। मुझे सूत्रों से पता चला है कि दिल्ली के सीएम पद के लिए भाजपा ने रमेश बिधूड़ी के नाम पर मुहर लगाई है। पार्टी एक-दो दिन में नाम का औपाचारिक ऐलान कर देगी। मैं तहे दिल से उन्हें मुबारकबाद देना चाहता हूं।

कैग रिपोर्ट से 'आप' कठघरे में

नई शराब नीति से खजाने को 2,026 करोड़ का हुआ नुकसान

दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने विवादित आबकारी नीति बनाते समय नियम-कायदों को नजरअंदाज कर दिया, जिससे सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। यह खुलासा शनिवार को सार्वजनिक हुई कैग (सीएजी) की रिपोर्ट में हुआ। यह रिपोर्ट दिल्ली में 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आई है। इसमें बड़े घोटालों का खुलासा हुआ है, जैसे – कीमत तय करने में पारदर्शिता की कमी, लाइसेंस जारी और नवीनीकरण में नियमों का उल्लंघन, गड़बड़ियां करने वालों को दंडित न करना और उपराज्यपाल, कैबिनेट या विधानसभा से मंजूरी न लेना। लाइसेंस देने से पहले कंपनियों की वित्तीय स्थिति को जांचा नहीं गया। घाटे में चल रही कंपनी को भी लाइसेंस दे दिया गया। इसमें कई अनिमियतताएं की गईं और बंदरबांट हुई।

छूट से 941 करोड़ रुपए की हानि

रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने जो रिटेल शराब लाइसेंस छोड़े गए थे, उनके लिए फिर से टेंडर नहीं निकाला, जिससे खजाने को लगभग 890 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।जोनल लाइसेंसधारियों को दी गई छूट से 941 करोड़ का और नुकसान हुआ। कोविड प्रतिबंधों के आधार पर जोनल लाइसेंसधारकों को 144 करोड़ रुपये की लाइसेंस शुल्क छूट दी गई, जिसके परिणामस्वरूप सरकार को राजस्व की हानि हुई। सुरक्षा जमा राशि को सही तरीके से नहीं वसूला गया जिससे 27 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ।

राउत ने इंडी गठबंधन की निकाली हवा

भाजपा उद्धव गुट फिर होंगे साथ! गठबंधन की गुंजाइश खत्म नहीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति से बड़ी खबर है, जो इंडिया गठबंधन पर पानी फेर सकती है। उद्धव गुट ने ऐलान कर दिया है कि वे बीएमसी और दूसरे निकाय चुनाव में अकेले ही लड़ने वाले हैं। राउत ने साफ कहा कि इंडिया गठबंधन और एमवीए तो सिर्फ विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए है। उद्धव ने ऐसे संकेत दे दिए हैं कि अकेले ही चुनाव लड़ना चाहिए। उद्धव ने कहा है कि भविष्य में भाजपा के साथ भी फिर गठबंधन हो सकता है। राजनीति में कोई परमानेंट दुश्मन नहीं होता। नीतीश भी भाजपा के साथ वापस चले गए, ऐसे में राजनीति में कुछ भी हो सकता है। राउत ने कहा कि देखिए राजनीति में कुछ भी संभव है, न कोई परमानेंट दोस्त रहता न ही दुश्मन। नीतीश भी तो भी भाजपा के खिलाफ थे, लेकिन अब साथ आ चुके हैं। राउत ने कहा कि फडणवीस के आने से पहले से भाजपा और शिवसेना साथ थे। सेना तो भाजपा की सबसे भरोसेमंद दोस्त थी। लेकिन भाजपा ने हमे लात मारी, लेकिन मैं मानता हूं कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है।

यूजीसी के सुझाव और निर्देश

गरिमा बढ़ाने रिसर्च सेल से जोड़े जाएं रिटायर्ड वैज्ञानिक, प्रोफेसर

नई दिल्ली। विश्वविद्यालयों सहित देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में मौजूद रिसर्च सेल को सशक्त बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कुछ और अहम कदम उठाए हैं। इसमें इन प्रकोष्ठों की गरिमा को बढ़ाने के लिए संस्थान से निकले अवकाश प्राप्त वैज्ञानिकों व प्रोफेसर्स को जोड़ने के निर्देश दिए है। यूजीसी का मानना है कि इस पहल से देश की नई पीढ़ी को न सिर्फ शोध से जुड़ी गतिविधियों से जोड़ने में मदद मिलेगी बल्कि बड़े शोध कार्यों के लिए भी उन्हें निखारा जा सकेगा। यूजीसी ने इन्हें मेंटर के रूप में उच्च शिक्षण संस्थानों से जोड़ने का सुझाव दिया है। उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने जुटी यूजीसी ने यह पहल ऐसे समय की है, जब विश्वस्तरीय रैंकिंग में जगह बनाने के लिए संस्थानों की शोध में भागीदारी जरूरी है।

कन्नौज स्टेशन पर निर्माणाधीन लिंटर गिरा

46 मजदूर मलबे में दबे, 23 मजदूरों को निकाला, 3 गंभीर

एजेंसी ▶▶ कन्नौज

जिले में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन का लिंटर भरभरा कर गिर गया। इसमें 46 मजदूर मलबे के नीचे दब गए। 23 मजदूरों को निकाला जा चुका है। 20 मजदूरों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 3 मजदूरों को गंभीर हालत में पीजीआई लखनऊ रेफर किया गया है। कुछ मजदूर और दबे होने की आशंका है। पुलिस और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। मंत्री असीम अरुण भी मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने उपचार व बचाव कार्य के लिए निर्देशित किया है। 12 एंबुलेंस पहुंच गई हैं। नपा के 50 कर्मचारी बचाव कार्य में जुटे हैं। डीआईजी भी पहुंचे। एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। घटना की जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। जांच टीम में मुख्य इंजीनियर/प्लानिंग एवं डिजाइन, अपर मंडल रेल प्रबंधक हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण देशभर में मौसम का मिजाज बदला

चक्रवाती परिसंचरण से होगी बारिश और बर्फबारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आने वाले कुछ दिनों तक उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में ठंड और बढ़ेगी तो दक्षिण भारतीय राज्यों में बारिश होगी।आईएमडी के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण दक्षिण-पूर्व ईरान और आस-पास के इलाकों में साइक्लोन सर्कुलेशन (चक्रवाती परिसंचरण) बन रहा है। एक और साइक्लोन सर्कुलेशन दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और आस-पास के इलाकों में बना हुआ है। इससे पश्चिमी विक्षोभ के साथ पश्चिमी हवाएं और निचले स्तर पर पूर्वी हवाएं चल सकती हैं। 12 जनवरी को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में हल्की से मध्यम वर्षा या बर्फबारी हो सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

कोहरे को लेकर आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

कई राज्यों में हल्की- मध्यम बारिश की संभावना

ट्रेन और विमान सेवाएं हो रहीं प्रभावित

24 घंटों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में हल्की से मध्यम बारिश हुई, लक्षद्वीप में भी हल्की बारिश रिकॉर्ड की गई। उत्तर भारत के पंजाब, दिल्ली और पश्चिम मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा देखा गया। पंजाब में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है।उत्तर और पूर्वी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर मध्य प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

कोहरे और शीतलहर का कहर बढ़ेगा

देश के कई हिस्सों में घने कोहरे और शीतलहर का कहर जारी है। यूपी में घना कोहरा रहा। कन्नौज में घने कोहरे और शीतलहर का कहर जारी है। इससे दृश्यता बहुत कम हो गई है। इसका कहर फिलहाल कम होता नहीं दिख रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश, बढ़ी ठिठुरन

दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को कई इलाकों में बारिश हुई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज हुई है और ठंड बढ़ गई है। सुबह से ही दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में शीत लहर चल रही है।लोगों को भारी कोहरे का सामना करना पड़ा। राजधानी और आस-पास के इलाकों में दो दिन के लिए बारिश का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया गया है। शनिवार और रविवार कोहल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया था। घना कोहरा छाया रहेगा।

दुनिया याद रखेगी ये अनोखा काम! कारोबारी ने बेटी की सगाई में किया कुछ ऐसा...सब हैरान

राजकोट। राजकोट के जाने-माने व्यवसायी और परोपकारी मौलेशभाई उकानी ने अपनी बेटी की सगाई को यादगार बनाने के लिए एक खास योजना बनाई है। उनकी बेटी की सगाई 11 जनवरी को होनी है। इस खास मौके के लिए उन्होंने 12.5 एकड़ के क्षेत्र में 'वृन्दावन धाम' की स्थापना की है, जो ईश्वरीय द्वारकाधीश फार्म, कालवाड रोड पर स्थित है। सगाई में आने वाले प्रत्येक मेहमान के नाम पर एक पेड़ लगाया जाएगा। मौलेशभाई ने बताया कि करीब 5000 मेहमान इस आयोजन में शामिल होंगे और प्रत्येक मेहमान के नाम का एक पेड़ लगाया जाएगा। पेड़ों पर मेहमानों के नाम लिखे जाएंगे और उनकी देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाएगा। हर तीन महीने में पेड़ों की वृद्धि की रिकॉर्डिंग की जाएगी और इसकी जानकारी संबंधित मेहमानों को भेजी जाएगी।

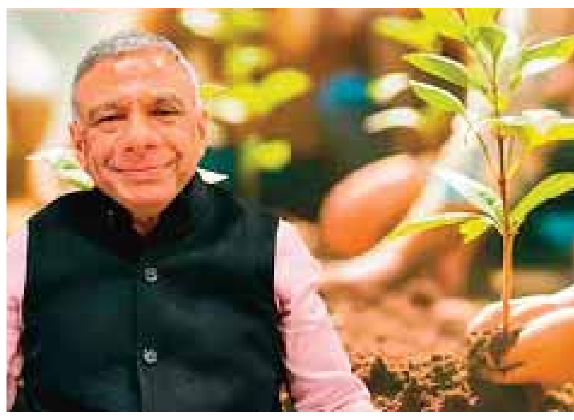

पर्यावरण बचाने का अनूठा संदेश

मौलेशभाई ने बताया कि पेड़ लगाना सिर्फ एक रिवाज नहीं है, बल्कि पर्यावरण बचाने की दिशा में एक छोटी सी कोशिश है। उन्होंने कहा, 'जीवन में अच्छे और बुरे पल आते रहते है। यदि हम हर खास मौके पर एक पेड़ लगाएं, तो पर्यावरण को बचाने में मदद मिलेगी। यदि गुजरात का हर व्यक्ति ऐसा सोच ले, तो सालभर में 25 करोड़ पेड़ लगाए जा सकते है। अगले पांच साल में यह संख्या 125 करोड़ तक पहुंच सकती है, और गुजरात स्वर्ग बन सकता है।'

नाथद्वारा से आएगी ध्वजा

मौलेशभाई, जो बैन लैब के प्रबंध निदेशक और उमियाधाम सिदसर के अध्यक्ष हैं, ने बताया, 'राजकोट के नाथद्वारा से 7-9 जनवरी के बीच ध्वजा लाई जाएगी, जिसे वृन्दावन धाम में आरोहित किया जाएगा। यह धजा हर किसी के लिए आकर्षण का केंद्र होगी।'

समाज को दिया जागरुकता का संदेश

मौलेशभाई उकानी ने समाज और पर्यावरण के उत्थान की दिशा में यह पहल की है। उनकी यह सोच न केवल उनकी बेटी की सगाई को यादगार बनाएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम भी है।

समाजसेवा का आदर्श उदाहरण

मौलेशभाई ने अपनी बेटी की सगाई के जरिए पर्यावरण संरक्षण और समाज को जागरूक करने का जो प्रयास किया है, वह सचमुच सराहनीय है। यह पहल न केवल शादी और सगाई जैसे खास मौकों को अनोखा बनाने का उदाहरण है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा भी है।

पतंजलि विश्वविद्यालय में चतुर्थ संस्थागत स्वर्ण शलाका प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

- शास्त्र संरक्षण से विश्व में होगा सनातन का प्रसार : स्वामी रामदेव
- हम शास्त्रों का अनुसरण करें तो शास्त्र हमारा संरक्षण और संवर्धन करेंगे : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में मानविकी एवं प्राच्यविद्या संकाय के अंतर्गत दर्शन एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चतुर्थ संस्थागत स्वर्ण शलाका प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने कहा कि शास्त्रों की परंपरा को आत्मसात कर योग मार्ग, वेद मार्ग, ऋषि मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि पुरुषार्थ ज्ञान एवं भक्तियुक्त होना चाहिए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि हम शास्त्रों का अनुसरण करें तो शास्त्र हमारा संरक्षण और संवर्धन करेंगे। शास्त्र स्मरण से सनातन परंपरा के संरक्षण में पतंजलि विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। भारतीय संस्कृति और सनातन गौरव शास्त्रों के माध्यम से ही आज तक अक्षुण्ण है। चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण तथा विश्व बंधुत्व और विश्व शांति के लिए शास्त्रों की परंपरा अत्यंत कल्याणकारी है। इस प्रक्रिया में पतंजलि विश्वविद्यालय पूर्ण दृढ़ता और मनोयोग के साथ कार्य कर रहा है। स्वर्ण शलाका प्रतियोगिता की मुख्य संयोजिका प्रो. साध्वी देवप्रिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 475 छात्र-छात्राएँ भगवद्गीता, षड्दर्शन, उपनिषद, पंचोपदेश और नीतीशतकम, घेरंड संहिता, हठयोग प्रदीपीका आदि शास्त्रों को स्मरण कर प्रतिभाग कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता में विजेताओं को लाखों रुपए के पारितोषिक का प्रावधान किया गया है।

इस कार्यक्रम में प्रति कुलपति डॉ. मयंक अग्रवाल, डॉ. सत्येंद्र मित्तल, डॉ. के.एन.एस.यादव, कविराज डॉ. मनोहर लाल आर्य, डॉ. विजयपाल शास्त्री, कुलानुशासक स्वामी आर्षदेव, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव, योग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. ओमनारायण तिवारी, संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण डॉ. बिपिन दूबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. ए.के. सिंह, उप-कुलसचिव डॉ. निर्विकार, दर्शन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सांवर सिंह, आचार्य बद्रीनाथ बल्लारी एवं समस्त प्राध्यापकगण और छात्र-छात्राएं आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. गौतम और संयोजन स्वामी ईशदेव ने किया।

चमत्कारी नदी! जीरो डिग्री तापमान में भी खौलता है इसका पानी

रांची। झारखंड को प्रकृति ने बड़े खूबसूरती से नवाजा है, यहां कई ऐसी खूबसूरत जगहें हैं जो पहली नजर में आपको दीवाना बना देंगी साथ ही इसे देखकर आप अचंभित भी हो सकते हैं, आज हम आपको ऐसी ही एक जगह के बारे में बताने जा रहे है। इस नदी का पानी जीरो डिग्री में भी खौलता रहता है। झारखंड को प्रकृति ने बड़ी खूबसूरती से नवाजा है। यहां कई ऐसी जगहें हैं जो पहली नजर में आपको अचंभित कर सकती है। ऐसी ही एक जगह है लातेहार, जो पर्यटन के लिहाज से काफी पॉपुलर है। लातेहार जिले के सदर प्रखंड की हेठपोचरा पंचायत के जारम गांव में स्थित ततहा झरना है। जहां की गर्म जल स्रोत है। जिसकी दूरी पलामू जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर है। बता दें कि इस नदी के 50 मीटर में पानी हमेशा गर्म रहता है।

चर्म रोग के लिए है औषधि

ऐसे पहुंच सकते हैं ततहा नदी

ततहा नदी अगर आप आना चाहते हैं तो लातेहार जिले के बरवाडीह स्टेशन से उतर कर पहुंच सकते हैं। यहां आप निजी वाहन से भी आ सकते हैं। पलामू जिला मुख्यालय से अगर आप यहां आना चाहते हैं तो मेदिनीनगर शहर से एनएच39 से दुनियाखांड के रास्ते बरवाडीह होकर पहुंच सकते हैं। जहां बरवाडीह से मंडल डैम के रास्ते में 27 किलोमीटर दूर झरना गांव से दाई ओर 3 किलोमीटर दूरी तय कर पहुंच सकते हैं।

कड़ाके की ठंड में लोग करते हैं स्नान

स्थानीय निवासी गणेश कुमार ने बताया कि यहां नए साल में दूर-दूर से लोग पिकनिक मनाने आते है। वहीं, यहां के पानी में स्नान करने से चर्म रोग की समस्या दूर होती है। इस पर्यटक स्थल की ख्याति स्थानीय स्तर पर बेहद अधिक है। कड़ाके की ठंड में भी लोग यहां स्नान करते हैं। हरही पहाड़ी के नीचे ततहा नदी है। जहां कई ऐसे स्रोत है, जहां का पानी हमेशा गर्म रहता है। मकर संक्रांति के अवसर पर यहां मेले का आयोजन होता है। जहां कड़ाके की ठंड में लोग स्नान करने का आनंद लेते है। लोग बताते हैं कि यहां के पानी में औषधि गुण होते है।जिस कारण यहां स्नान करने से चर्म रोग की समस्या दूर होती है।

लग्जरी लाइफ जी रहे इस शहर के ऊंट, पीते हैं दूध-घी, खाते हैं काजू-बादाम

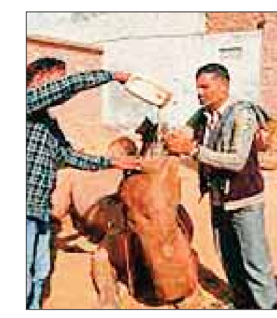

बीकानेर। कहते हैं कि ऊंट के मुंह में जीरा, लेकिन यह कहावत अब ऊंटों के लिए नहीं रही है, बल्कि अब ऊंटों के मुंह में दूध, घी, तेल और काजू, बादाम है। सुनने में भले अजीब लग रहा हो, लेकिन बीकानेर में इन दिनों ऊंटों की मौज हो रखी है। यहां ऊंट सर्दियों में स्पेशल डाइट प्लान पर है। सर्दी के अलावा अंतरराष्ट्रीय कैमल फेस्टिवल का मौका भी है। इस फेस्टिवल को लेकर कई ऊंट पालक अपने ऊंट को अच्छा दिखने और स्टेमिना बढ़ाने के लिए ऊंटों को चारा के अलावा गाय का देशी दूध, घी और काजू, बादाम दे रहे हैं, जिससे ऊंट काफी अच्छे दिखे।

ऊंट पालक समीर खान ने बताया कि हमारा परिवार करीब तीन पीढ़ियों से ऊंट पालक का काम कर रहा है। ऊंट को काफी समय से तैयार कर रहे हैं। यहां ऊंट को स्पेशल डाइट दे रहे हैं। सुबह और शाम 10 किलो मोठ और मूंगफली का चारा देते हैं। पिछले एक से डेढ़ माह ऊंट को दूध, घी दे रहे हैं। रोजाना सुबह और शाम ऊंट को 2 किलो दूध, 300 ग्राम घी दे रहे हैं।

व्हीलचेयर पर घूम लिए 14 देश, शख्स ने कर दिखाया असंभव काम!

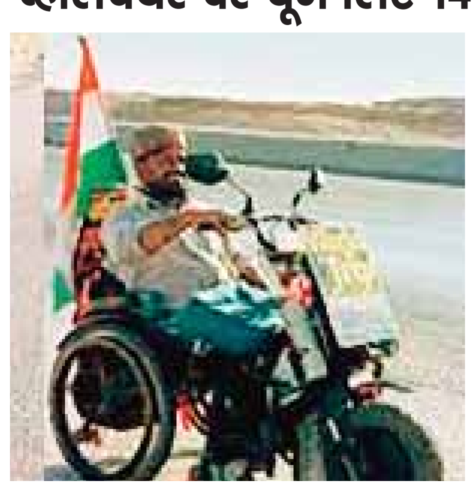

नई दिल्ली। भारत के लोग हर परिस्थिति में हिम्मत रखना और जिंदगी को ऊर्जा के साथ जीना जानते हैं, इसी वजह से वो पर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हैं। भारतीय लोग अपनी कमजोरी को ताकत बनाना भी जानते हैं। इस बात का सबूत है भारत का एक ये शख्स, जो अपाहिज है, पर उसके जज्बे को पंख लगे हैं और वो उसके भरोसे दुनिया के मुश्किल से मुश्किल कामों को भी आसानी से कर जाता है।अब इस शख्स ने एक अनोखा काम किया है, जो दूसरों के लिए असंभव लगता है। इस शख्स ने व्हीलचेयर पर बैठकर 14 देशों की यात्रा कर ली। बिना किसी के सहारे उसने इस कीर्तिमान को हासिल किया है। शख्स का नाम हसन इमाम है। एक वेबसाइट के मुताबिक हसन, बिहार के गया से हैं और दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। वो भारत के पहले अपाहिज सोलो ट्रैवलर हैं।

जनजातीय विवि मप्र के छात्र-छात्राएं हरियाणा रवाना

जबलपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में 11 जनवरी को युवा संगम फेस 5 के लिए पूरे मध्य प्रदेश के छात्र और छात्राएं IGNTU में आए हुए थे।बच्चो का ये दल सांस्कृतिक सह शैक्षणिक भ्रमण के लिए हरियाणा राज्य हेतु केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा जाएगा। इन बच्चों के साथ IGNTU के प्राध्यापक एवं अधिकारी गण साथ रवाना हुए।बच्चे इन 6 लोगो के दिशा निर्देशन में रहेंगे, इनमें सह आर्चाय मनोज कुमार पांडेय,सहायक आचार्य हिमांशी वर्मा,सहायक आचार्य सुश्री अचून,सह आर्चाय हनी सुनील विन्चू और प्रशासनिक अधिकारियों में संजीव कुमार सिंह और अखिलेश कुमार सिंह भी जायेगे।कार्यकारी कुलपति प्रोफेसर ब्योमकेश त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखा कर प्रतिनिधि मंडल को हरियाणा राज्य के लिए रवाना किया।

राशिफल

मेष — वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष — आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

दिव्य और भव्य उत्सव, हर ओर गूंज रही रामधुन

अयोध्या। अयोध्या में राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर पूरे देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। तीन दिवसीय समारोह शनिवार को यजुर्वेद के पाठ और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रामलला की मूर्ति के अभिषेक के साथ शुरू हुआ। हजारों लोग निकटवर्ती एवं दूर-दूर से शहर में आ चुके हैं, तथा 11 से 13 जनवरी के बीच तीन दिनों तक आयोजित सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों को देखने के लिए मंदिर परिसर की ओर जा रहे हैं। राममंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने बताया, अयोध्या पूरी तरह से भगवान राम की भक्ति में सराबोर है। अयोध्या में राममंदिर में हर रोज उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ भगवान राम के प्रति अपार आस्था दर्शाती है। राममंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ का मतलब यह भी है कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोग भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अत्यंत प्रसन्न हैं। वे भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पूरे उत्साह के साथ मना रहे हैं।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
ब्राह्मण एकाकी अधिकारी (कानूनी तलाक प्रतीक्षित) को 40वर्ष तक की (केवल घरेलू) मित्रवत एकाकी लड़की/ महिला जीवनसाथी चाहिए (अविवाहित, विधवा को प्राथमिकता) स्वयं फोन करें
7587724442

वर चाहिए
वर चाहिए- उम्र 37 वर्ष हाईट 5'-5" शासकीय सेवा अन्य उच्च वर्ग भी सम्पर्क कर सकते है शीघ्र विवाह दहेज रहित जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें व्हाट्सएप नम्बर 96910 30082 (2490)

आवश्यकता
आवश्यकता है- पेंसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8240426971 (रायपुर /14 /जनवरी 25)

आवश्यकता है - जरूरतमंद लोग की आयुर्वेदिक कंपनी में दवा पैक करने के लिए संपर्क करें शिक्षित/बेरोजगार जरूरतमंद लड़के-लड़कियाँ हाउसवाइफ घर बैठे दवाई पैकिंग करके पार्टटाइम/फुलटाइम 35,500/- से 45,500/- महीना कमाए (जरूरतमंद लोग WHATSAPP या कॉल करें) NOC -2150/- +91 8602999284 (भोपाल /15 /जनवरी 25)

टावर - सरकारी मान्य कंपनी द्वारा जमीन खेत प्लॉट पर 5g टावर लगवा कमाएं 30 से 60 लाख एडवांस 45000 किराया +नौकरी जमीनी कागज नक्शा ऑफिस लाएं या घर बैठे ऑनलाइन सर्वे पास कराएं 9407780635, 8319401203 (भोपाल/ 12 /जनवरी 25)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

शब्द पहेली - 5745

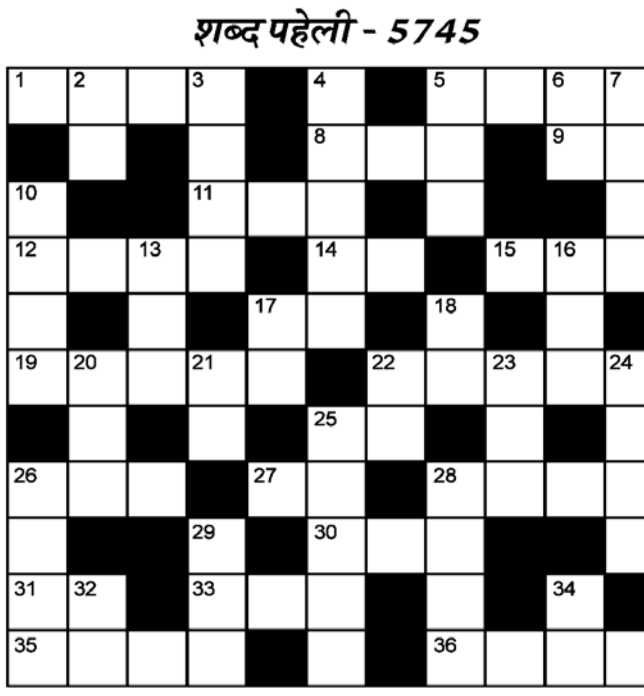

बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली- 5744 का हल

■	सो	नि	या	गां	धी	■	म	हा	न	ता
खा	ना	■	प	■	र	क्ष	क	■	म	ल
ना	■	म	न	सि	ज	■	र	ग	■	मे
ब	ला	त	■	■	वा	दा	■	म	ह	ल
दो	■	दा	■	क	ला	■	आ	■	व	■
श	य	न	क	क्ष	■	दि	शा	ही	न	ता
■	म	■	प	■	ह	ल	■	न	■	क
का	ज	ल	■	शा	म	■	■	त	ह	त
म	■	त	य	■	व	फा	दा	र	■	व
चो	र	■	की	म	त	■	म	■	का	र
र	म	जा	न	■	न	य	न	ज	ल	■

सूडोकु नवताल- 5756

★★★☆☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5755 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

कल से त्रिवेणी संगम की पुण्यस्थली प्रयागराज में महाकुंभ का महायोजन आरंभ हो रहा है। अनुमान है इस बार इसमें देश ही नहीं दुनिया भर से करोड़ों लोग सम्मिलित होंगे। धर्म, आस्था और संस्कृति के इस आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा की दिव्यता और भव्यता की छटा आपको आलौकिक अनुभूति से ओत-प्रोत कर देगी। इसकी विराटता और सांस्कृतिक महत्ता पर एक विहंगम दृष्टि।

प्रयागराज महाकुंभ-2025

धर्म-आस्था-संस्कृति का महायोजन

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

अगर आप बचपन से ही अपनी परवरिश के दौरान महाकुंभ के किस्से सुनने के आदी रहे हैं, तो यकीन मानिए पहली बार जब आप महाकुंभ के विहंगम दृश्य से दो-चार होंगे, तो स्तब्ध रह जाएंगे। कुछ कहते, सुनते या व्यक्त करते ही नहीं बनेगा। मैंने महाकुंभ पर अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन की यह टिप्पणी पहली बार कुंभ का औचक एहसास करने के बाद पढ़ी थी, इसलिए मैं दंग रह गया था कि यह शब्दशः बिल्कुल वैसी ही टिप्पणी थी, जैसी कि मैंने पहली बार 22 साल की उम्र में महाकुंभ में शामिल होने के बाद महसूस की थी।

विलक्षण दिखता है विहंगम दृश्यः मीलों तक भगवा वसनों में लिपटे साधु-संतों की कतारें, प्रतिध्वनि का एहसास कराते उनके मंत्रोच्चार, जहां तक नजरें देख सकती हैं, वहां तक फैला जन सैलाब, यह एक ऐसा लैंडस्केप होता है, जो कुंभ के अलावा आप कहीं नहीं देख सकते। शायद यही वजह है कि जितने भी विदेशी लेखकों, सैलानियों और विभिन्न क्षेत्रों के महान व्यक्तित्वों ने कुंभ को देखा है, उनके लिए इसका वर्णन अनिवर्चनीय सा रहा है।

विदेशी लेखक-यात्री होते रहे हैं अचंभितः ह्वेनसांग जैसा बेहद तटस्थ चीनी यात्री, जिसने पहली बार 7वीं शताब्दी में भारत का विस्तार से 'फर्स्ट हैंड एकाउंट' दर्ज किया था। वह बेहद तटस्थ और किसी चीज के वर्णन के दौरान भावनाओं को काबू में रखने वाला इतिहासकार भी महाकुंभ को देखकर अचंभित और अभिभूत रह गया था। उसने लिखा है कि धार्मिक भक्ति का यह आयोजन अद्वितीय है।

अमेरिकी कवि और लेखक एलन गिंसबर्ग ने महाकुंभ के अनुभव को व्यक्त न किया जा सकने वाला अद्वितीय अनुभव बताया है। वह कहते हैं, इससे भारतीय संस्कृति की गहराई और आध्यात्मिकता का एहसास किया जा सकता है। मार्क ट्वेन तो पत्रकार भी थे और वह किसी चीज का महिमामंडन करने से बचते थे। अपनी संतुलित रिपोर्टों के लिए पहचाने जाने वाले मार्क ट्वेन ने महाकुंभ को लेकर लिखा है, 'इसमें बिना किसी दिखावे के आध्यात्मिक उद्देश्य से जितनी विशाल संख्या में लोग आते हैं, वह आश्चर्यचकित करती है।'

होती है अभूतपूर्व-अद्वितीय अनुभूतिः शायद महाकुंभ इंसानी भावनाओं और कल्पनाओं को पराकाष्ठा की हद तक झकझोर देने वाला अनुभव होता है। यही कारण है कि एक सामान्य हिंदू बचपन से ही जिसके कानों में महाकुंभ के किस्सों की लंबी स्मृतियां मौजूद होती हैं, वह जब पहली बार साक्षात कुंभ में शामिल होता है तो उसकी विराटता और भव्यता को देखकर रोमांच से अभिभूत हो जाता है, तब वह इस पर कोई टिप्पणी कर सकने की स्थिति में नहीं रहता। महाकुंभ सचमुच बेहद गहन और अद्वितीय अनुभव है। पहली बार महाकुंभ को अपनी आंखों से देखने वाला कोई उससे पहले, उतनी बड़ी भीड़ नहीं देखी होती और वह भी बिल्कुल ठहरी हुई, बिना किसी उग्रता, बिना किसी बेचैनी के श्रद्धा और भक्ति में डूबी हुई। खासकर जब गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होता है, तो वह भावनाओं को तो आह्लादित करता ही है, आंखों को भी आश्चर्य में फैल जाने को मजबूर कर देता है।

दिव्यता-भव्यता की सीमा से परेः महाकुंभ का वातावरण इतना भाव और भक्तिपूर्ण, आध्यात्मिकता से ओत-प्रोत होता है कि उसके वर्णन के लिए सटीक शब्द नहीं मिलते। बस आप भावनाओं की दिव्यता और भव्यता से पुलकित भर होते रहते हैं। अगर कहें कि यह दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मेला है तो यह इसको पूरी तरह से नहीं व्यक्त करेगा। यह इतनी किस्म की भावनाओं का विशाल सम्मेलन है कि जहां सही मायनों में कोई एक एहसास ही नहीं रहता। दिव्यता और भव्यता जैसे शब्द भी इस अनुभूति के सामने फीके पड़ जाते हैं।

कुंभ स्नान की आलौकिक अनुभूतिः जब आप पहली बार कुंभ में डुबकी लगाते हैं, तो पता नहीं वह कौन-सा ऐसा मनोविज्ञान है कि आप बेहद हल्केपन का एहसास करते हैं। लगता है, वाकई शरीर का सैकड़ों मन का बोझ डुबकी लगाते ही पानी में बह गया। कुंभ में स्नान करते ही मन और शरीर एक आलौकिक किस्म की दिव्य ऊर्जा से भर जाता है। महाकुंभ के दौरान आंखों के अनंत छोर तक साधु-संतों को देखना, उनके स्थितप्रज्ञ वचनों को सुनना, जीवन को विराट रहस्य से भर देता है। सामूहिकता का इससे बड़ा एहसास शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो, जितना बड़ा एहसास महाकुंभ में होता है। लगता है महाकुंभ में धर्म और प्रकृति आपस में घुल-मिल गए हों।

दुनिया भर से आते हैं करोड़ों लोगः कार्ल मार्क्स ने धर्म को अफीम कहा था। इसकी क्या वजह थी यह तो पता नहीं पर महाकुंभ के सैलाब में आध्यात्मिकता के एक अदृश्य सुरूर का एहसास होता है। शायद यही वजह है कि हर 12 साल बाद हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक में लगने वाले महाकुंभ में शामिल होने के लिए दुनिया के कोने-कोने से करोड़ों हिंदू तो आते ही हैं, अब लगातार उन विदेशी पर्यटकों की संख्या भी हर गुजरते साल के साथ बढ़ती जा रही है, जो धर्म से ज्यादा इसमें आध्यात्मिकता के पुलक भरे एहसास को महसूस करने के लिए आते हैं।

ऐसे दुर्लभ और अद्वितीय महायोजन की अनुभूति कैसी होगी, इसके लिए हमें स्वयं उसमें सम्मिलित होना होगा, इसकी दिव्यता और भव्यता का स्वयं साक्षात्कार करना होगा। *

हजारों वर्ष पुरानी परंपरा

हालांकि बिल्कुल तथ्यात्मक ढंग से यह कह पाना मुश्किल है कि महाकुंभ की शुरुआत कब हुई? अगर इसके प्रस्थान बिंदु का कुछ अनुमान लगाया जा सकता है, तो वह यह है कि हिंदू धर्म के पौराणिक ग्रंथों में जो समुद्र मंथन की कथा मिलती है, उसी मंथन से निकले अमृत कलश को, दैत्यों से बचाने के लिए जब देवता आकाश मार्ग से भागते हैं तो छीना-झपटी में जिन चार जगहों में अमृत की बूंदें टपक गई थीं, उन्हीं जगहों पर हर 12 साल बाद पूर्ण कुंभ का आयोजन होता है। ये चार जगहें हैं- हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक। जहां तक महाकुंभ के उल्लेख की बात है तो इसका उल्लेख कई हिंदू धर्म ग्रन्थों में मिलता है। भागवत पुराण, विष्णु पुराण, रामायण और महाभारत में कुंभ का वर्णन मिलता है। इससे इतना तो तय है कि कम से कम पांच हजार सालों से तो आध्यात्म का यह मेला निरंतर आयोजित हो रहा है। लेकिन इतने साल होने के बावजूद इसका आकर्षण जरा भी फीका नहीं पड़ा। कुंभ का जादू आज भी उतना ही पुरकशिश है, जैसे जादू के बारे में हम सदियों से लोगों से सुनते आ रहे हैं। शायद इसीलिए सनातन परंपरा का यह आध्यात्मिक आख्यान जिसे हम महाकुंभ कहते हैं, चिर नूतन है।

{ गीत (महाकुंभ विशेष) / डॉ. ओम निश्चल }

मेला सज गया

फिर प्रवासी पक्षियों की
आ गयी बारात
मेला सज गया।
संत साधु आ रहे हैं
दिव्य धुन में गा रहे हैं
राख पोते हुए तन पर
चित को पिघला रहे हैं
धुंध छाई है क्षितिज पर
कंपकंपाती रात
मेला सज गया।
लिए गठरी माथ, पर
अभिभूत दिखते
बोझ बेशक, चित से
अवधूत दिखते
आस्था है बलवती मन में
थिरकता प्रात
मेला सज गया।
यही है वह भूमि
जो निर्धूम यज्ञों से पगी
कल्पवासी जन शिविर में
कर रहे हैं रतजगी
भोर होते डुबकियों के बाद
थरथर गात
मेला सज गया।
पर्णकुटियों-सी सजी है
एक नव नगरी यहां
दीखती श्रद्धालुओं
की साधना गहरी जहां
अभी चूल्हे पर रखा अदहन
गमकता भात
मेला सज गया।
भर गया गंग औ जमन का
देख लो दो-आब
उमड़ आया है यहां पर
एक जन-सैलाब
इस समागम की छटा न्यारी
बाल-बच्चे वृद्ध नर-नारी
साधु-ठग सब साथ
मेला सज गया।
ना कोई न्यौता
किसी का नेह-आमंत्रण
आ रहे हैं उल्लसित हो
भक्त-जन प्रतिक्षण
विश्व का यह महा जनसंगम
पुण्य पाते सभी जड़-जंगम
आम जन हों कि हों अभिजात
मेला सज गया।
आ गयी लो! सांझ की वेला
हथेली पर दिये लेकर
जगमगा उठा समूचा लोक
मंगल कलश सर रख कर
इक चंदोवा तन गया नभ में
रोशनी का भव्य उज्ज्वल माथ
मेला सज गया।

सनातन संस्कृति का महापर्व

मकर संक्रांति

मकर संक्रांति, भारत के सबसे महत्वपूर्ण, पवित्र और सांस्कृतिक पर्वों में से एक है। इसे मनाने के पीछे अनेक धार्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक कारण हैं। यह किसी क्षेत्र विशेष का पर्व नहीं है बल्कि भारत के हर कोने में अलग-अलग नाम और तौर-तरीकों से मनाया जाने वाला महापर्व है।

{ पर्व / आर.सी.शर्मा }

मकर संक्रांति के पर्व में भारत की समूची साझी सनातन संस्कृति के दर्शन होते हैं। शायद यही वजह है कि इसे पंजाब, हरियाणा में लोहड़ी, गुजरात और महाराष्ट्र में उत्तरायण, उत्तर प्रदेश और बिहार में खिचड़ी, दक्षिण भारत में तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में पोंगल, पश्चिम बंगाल में गंगा सागर मेला, असम तथा पूर्वोत्तर में भोगाली बिहू के नाम से जाना जाता है। कर्नाटक, केरल में इसे संक्रांति कहते हैं, जबकि देश के अलग-अलग हिस्सों में संक्रांति के अलावा भी इसके कई स्थानीय नाम लिए जाते हैं। भले ये सब एक ही समय पर मनाए जाने वाले अलग-अलग पर्व हों, लेकिन इन सभी में विराट सनातन संस्कृति के ही दर्शन होते हैं। ये सभी कृषि कर्मों, धार्मिक क्रिया-कलाप और आस्था पर टिके पर्व हैं। भारत के साथ-साथ नेपाल में भी मकर संक्रांति का पर्व पूरी धार्मिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

लोहड़ी का पर्व मनातीं महिलाएं

खगोलीय-वैज्ञानिक कारणः पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, उस दिन को ही मकर संक्रांति कहते हैं, इसी दिन यह पर्व मनाया जाता है। इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर संक्रांति को सूर्य उत्तरायण होता है यानी उत्तर दिशा की ओर उन्मुख गतिमान हो जाता है। वैज्ञानिक तौर पर इसका कारण यह है कि पृथ्वी का निरंतर छह महीने की समयावधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर गतिमान होना होता है, जो एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

अत्यधिक धार्मिक महत्ताः इस पर्व का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन लोग पवित्र नदियों और सरोवरों में स्नान करके भगवान सूर्य को अर्घ्य देते हैं और जो संभव हो दान करते हैं। मकर संक्रांति को पूरे देश में धार्मिक श्रद्धा और उल्लास का माहौल होता है। जहां तक इस दिन किए जाने वाले धार्मिक क्रिया-कलापों की बात है तो इस दिन लोग भगवान सूर्य की पूजा करते हैं। गंगा, यमुना, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। भगवान विष्णु और दूसरे देवताओं की पूजा करते हैं।

दिखती है बहुरंगी सांस्कृतिक छटाः जिन क्षेत्रों में धान और दूसरी खरीफ की फसलें पक चुकी होती हैं, उनकी कटाई इसी पर्व के आस-पास शुरू होती है। विशेषकर पंजाब में इसे नाचने, गाने और उल्लास के पर्व के रूप में इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन से यहां फसलों की कटाई शुरू होती है। पश्चिम भारत विशेषकर गुजरात और राजस्थान में यह दिन पतंगबाजी की मस्ती, मेलों और लोकनृत्यों के आयोजन और उल्लास का पर्व होता है। उत्तर भारत में इस दिन लोग खिचड़ी बनाकर प्रसाद के रूप में बांटते हैं। जरूरतमंद लोगों को इस दिन दान भी देते हैं। दान के रूप में बिना बनी यानी कच्ची दाल और चावल मिली हुई खिचड़ी भी दी जाती है। दक्षिण भारत में इस दिन चार दिनों तक चलने वाला पोंगल पर्व शुरू होता है, यह भी मूलतः फसलों से जुड़ा पर्व है और ठीक इसी तरह बंगाल और पूर्वोत्तर में भोगाली बिहू नाम से जो पर्व भोजन और नृत्य उत्सव के रूप में मनाया जाता है। वह भी दरअसल फसलों की कटाई की शुरुआत का पर्व होता है। महाराष्ट्र और गुजरात में महिलाएं इस दिन एक-दूसरे को हल्दी, कुमकुम और तिलकुट बांटती हैं। इस तरह देखें तो पूरे देश में यह पर्व अलग-अलग तौर तरीकों से इंद्रधनुषी गतिविधियों में संपन्न होता है। इस पर्व का सिर्फ सांस्कृतिक महत्व ही नहीं है। इसका अपना वैज्ञानिक और खगोलीय महत्व भी है। क्योंकि मकर संक्रांति वह दिन है जब सूर्य मकर रेखा को पार करता है और उत्तरी गोलार्ध की ओर बढ़ने लगता है। इसलिए यह दिन शीत ऋतु के अंत और वसंत ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है। इस समय दिन लंबे और रातें छोटी होने लगती हैं। सर्दी कम होने लगती है और धीरे-धीरे गर्मी का आगमन होता है। फसल की कटाई और नए सत्र की शुरुआत का भी यही समय होता है। शरीर को भरपूर ऊर्जा और गर्मी मिलती रहे, इसलिए लोग मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ का सेवन करते हैं। मकर संक्रांति, भारत के विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक और वैज्ञानिक आयामों का समागम है। यह त्योहार एक तरफ जहां फसल कटाई का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर ऋतु परिवर्तन का भी यह पर्व संकेत देता है। यह पर्व सामाजिक एकता, आध्यात्मिक शांति और प्रकृति के साथ सामंजस्य का संदेश भी देता है। *

पोंगल पर सामूहिक भोज तैयार करतीं महिलाएं

पर्व-तिथि और मुहूर्त

आमतौर पर मकर संक्रांति 13 या 14 जनवरी को मनाई जाती है। इस साल यह मंगलवार 14 जनवरी 2025 को मनाई जाएगी। अगर शुभ मुहूर्त की बात करें तो वैदिक पंचांग के मुताबिक 14 जनवरी 2025 को सुबह 9 बजकर 3 मिनट पर सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेगा। इस बार पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में लोहड़ी 13 जनवरी को मनाई जाएगी। जबकि तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के जिन-जिन हिस्सों में पोंगल का पर्व मनाया जाएगा, उसकी तिथियां 14 से 17 जनवरी तक होगी यानी 14 से 17 जनवरी तक पोंगल मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल सहित पूर्वोत्तर राज्यों में भोगाली बिहू का पर्व 14-15 जनवरी को मनाया जाएगा।

{ पुस्तक चर्चा / अनुराग मनींद्र }

विडंबनाओं को रेखांकित करती कविताएं

आज के दौर के चर्चित युवा कवियों में शंकरानंद भी शामिल हैं। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उनकी कविताएं प्रकाशित होती रहती हैं। पूर्व में इनके तीन काव्य संग्रह-'दूसरे दिन के लिए', 'पदचाप के साथ' और 'इंकार की भाषा' प्रकाशित हो चुके हैं। हाल में न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन की श्रृंखला 'समकाल की आवाज' के तहत 'शंकरानंद : चयनित कविताएं' का प्रकाशन किया गया है।

इस पुस्तक में शंकरानंद की काव्य प्रतिभा के विविध आयाम देखे जा सकते हैं। कवि की संवेदना प्रकृति, परिवार, समाज, देश-दुनिया के हर मंजर, हर तबके तक पहुंचती है। 'फूलों की क्यारियां', 'विलुप्त होने वाली चिड़िया', 'मां के हाथ', 'पिता की उम्र', 'मैं मजदूर', 'ओ किसान', 'आदिवासी', 'सरकार की चुप्पी', 'युद्ध पर पुनर्विचार'... जैसी कविताओं में उनकी काव्य-संवेदना और रचनाशीलता के अलग-अलग 'डायमेंशन' देखे जा सकते हैं।

इन कविताओं में कहीं सीधे-सीधे तो कहीं संकेतों के माध्यम से उन्होंने विरोधाभास, विसंगति और विडंबनाओं को रेखांकित करने का प्रयास किया है। अपनी कविताओं में बहुत सीधे-सरल शब्दों में वे बहुत गहरी बात कह जाते हैं, 'आरोप की भाषा में/जितनी धार होती है/वह एक भले आदमी की/गर्दन रेत सकती है।' किसानों की दुर्दशा का मार्मिक चित्रण करते हुए वे लिखते हैं, 'जब जल रहा है बीज और स्वप्न है धुआं-धुआं/एक किसान के लिए पूरी पृथ्वी विदर्भ है'। *

पुस्तकः चयनित कविताएं, **लेखकः** शंकरानंद, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

{ छोटी कहानी / सविता गोयल }

संक्रांति के लड्डू

मांएं तो यही चाहती हैं, तीज-त्यौहार पर बेटियों को प्रेम-स्नेह और मान मिलता रहे, लेकिन बहू को बुरा लगे तो मां मन मार के रह ही जाएगी, लेकिन वही बहू जब बेटी के रूप में प्रेम-स्नेह से वंचित हो, तो टीस होगी ही। रिश्तों को सहेजती कहानी।

यह क्या मां जी, सुबह-सुबह आप रसोई में क्या कर रही हैं?' अपने कमरे से निकलते ही देसी घी की खुशबू सूंघते हुए सिया ने अपनी सास दामिनी से पूछा।

'बहू.. वो... संक्रांति आने वाली है ना तो मैंने सोचा शोभा और प्राची के लिए कुछ लड्डू बना दूं, उन्हें भेजवा दूं।' सास ने बताया।

'मां जी, आपको पता है, आजकल देसी घी कितना महंगा हो गया है... वैसे भी दीदी के घर बाजार से रेवड़ियां और मूंगफली लेकर तो मिहिर हमेशा दे ही आते हैं। नई-नई रीत आप बनाएंगी तो आगे मुझसे तो नहीं निभने वाली। वार-त्यौहार तो आए दिन आते ही रहते हैं, हर रोज इस तरह कढ़ाही चढ़ाकर बैठी रहेंगी तो घर का खर्च कैसे चलेगा?' सिया मुंह बिचका कर बोली।

बहू की बात सुनकर दामिनी के हाथ वहीं के वहीं रुक गए। ऐसा लग रहा था, उनके हाथों में जान ही नहीं है। घर खर्च कैसे चलता है उन्हें भी पता था, लेकिन आज वह खुद को बहुत मजबूर समझ रही थीं। वह सोचती हैं, 'शायद ठीक ही तो बोल रही थी बहू, पति के जाने के बाद सारी जिम्मेदारी बेटा निभा रहा है। बहू को भी हक है ना हिसाब रखने का।'

दामिनी जी ने भी अपने बच्चों को काफी तकलीफों से पाला था। दो बेटियों और एक बेटे के साथ उनकी गृहस्थी चल रही थी। कमाई कम थी, लेकिन कभी अपने बच्चों का मन नहीं मारा था। उस वक्त बाहर से खाने की चीजें घर पर कम ही आती थीं, इसलिए दामिनी घर पर ही सबकी पसंद का कुछ ना कुछ बना लेती थीं। धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो रही थी। बेटा मिहिर भी अब अपनी पढ़ाई पूरी करके नौकरी पर लग गया था। घर खर्च के साथ बचत भी होने लगी थी। बच्चों की शादी भी अच्छे से हो गई। सभी अपनी-अपनी गृहस्थी में खुश थे। कई वर्षों तक सब कुछ अच्छा चलता रहा कि तभी दामिनी के पति उनका साथ हमेशा के लिए छोड़कर चले गए। उनके जाने के बाद दामिनी अब अपने बच्चों के सहारे ही अपनी जिंदगी काट रही थीं। उन्होंने कभी अपनी इच्छाओं का बोझ अपने बेटे-बहू पर नहीं डाला, लेकिन ससुर के जाने के बाद सिया की नजरों में दामिनी जी केवल घर में रखे सामान की तरह हो गई थीं, जिसे घर में जगह तो मिलती है लेकिन अधिकार नहीं।

वैसे तो दामिनी जी कुछ नहीं कहती थीं, लेकिन अपनी बेटियों की पसंद का ध्यान तो मां को रहता ही है, इसलिए वो आज अपने बच्चों के लिए लड्डू बनाने के लिए रसोई में पहुंच गई थीं। बहू की बातें सुनकर वो रसोई से निकल आईं। आंखों से आंसू तो नहीं टपके, लेकिन मन बहुत आहत था। सिया माथे पर त्यौरियां लिए रसोई में आई, देखा घी में बेसन भुन चुका था। उसने लड्डू बांधे और डब्बे में भरकर ऊपर रख दिए। चार दिन बाद ही सिया अपनी मां से बात कर रही थी, 'मां भइया कब आएंगे त्यौहार का शगुन लेकर?' सिया ने अपनी मां से पूछा।

'बेटा, तेरा भाई बोल रहा था अभी टाइम नहीं है। दो-चार दिनों में उधर जाना हुआ तो दे आऊंगा।' मां ने कहा।

'मां, पहले तुम मेवे की जो पिन्नियां बनाती थीं, इस बार वो बनाकर जरूर भेजना। बहुत दिन हो गए तुम्हारे हाथ की पिन्नी खाए।' सिया मचलते हुए बोली।

'ठीक है बेटा, देखती हूं..।' कहकर सिया की मां ने फोन रख दिया।

दो दिनों बाद सिया का भाई आया। एक थैले में कुछ सामान था, बहन को पकड़ाया बोला, 'सिया मुझे कहीं जाना है। आजकल वक्त नहीं मिलता कहीं आने-जाने का। मां बार-बार बोली तो आना पड़ा।'

'भाई, थोड़ी देर तो बैठ जाओ तुम्हारे जीजा जी आते ही होंगे ऑफिस से, उनसे मिलकर चले जाना।' सिया बोली। 'नहीं सिया, उनसे फिर कभी मिल लूंगा।' कहकर सिया का भाई चला गया।

सिया ने थैला खोलकर देखा, उसमें एक साड़ी और रेवड़ी, मूंगफली थी। पिन्नियों का डब्बा तो नहीं था, जो सिया ने अपनी मां से बनाने को कहा था। थोड़ी देर में सिया ने अपनी मां को फोन किया, 'मां तुम पिन्नियां डालना भूल गईं क्या?'

'बेटी... वो मैंने कहा था तेरी भाभी से कि विनय को बोल दे पिन्नी बनाने का सामान लाने के लिए... लेकिन...।' 'लेकिन क्या मां?' सिया ने पूछा।

'वो बोली कि सारी जिंदगी क्या बेटी को देती ही रहेंगी... इतना सामान क्या, ऐसे ही आता है? पता है मेवे कितने महंगे हो गए हैं?' कहते-कहते सिया की मां का गला रूंध गया।

मां की बात सुनकर सिया के कान भी सुन्न पड़ गए। उसके दिमाग में अपनी कही बात गूंजने लगीं, जो उसने अपनी सास से कही थी, 'पता भी है देसी घी कितना महंगा हो गया है?'

सिया ने कांपते हाथों से फोन रख दिया। अगले दिन जब मिहिर अपनी बहनों शोभा और प्राची के यहां शगुन देने जा रहा था तो सिया ने दो डिब्बों में लड्डू भी भर दिए। दामिनी ने सिया की ओर देखा तो उसकी नजरें शर्मिंदगी से झुक गईं, लेकिन मुंह से शब्द नहीं निकल पाए। बस मिहिर से इतना ही कहा, 'दीदी से कहना, मां ने लड्डू भेजे हैं।' *

चैंपियंस ट्रॉफी : भारतीय टीम चयन में देरी... बीसीसीआई ने आईसीसी से मांगा समय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अगले महीने की 19 तारीख से शुरू हो रही है। इस बार यह टूर्नामेंट पाकिस्तान की मेजबानी में 'हाइब्रिड मॉडल' के तहत खेला जाना है। इसके मुकाबले पाकिस्तान और दुबई में आयोजित होंगे। शुरुआती मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। वहीं भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। अब चैंपियंस ट्रॉफी से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक इस इवेंट के लिए भारतीय टीम के सेलेक्शन में देरी हो सकती है। पहले यह उम्मीद की जा रही थी कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए 12 जनवरी तक कोर टीम (अस्थायी) की घोषणा करेगी। लेकिन अब इसमें एक सप्ताह की देरी हो सकती है। अब चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम की घोषणा 18 या 19 जनवरी को की जा सकती है।

12 जनवरी थी डेडलाइन

बता दें कि आईसीसी इवेंट्स में भाग लेने वाले देशों को कम एक महीने पहले कोर टीम (अस्थायी) का ऐलान करना होता है, जिसमें बाद में बदलाव करने की स्वतंत्रता होती है। हालांकि, इस बार आईसीसी ने टूर्नामेंट शुरू होने से पांच सप्ताह पहले ही सभी टीमों से खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपने को कहा। इसकी डेडलाइन आईसीसी ने 12 जनवरी रखी थी। अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे का हवाला देते हुए आईसीसी से डेडलाइन बढ़ाने की मांग कर रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी के साथ-साथ इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी टीम सेलेक्शन में देरी हो सकती है।

टी20 टीम का ऐलान जल्द

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में ज्यादातर वहीं खिलाड़ी होंगे, जिन्हें चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेना होगा। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान एक-दो दिन में किया जा सकता है। टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में ज्यादातर वहीं प्लेयर्स होंगे, जिन्होंने बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले खेले थे। टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों को शामिल किए जाने की कोई संभावना नहीं है। बुमराह और सिराज उन दोनों सीरीज में भी अनुपस्थित रहे थे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए संभावित टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल/वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव/रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और अर्शदीप सिंह।

इंग्लैंड का भारत दौरा

दिनांक	प्रारूप	स्थान
22 जनवरी	टी20	कोलकाता
25 जनवरी	टी20	चेन्नई
28 जनवरी	टी20	राजकोट
31 जनवरी	टी20	पुणे
2 फरवरी	टी20	मुंबई
6 फरवरी	वनडे	नागपुर
9 फरवरी	वनडे	कटक
12 फरवरी	वनडे	अहमदाबाद

बीसीसीआई एसजीएम आज सैकिया, भाटिया का चयन तय

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की रविवार को यहां होने वाली विशेष आम बैठक में देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को आधिकारिक तौर पर क्रमशः बीसीसीआई सचिव और कोषाध्यक्ष चुना जाएगा। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी और भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) अचल कुमार जोती ने मंगलवार को सूची को जब अंतिम रूप दिया तो सैकिया और प्रभतेज रिक्त पदों के लिए मैदान में एकमात्र उम्मीदवार थे। जय शाह के एक दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का चेयरमैन बनने के बाद से सैकिया बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

सितारों को तैयार करेगी महिला हॉकी लीग

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि महिला हॉकी इंडिया लीग खेल पर वैसा ही प्रभाव डाल सकती है जैसा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने क्रिकेट पर डाला है। रांची में 12 से 26 जनवरी तक होने वाले पहले डब्लूएचआईएल में चार टीमें दिल्ली एसजी पाइपर्स, ओडिशा वॉरियर्स, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब भाग लेंगी। सूरमा क्लब की मेंटर और कोच रानी ने कहा, 'इस बार केवल चार टीमें हो सकती हैं लेकिन लीग शुरू होने में काफी समय लग गया है। इसके लिए हॉकी इंडिया की सराहना की जानी चाहिए।'

भारतीय शिक्षा व्यवस्था में 'खेल पहले' हो

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने देश की शिक्षा प्रणाली में बदलाव की मांग करते हुए कहा है कि भविष्य में विश्व चैंपियन तैयार

करने के लिए खेलोन्मुखी पाठ्यक्रम बनाया जाना जरूरी है। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भूटिया ने इस पर चिंता जताई कि देश की मौजूदा शिक्षा नीतियों में खेलों को उतनी तरजीह नहीं दी गई है जिससे विश्व स्तरीय खिलाड़ी उतने नहीं निकल पा रहे। उन्होंने कार्यक्रम से इतर कहा, 'मेरा मानना है कि शिक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर ऐसी शिक्षा व्यवस्था बनानी चाहिए जो खेल नीतियों को बढ़ावा दे।'

श्रृंखला जीतने उतरेगी भारतीय महिला टीम

राजकोट। युवा खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से पहले मैच में आसान जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला टीम आयरलैंड के खिलाफ

रविवार को यहां होने दूसरे महिला एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना अच्छा खेल जारी रखकर श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। अपेक्षाकृत कम अनुभवी टीम उतारने के बावजूद भारत ने पहले वनडे में छह विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई।

गिफ्टी के गोल से जीती नीता फुटबॉल अकादमी

नई दिल्ली। घाना की फुटबॉलर गिफ्टी आचियाम्पोंग के 80वें मिनट में किए गए गोल की मदद से हाल में प्रोमोट की गई नीता फुटबॉल अकादमी ने शनिवार को यहां

एचओपीएस एफसी के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज कर इंडियन वुमैन्स लीग में यादगार शुरुआत की। अम्बेडकर स्टेडियम में कड़ाके की सर्दी में हुए इस मैच में दोनों टीमों ने धीमी शुरुआत की। लेकिन दूसरे हाफ में गिफ्टी ने लंबे शॉट पर गोलकीपर प्रीति सरकार को चौंकाते हुए गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

विजय हजारे ट्रॉफी : चार बार की चैंपियन ने बड़ौदा को पांच रन से हराया

कर्नाटक और महाराष्ट्र सेमीफाइनल में पहुंचे, अर्शिन-नितिन का शतक

एजेंसी ▶▶| वड़ोदरा

चार बार की चैंपियन कर्नाटक ने एक रोमांचक मुकाबले में बड़ौदा को पांच रन से हराया जबकि महाराष्ट्र ने शनिवार को पंजाब को 70 रन से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। युवा अर्शिन कुलकर्णी ने लिस्ट ए क्रिकेट में पहला शतक जमाया जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज नितिन नाईक के आक्रामक शतक से महाराष्ट्र ने पंजाब पर शानदार जीत दर्ज की।

कुलकर्णी ने 137 गेंद में 107 रन बनाए और अंकित बावने (60 रन) के साथ शतकीय साझेदारी की। इसके बाद नाईक ने 29 गेंद में नाबाद 52 रन बनाकर टीम को छह विकेट पर 275 रन तक पहुंचाया। जवाब में पंजाब के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे और टीम एक बार भी मैच में नहीं दिखी। अर्शदीप सिंह ने नौवे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंद में 49 रन बनाए लेकिन पूरी टीम 44.4 ओवर में 205 रन पर आउट हो गई। महाराष्ट्र के लिए मुकेश चौधरी ने आठ ओवर में 44 रन देकर तीन और प्रदीप दाढ़े ने 9.4 ओवर में 31 रन देकर दो विकेट लिए।

145 रन की साझेदारी

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर महाराष्ट्र की शुरुआत बहुत खराब रही। कुलकर्णी ने पारी को संभाला और बावने के साथ 145 रन की साझेदारी की। कुलकर्णी ने 81 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और 137 गेंद की अपनी पारी में स्ट्राइक रोटेट करते रहे। अर्शदीप ने उन्हें पवेलियन भेजा। इसके बाद नाईब ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अपनी पारी में तीन छक्के और तीन चौके लगाए।

कर्नाटक ने बड़ौदा को हराया

सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट में वापसी करते हुए शतक जमाया और प्रसिद्ध कृष्णा के डैथ ओवरों में शानदार स्पैल की मदद से कर्नाटक ने बड़ौदा पर रोमांचक जीत दर्ज की। बड़ौदा ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। कर्नाटक ने पडिक्कल के 99 गेंद में 102 रन की मदद से आठ विकेट पर 281 रन बनाए। जवाब में बड़ौदा के सलामी बल्लेबाज शाश्वत रावत ने शतक लगाया। रावत के 104 रन की मदद से बड़ौदा जीत की ओर बढ़ती लग रही थी और आखिरी पांच ओवर में उसे 44 रन ही चाहिए थे। प्रसिद्ध कृष्णा ने हालांकि 47वें ओवर में दो विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया।

युवा महोत्सव

श्रीलंका ने जीता मैच, न्यूजीलैंड ने सीरीज पर 2-1 से किया कब्जा

एजेंसी ▶▶| आकलैंड

असिथ फर्नांडो और महीष तीक्षणा के छह विकेट की मदद से श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को 29.4 ओवर में 150 रन पर आउट करके तीसरा एक दिवसीय क्रिकेट मैच 140 रन से जीत लिया।

फर्नांडो ने 26 रन देकर और तीक्षणा ने 35 रन देकर तीन तीन विकेट लिए। न्यूजीलैंड की टीम जीत के लिए 291 रन के लक्ष्य के जवाब में 150 रन पर आउट हो गई। एशान फर्नांडो ने भी 35 रन देकर तीन विकेट चटकाए। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में अगले महीने होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह उसका आखिरी मैच था। इससे पहले पाथुम निसांका के 66 रन की मदद से श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 290 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने 55 रन देकर चार विकेट लिए। न्यूजीलैंड की पारी में मार्क चैपमैन ने 81 गेंद में 81 रन का योगदान दिया।

डरबन की प्रिटोरिया पर दो रन से रोमांचक जीत

डरबन। डरबन सुपर जायंट्स ने विल जैक्स (64) और रहमानुल्लाह गुरबाज़ (89) की तूफानी पारियों के बावजूद एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में प्रिटोरिया कैपिटल्स पर दो रन से रोमांचक जीत दर्ज की। डरबन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 209 रन बनाए। इसके जवाब में जैक्स और गुरबाज ने पहले विकेट के लिए 154 रन जोड़कर प्रिटोरिया को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बावजूद उसकी टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 207 रन ही बना पाई। अफगानिस्तान के गेंदबाज नूर अहमद ने इन दोनों बल्लेबाजों को आउट करके डरबन को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। जैक्स ने 35 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 64 रन, जबकि गुरबाज ने सात छक्कों और तीन चौकों की मदद से 43 गेंदों में 89 रन बनाए।

फुटबॉल

एस्टन विला ने विवादास्पद गोल से वेस्ट हैम को हराया

एजेंसी ▶▶| लंदन

एस्टन विला ने शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके विवादास्पद गोल के दम पर वेस्ट हैम को 2-1 से हराकर उसे एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। तीसरे दौर का यह मैच मॉर्गन रोजर्स के विजयी गोल के लिए रेफरी के खराब निर्णय के लिए याद किया जाएगा। लुकास पाक्वेटा ने नौवें मिनट में गोल करते वेस्ट हैम को बढ़त दिला दी थी लेकिन अमादौ ओनाना ने खेल समाप्त होने में 19 मिनट शेष रहते हुए विला को बराबरी दिला दी। इसके कुछ देर बाद हालांकि रेफरी ने विला को 75वें मिनट में कॉर्नर दे दिया क्योंकि ओनाना का शॉट बाहर चला गया और इसी फैसले के आधार पर रोजर्स ने विजयी गोल किया। वीडियो रीप्ले में स्पष्ट रूप से दिखाया गया कि ओनाना का शॉट वेस्ट हैम के खिलाड़ी को नहीं लगा था और इसे कॉर्नर की बजाय गोलकिक होना चाहिए था।

खेल मंत्री ने किया राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को यहां 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' और राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन किया। भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से 3000 से अधिक युवा विषयगत चर्चाओं और रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख हस्तियों में केंद्रीय युवा मामले और खेल

राज्य मंत्री रक्षा खडसे, महिंद्रा समूह के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा, इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ और पत्रकार पालकी शर्मा उपाध्याय शामिल थे। मांडविया ने इस अवसर पर भारत के भविष्य को आकार देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों से देश की प्रगति में सक्रिय रूप से योगदान देने का आग्रह करते हुए कहा, 'यह कार्यक्रम युवाओं ने आयोजित किया है और यह युवाओं के लिए है।' महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण 12 जनवरी को कार्यक्रम के समापन दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुछ चयनित युवाओं के बीच बातचीत होगी।

जामवाल ने पूर्व युवा चैंपियन को हराया, शिव और सिवाच भी जीते

एजेंसी ▶▶| बरेली

हिमाचल प्रदेश के अभिनाश जामवाल ने पूर्व विश्व युवा चैंपियन वंशज कुमार को हराकर बड़ा उलटफेर किया जबकि शिव थापा और सचिन सिवाच ने अपना दबदबा कायम रखते हुए शनिवार को यहां आठवीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जामवाल ने 63.5 किग्रा वर्ग में 2022 के विश्व युवा चैंपियन सेना के वंशज को 5-0 से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह सुरक्षित की।

विश्व चैम्पियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता थापा ने असम का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया और 60-65 किग्रा वर्ग में हिमांशु सांगवान को आसानी से 5-0 से पराजित किया। पूर्व विश्व युवा चैंपियन सचिन सिवाच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मणिपुर के किंग्सन पुखरामबम को इसी अंतर से हराया। राजस्थान के देवेंद्र सोलंकी ने 47-50 किग्रा वर्ग में लगातार तीसरी जीत हासिल की। उन्होंने मिजोरम के ज़ोरमुआना को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इस बीच सेना के मुक्केबाजों ने अपना दबदबा कायम रखा। सचिन के अलावा हितेश गुलिया (लाइट मिडिलवेट), दीपक (वेल्टरवेट), जुगनू (क्रूजरवेट) और विशाल (हैवीवेट) ने भी अपने मुकाबले आसानी से जीते। पंजाब के गोपी ने फ्लाईवेट डिवीजन में गोविंद साहनी को हराकर उनके प्रभावशाली अभियान पर रोक लगाई।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग (भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या: EPS/55/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/ डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/ विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	निविदा मात्रा
1	61242455	गैर/एसी कोच के लिए विनाइल कोटेड अपहोल्स्ट्री फैब्रिक	56667 मीटर
2	65245007 A	मशीन की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशन और साबित करना	1 Nos.
3	20244126	ईपी रिले वाल्व के लिए किट	307 Set
4	20244168	WAG-9 लोकोमोटिव के लिए लोचदार अंगूठी	570 Nos.
5	38242311A	वितरक वाल्व प्रकार KEO के लिए POH किट	6968 Set
6	38242403	बोल्स्टर सस्पेंशन स्प्रिंग स्नबर	9229 Nos.
7	30241223	फीड पाइप के लिए एयर ब्रेक नली युग्मन पूरा	19555 Nos.
8	80241177	डाई प्रवेशक परीक्षण किट	30613 Nos.
9	65245017	ईओटी क्रेन क्षमता-25/10 टन	1 Nos.

खोलने की तिथि: क्रमांक 1: 23.01.2025, क्रमांक 02 से 04: 03.02.2025, क्रमांक 5: 05.02.2025, क्रमांक 6: 06.02.2025, क्रमांक 7: 11.02.2025, क्रमांक 8 व 9: 10.02.2025. 50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate

वसूली विभाग, अंचल कार्यालय
7वां तल, अंसल टॉवर, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली–110019
फोन : 011–26292604; 26419921

ई–नीलामी बिक्री सूचना

बिक्री सूचना

एतदद्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप से ऋणी(यों) व गारंटरों को सूचित किया जाता है, कि प्रतिभूति ऋणदाताओं को बंधक/दृष्टि बंधक/प्रभारित नीचे वर्णित चल/अचल सम्पत्ति, जिस पर केनरा बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिया गया है, को "जहां है जैसी है", जो है कैसी है" और जैसी भी है" के आधार पर नीचे वर्णित दिनांकों को बंधक सम्पत्ति की ब्रिकी आयोजित की जाएगी। प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और 9 के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन धारा अधिनियम 2002 के अधिन बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए कृपया E-bkray (मैसर्स पीएसबी एलायंय (Baanknet.com), (सम्पर्क नं. 8291220220, ईमेल : support.BAANKNET@psballiance.com या केनरा बैंक की वेबसाइट www.canarabank.com में दिए गए लिंक "ई–नीलामी" को देखें। आरक्षित मूल्य की 10% ईएमडी राशि मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड (E-bkray) पोर्टल के ई–वॉलेट में सीधे जमा की जानी है या चालान बनाकर उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करना है।

सुरक्षित ऋणदाता/ शाखा का नाम व पता	नाम और पता उधारकर्ता/ गारंटर	अचंल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण	(ए) कुल देयताएं (रू) : (बी) आरक्षित मूल्य (रू) : (सी) ईएमडी (रू) : (डी) बोली वृद्धि राशि (रू) :	नीलामी की तिथि एवं समय / सम्पर्क कर्ता का नाम व नं.
एस ए एम शाखा दिल्ली	1. मैसर्स. योगराज इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय और कॉर्पोरेट कार्यालय: बी–63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057 2. मैसर्स. योगराज इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, इकाई: ग्राम चावरपाटा, तहसील तेंदूखेड़ा, जिला। नरसिंगपुर, एम.पी–487330 3. श्री. योगेन्द्र सिंह, (गारंटर) बी–63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057 4.श्रीमती. रितु सिंह, (गारंटर) बी–63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	मेसर्स योगराज इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के नाम पर ग्राम चावरपाटा, तहसील तेंदूखेड़ा, जिला नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश पिन कोड– 487330 में खसरा नंबर 226 में शेड बिल्डिंग सहित 3.61 एकड़ जमीन। भौतिक कब्जे में संपत्ति	ए) कुल देयताएं (रू): 543,99,12,610.97 बी) आरक्षित मूल्य (रू): 1,40,00,000/– सी) ईएमडी (रू): 14,00,000/– दिनांक 27.01.2025 डी) बोली वृद्धि राशि: (रू):1,00,000/–	30.01.2025 को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे के बीच (प्रत्येक 5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ) निरीक्षण करने की तिथि 24.01.2025 के बीच में समय सुबह 11:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक / श्री अमित कुमार प्रबंधक (मोबाइल: 8979872232) श्री दर्शन कुमार गौतम मुख्य प्रबंधक (मोबाइल: 7735448508)

इच्छुक बोलीदाता अन्य विवरण और संपत्तियों के निरीक्षण के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान संपर्क कर सकते है।
दिनांक : 10.01.2025 स्थान : नई दिल्ली केनरा बैंक प्राधिकृत अधिकारी

अब एआई के जरिए अवैध खनन रोकने की तैयारी

जिले में 3 स्थानों पर बने ई-नाके

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर जिले में रेत के अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सहारा लेगा। इस उद्देश्य को साकार करने के लिए जिले में तीन ई-नाके (ई-चेक पोस्ट) लगाए जा रहे हैं, जिन्हें एआई तकनीक से संचालित किया जाएगा। यह पहल अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग की ओर से उठाया गया एक बड़ा कदम है।

इन ई-नाकों में हाई रिजोल्यूशन वाले कैमरे लगाए जाएंगे, जो खनिज ठेकेदारों और वाहन मालिकों की पहचान करेंगे। इन कैमरों के माध्यम से वाहनों की जानकारी एकत्रित की जाएगी और यह डेटा सीधे जबलपुर और भोपाल स्थित वन कमांड सेंटर में भेजा जाएगा। यहां यह जानकारी रीयल-टाइम में प्राप्त होगी, जिससे अधिकारियों को हर वाहन की गतिविधियों का ट्रैक रखने में मदद मिलेगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन नाकों पर किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की तैनाती नहीं की जाएगी, बल्कि पूरी प्रक्रिया एआई द्वारा संचालित होगी।

जल्द होगा उद्घाटन

जबलपुर में जनवरी माह अंतिम सप्ताह तक इन तीनों ई-नाकों को सक्रिय किया जाएगा। इसके लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान पहले ही कर ली गई है। दो ई-नाके राष्ट्रीय राजमार्ग पर तिलवारा और सिहोरा में लगाए जाएंगे, जबकि तीसरा नाका एमपीआरडीसी के मुख्य मार्ग पर स्थित होगा। इन नाकों को स्थापित करने का कार्य दिसंबर तक पूरा कर लिया गया था।

नए सिस्टम के तहत क्या होगा?

तीन नए ई-चेक नाके राष्ट्रीय राजमार्ग और एमपीआरडीसी रोड पर स्थापित किए जाएंगे। इन नाकों पर लगाए गए हाई रिजोल्यूशन कैमरे प्रत्येक खनिज परिवहन करने वाले वाहन की जांच करेंगे। ई-चेक गेट से प्राप्त जानकारी को तुरंत जबलपुर और भोपाल स्थित कमांड सेंटर में भेजा जाएगा। इसके बाद यदि किसी वाहन में कोई अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित वाहन चालक और खनिज ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

खनिज और परिवहन विभाग का संयुक्त प्रयास

खनिज विभाग और परिवहन विभाग मिलकर इस कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए काम करेंगे। परिवहन विभाग जल्द ही खनिज वाहनों में लगे बार-कोड की जांच करेगा। अगर किसी वाहन में बार-कोड नहीं होगा, तो उसे नया बार-कोड दिया जाएगा, ताकि ई-नाके पर लगे स्कैनर की मदद से इन वाहनों की पहचान की जा सके।

यह आती थी समस्याएं

एक बड़ी चुनौती यह है कि अधिकांश खनिज परिवहन करने वाले वाहनों में बार-कोड की व्यवस्था नहीं है। कई वाहन मालिकों ने इसे निकाल लिया है, जिससे ई-चेक नाकों पर लगे स्कैनर से वाहन की पहचान में समस्या उत्पन्न हो रही है। इस कारण अवैध खनन पर नियंत्रण पाने के लिए खनिज विभाग के अब तक किए गए प्रयास नाकाफी साबित हुए थे। हालांकि, अब एआई के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान निकलने की उम्मीद है। वहीं खनिज विभाग के नाकों में तैनात कर्मचारियों की संलिप्तता की वजह से अवैध खनन और परिवहन की घटनाओं में वृद्धि हुई है। अधिकतर समय वाहनों की जांच ठीक से नहीं हो पाती और इसका फायदा अवैध परिवहन करने वाले वाहन चालक उठाते हैं। कटंगी, पाटन, अंधमुख, महाराजपुर और चूल्हाकोलाई जैसे इलाकों से सबसे अधिक अवैध खनिज परिवहन हो रहा है। जब खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंचती है, तो पहले ही इन वाहन चालकों को जानकारी मिल जाती है और वे फरार हो जाते हैं। लेकिन एआई की मदद से ई-नाके पर की जा रही निगरानी से इन सब घटनाओं पर प्रभावी रोक लगने की संभावना है।

दो बेरोजगारों को झांसा देकर ठग ने लगाई चपत

नौकरी लगाने के नाम पर 5 लाख की ठगी!

हरिभूमि, जबलपुर।

रांझी थाना अतंर्गत शोभापुर पनेहरा पेट्रोल पंप के बाजू से गली में नौकरी लगाने के नाम पर एक ठग ने एक युवक से 3 लाख 31 हजार 312 और युवक के परिचित से 2 लाख 20 हजार रुपए धोखाधड़ी से हड़प लिए है।

रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ा पत्थर भैरोनगर गढ़ा निवासी 27 वर्षीय अजय रैकवार ने रांझी थाने में एक लिखित शिकायत की, कि उसके परिचित के पनागर निवासी सचिन कुशवाहा के जरिए गत 2 जनवरी को उसकी मुलाकात पुराना शोभापुर पनेहरा पेट्रोल पंप के बाजू से गली में रांझी निवासी अंकित रजक से हुई थी। अंकित रजक ने उसे बताया कि उसने बहुत से व्यक्तियों की नौकरी लगवाई है तुम्हारा थोड़ा पैसा खर्च होगा लेकिन अच्छी नौकरी लग जायेगी, इसके बाद उसने अंकित रजक को गत 27 जनवरी को 1 लाख 30 हजार रूपये नगद एवं 30 जनवरी को 40 हजार रूपये नगद दिये। उसके बाद फिर अंकित रजक के मांगने पर उसने अंकित रजक के नम्बर पर फोन पे, गूगल पे के माध्यम से अलग अलग तारीख को कुल 1 लाख 61 हजार 312 रूपये एवं कुल राशि 3 लाख 31 हजार 312 रूपये अंकित रजक को दिया है लेकिन अंकित रजक ने अभी तक न तो उसको नौकरी दिला रहा है और न ही उसके पैसे वापस कर रहा है उसने अंकित रजक से कई बार पैसे मांगे तो पैसे देने में आनाकानी करते हुए रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस प्रकार अंकित रजक ने नौकरी दिलवाने के नाम पर उसके साथ 3 लाख 31 हजार 312 रूपये की धोखाधड़ी की है। अंकित रजक ने उसके अलावा उसके परिचित के अंकित सोनी के साथ भी नौकरी दिलवाने के नाम पर 2 लाख 20 हजार रूपये की ठगी की है एवं अन्य भी कई लोगों के साथ ठगी कर धोखाधड़ी कर चुका है। लिखित शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 420, 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

प्रतिबंध के बाद भी बेचे जा रहे फर्जी ग्रीन पटाखे

एनजीटी ने नोटिस जारी कर 6 सप्ताह में जवाब मांगा

हरिभूमि, जबलपुर।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने डॉ. पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव द्वारा दायर विविध याचिका में जबलपुर, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन तथा प्रदेश के अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर 6 सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। जस्टिस शेव कुमार सिंह तथा एक्सपर्ट मेंबर डॉ अफरोज अहमद ने इस याचिका की सुनवाई 8 जनवरी 2025 को की थी, जिसमें याचिकाकर्ताओं की ओर से एड. प्रभात कुमार यादव ने पैरवी की थी।

याचिका में बताया गया है कि समूचे मप्र के शहरों में विशेषतः जबलपुर, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर एवं उज्जैन में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखों के संबंध में दिए गए आदेशों का घोर उल्लंघन हुआ है। फर्जी ग्रीन पटाखें तथा प्रतिबंधित पटाखे धड़ल्ले से फोड़े जा रहे है। दीवाली की रात में रात्रि के 2 बजे तक इन शहरों में पटाखों का धूमधड़ाका इस कदर मचा था कि उस रात को तथा दूसरे दिन वायु प्रदूषण का एयर क्वालिटी इंडेक्स खतरनाक स्थिति पर पहुंच गया था। जबलपुर में वह 339, भोपाल में 302, इंदौर में 412, ग्वालियर में 407 तथा उज्जैन में 327 तक उसे नापा गया था।

स्वयं मप्र सरकार ने दिनांक 31 अक्टूबर 2021 को सभी कलेक्टरों को आदेश दिए थे कि पटाखों की जांच करें तथा विक्रेताओं से अंडरटेकिंग प्राप्त करें, लेकिन शासकीय आदेश का पूरा पालन नहीं किया गया है। अतः याचिका में प्रार्थना की गई है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट की धारा 28 के तहत जबलपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर तथा उज्जैन के कलेक्टरों पर कार्रवाई की जाए।

प्लाट में मकान बनाकर देने के नाम पर हड़प लिए सवा लाख

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत प्लाट बेचने और मकान बनाकर देने का झांसा देकर एक जालसाज ने कई लोगों से पैसे ले लिए और मकान बनाकर नहीं दिया। लिखित शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर लिया है।

अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार खजरी खिरिया चौराहा बाईपास रोड में अनूप झारिया ने अवी कंस्ट्रक्शन नाम से आफिस खोल रखा था। यहां पर हीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा और मनोज शर्मा ने 1-1 हजार वर्गफुट के प्लाट खरीदकर रखे थे। जिस पर कंस्ट्रक्शन के लिए 1 लाख 25 हजार रुपए में मौखिक सौदा तय हुआ था। अनूप कुमार झारिया पड़ोस में ही निवास करता था उसके कहने पर एडवांस के तौर 1 लाख 25 हजार रुपए ऑनलाईन उसके खाते में ट्रांसफर किए गए। उसके पास तत्काल में राशि नही होने से सुरेन्द कुमार यादव को बोलकर उन्हे मोबाइल से 1 लाख रूपये 22 अप्रैल 2024 तथा 25 हजार रूपये अपनी पत्नी उषा शर्मा के मोबाइल से ट्रांसफर किया गया एवं हीरेन्द्र कुमार विश्वकर्मा अपने मोबाइल से आनलाईन 35 हजार रूपये अलग अलग दिनांकों में अपने घर में अनूप कुमार झारिया को 15 हजार रूपये नगद दिया था किन्तु अनूप कुमार झारिया प्लाट/मकान न देकर रकम हड़प ली और घर से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 406 के तहत अमानत में ख्यानत का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

युवा दिवस पर मॉडल स्कूल में होगा सामूहिक सूर्य नमस्कार

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती युवा दिवस पर सामूहिक सूर्य नमस्कार का जिला स्तरीय कार्यक्रम रविवार 12 जनवरी की सुबह 9 बजे पंडित लज्जाशंकर झा उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल स्कूल में आयोजित किया जायेगा। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी के अनुसार प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के मुख्य अतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह 9 बजे विद्यार्थियों का मॉडल स्कूल के मैदान में एकत्र होंगे तथा योग एवं सूर्य नमस्कार हेतु निर्धारित स्थल पर अपेक्षित दूरी पर पंक्तिबद्ध होकर अपना स्थान लेंगे। उन्होनें बताया कि माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद मुख्य अतिथि एवं अन्य आमंत्रित अतिथियों का स्वागत होगा तथा सुबह 9.30 बजे से आकाशवाणी के माध्यम से राष्ट्रगीत वंदेमातरम्, स्वामी विवेकानंद जी की वाणी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश के प्रसारण के बाद सूर्य नमस्कार और प्राणायाम होगा। सामूहिक सूर्य नमस्कार के जिला स्तरीय कार्यक्रम का समापन सुबह 10.30 बजे होगा।

दुकान संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज

आधिकारिक रोक के बाद भी बिक रहा था चायनीज मांझा

हरिभूमि, जबलपुर।

बेलबाग थाना अतंर्गत गलगला चौक के पास एक पतंग पैलेस दुकान में चायनीज मंझा बेच रहे दुकान संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से 61 पैकेट चायनीज मांझा जब्त किया है, जिसकी कीमत 10 हजार रुपए बताई गई है।

बेलबाग पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गढ़ाफाटक रवि नगर लार्डगंज निवासी 49 वर्षीय दुकान संचालक महेंद्र साहू गत दिवस अपनी पंतग पैलेस दुकान में चायनीज मंझा बेच रहा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी दुकान संचालक महेंद्र साहू को गिरफ्तार उसके कब्जे से 3 प्लास्टिक टाईप चायनींज मांझा, 6 नग डोल्फीन चायनीज मांझा, 3 नग चायनीज डायनासोर मांझा, 1 नग व्हाइट कलर का चायनीज मांझा , 18 नग बिग बॉस चायनीज मांझा , 27 नग महावली चायनीज मांझा, 3 नग गोल्ड चायनीज मांझा जब्त किया है। जिस पर नॉट यूज फॉर काईट फ्लाइंग लिखा है पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 61 पैकेट चायनीज मांझा जब्त किया है जिसकी कीमत लगभग 10 हजार रूपये बताई गई है। बताया गया है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 223, 125 भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

मण्डल रेल प्रबन्धक ने किया विभिन्न स्टेशनों का निरीक्षण

पुर्नविकास कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों में हो रहे पुनर्विकास कार्य की गति को देखने मण्डल रेल प्रबन्धक श्री कमल कुमार तलरेजा ने आज शानिवार को जबलपुर-इटारसी रेल खंड के मध्य के स्टेशनों का विशेष ट्रेन से निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होने यात्री सुविधाओं एवं पुर्नविकास कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित तिथि पर पूर्ण करने तथा रेल संरक्षा एवं सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डीआरएम ने भिटोनी, सहित श्रीधाम, नरसिंहपुर, करेली, गाडरवारा एवं पिपरिया स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यो की प्रगति का निरीक्षण किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करने के लिए डीआरएम श्री कमल कुमार तलरेजा ने अपने निरीक्षण अभियान की शुरुआत में आज सुबह जबलपुर से भिटोनी पहुचकर पेनल एवं स्टेशन का निरीक्षण किया. श्रीधाम, नरसिंहपुर, करेली, गाडरवारा एवं पिपरिया स्टेशनो मे चल रहे अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अधोसंरचना के कार्यों को देखा एवं अधिकारियों से चर्चा की इसके साथ पार्किंग व्यवस्था, टिकिट कार्य की एटीवीएम मशीन, सीसीटीवी केमरा, पैनल रूम, एक स्टेशन एक उत्पाद (ओएसओपी), एफओबी, पैनल रूम, खान-पान स्टालों का भी निरीक्षण किया।

मण्डल रेल प्रबन्धक ने उक्त स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्य के मॉडल एवं ले-आउट प्लान के सभी पहलुओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों ने स्टेशन पर हो रहे सर्कुलेटिंग एरिया के विकास एवं स्टेशन प्रवेश द्वार के विकास, आधारभूत संरचनाओं, के विकास की कार्ययोजना के संदर्भ में हो रहे कार्य की वास्तविक स्थिति से डीआरएम को अवगत कराया गया। निरीक्षण के उपरांत डीआरएम ने संबंधित अधिकारियों को स्टेशनों पर भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत यात्री सुविधाओं तथा परिचालन संबंधी निमार्णाधीन कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किये जाने के निर्देश दिए।

इस दौरान डीआरएम के साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर (टीआरओ) अक्षय कुमारवत, वरिष्ठ मण्डल सिग्नल एवं दूरसंचार आलोक तिवारी, मंडल इंजीनियर (साउथ) आलोक कुमार वर्मा, सहायक परिचालन प्रबन्धक आशीष कुमार दुबे, एएससी (आरपीएफ) बी.पी कुशवाहा आदि पर्यवेक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240